रामदरश मिश्र जीवंत और जीवित इतिहास के सशक्त उदाहरण है : प्रो वशिष्ठ अनूप

बिज़नेस रेमेडीज/गांधीनगर।

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा की ओर से 'रामदरश मिश्र: कथा और कविता की शती उपस्थिति' विषय पर 21 और 22 मार्च 2024 दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के बीज वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप ने कहा कि रामदरश मिश्र जीवंत और जीवित इतिहास के सशक्त उदाहरण है। सदी के सबसे बड़े रचनाकारों में उनकी गिनती होती है। उनका साहित्यिक जीवन सभी परिभाषाओं को छोटा कर देना वाला है। उन्होंने बाढ़ की विभीषिका का जिक्र अपनी रचनाओं में किया है। विनाश के बाद के जीवन पर भी उन्होंने लिखा है। मिश्र ने मां के साहस और उम्मीदों की बात कही। अपनी आत्मकथाओं, डायरी लेखन, संस्मरण, कहानी और उपन्यास के साथ ही गीत और गजल का भी लेखन किया। वह किसी धरा में सीमित कर देने वाले लेखक नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की तरह रामदरश मिश्र की कविताएं भी हुंकार भरती है। उन्होंने रामदरश मिश्र के 7 दशक के साहित्यिक जीवन को

प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर उन्होंने हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए पं. मदन मोहन मालवीय पर स्वरचित पंक्तियों से युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रामदरश मिश्र उन कवियों में है जिन्होंने आजादी के पहले और बाद में समाज के बदलावों को देखा और रचनाएं लिखीं। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि रामदरश मिश्र की पुत्री और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर स्मिता मिश्र ने कहा कि पिताजी लोकधर्मी चरित्र के धनी है। उन्होंने कहा कि पिताजी के साहित्य रचना में माताजी का भी योगदान रहा है। संगोष्ठी का स्वागत उद्बोधन सीयूजी के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव दुबे ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रामदरश मिश्र ने संवेदनाओं को सृजित करने का कार्य किया है। वर्तमान पीढ़ी को उनसे सीखने की आवश्यकता है। संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए संयोजक डॉ. गजेन्द्र मीणा ने कहा कि मिश्र ने समाज में चेतना जागृत करने का कार्य किया है। उनका लेखन शाश्वत है। सीयूजी के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. बालाजी रंगनाथन ने कहा कि रामदरश मिश्र ने अपनी रचनाओं में सामाजिक समस्याओं के निराकरण का कार्य किया है। केंद्रीय हिंदी संस्थान, अहमदाबाद के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुनील कुमार ने आभार व्यक्त किया। डॉ. प्रेमलता देवी ने मंच संचालन किया।

रामदरश मिश्र का ऑनलाइन संवाद : दो दिवसीय संगोष्ठी के पहले दिन रामदरश मिश्र से वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. ओम निश्चल का संवाद हुआ जिसका लाइव प्रसारण किया गया। इस परिचर्चा का संयोजन प्रो. संजीव दुबे ने किया। संगोष्ठी में सत्र क्रमशः रामदरश मिश्र की कविताएं, कहानियां, उपन्यास और रामदरश मिश्र का कथेतर गद्य विषयों पर चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। सत्रों की अध्यक्षता देश के विभिन्न हिस्सों से आए हिंदी के विद्वानों ने की। संयोजक डॉ. मीणा ने बताया कि संगोष्ठी में देशभर से अनेक विद्वान, शोधार्थी और विद्यार्थी शामिल रहें।

Public ... Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

Public ... Officer
गुजरात ... विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

परिभाषाओं से परे साहित्यकार 'रामदरश मिश्र'

सीयूजी में 'रामदरश मिश्र: कथा और कविता की शती उपस्थिति' विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा की ओर से 'रामदरश मिश्र: कथा और कविता की शती उपस्थिति' विषय पर कल और आज दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के बीज वक्ता

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप ने कहा कि रामदरश मिश्र जीवंत और जीवित इतिहास के सशक्त उदाहरण है। सदी के सबसे बड़े रचनाकारों में उनकी गिनती होती है। उनका साहित्यिक जीवन सभी परिभाषाओं को छोटा कर देना वाला है। उन्होंने बाढ़ की विभीषिका का जिक्र अपनी रचनाओं में किया है। विनाश के बाद के जीवन पर भी उन्होंने लिखा है। मिश्र ने मां के साहस और उम्मीदों की बात कही। अपनी आत्मकथाओं, डायरी लेखन, संस्मरण, कहानी और उपन्यास के साथ ही गीत और ग़ज़ल का भी लेखन किया। वह किसी धरा में सीमित कर देने वाले लेखक नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की तरह रामदरश मिश्र की कविताएं भी हुंकार भरती है। उन्होंने रामदरश मिश्र के 7 दशक के साहित्यिक जीवन को प्रेरणादायक बताया।

...cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात ... विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

308

...ac.in
Public Relations Officer
Central University of Gujarat

परिभाषाओं से परे साहित्यकार 'रामदरश मिश्र'

ीयूजी में 'रामदरश मिश्रः कथा ्रौर कविता की शती उपस्थिति' वेषय पर 21 और 22 मार्च !024 दो-दिवसीय राष्ट्रीय पंगोष्ठी का आयोजन

कालवाड़ टाइम्स

ांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय ़ हिंदी विभाग एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, ागरा की ओर से 'रामदरश मिश्रः कथा और ़विता की शती उपस्थिति' विषय पर 21 और !2 मार्च 2024 दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ा आयोजन किया गया। कार्यक्रम के ़द्घाटन सत्र के बीज वक्ता बनारस हिंदू ़श्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. ़शिष्ठ अनूप ने कहा कि रामदरश मिश्र ़ीवंत और जीवित इतिहास के सशक्त ़दाहरण है। सदी के सबसे बड़े रचनाकारों में ़नकी गिनती होती है। उनका साहित्यिक जीवन सभी परिभाषाओं को छोटा कर देना वाला है। उन्होंने बाद की विभीषिका का जिक्र अपनी रचनाओं में किया है। विनाश के बाद के जीवन पर भी उन्होंने लिखा है। मिश्र ने मां के साहस और उम्मीदों की बात कही। अपनी आत्मकथाओं, डायरी लेखन, संस्मरण, कहानी और उपन्यास के साथ ही गीत और गजल का भी लेखन किया। वह किसी धरा में सीमित कर देने वाले लेखक नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की तरह रामदरश मिश्र की कविताएं भी हुंकार भरती है। उन्होंने रामदरश मिश्र के 7 दशक के साहित्यिक जीवन को प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर उन्होंने हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए पं. मदन मोहन मालवीय पर स्वरचित पंक्तियों से युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रामदरश मिश्र उन कवियों में है जिन्होंने आजादी के पहले और बाद में समाज के बदलावों को देखा और रचनाएं लिखी। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि रामदरश मिश्र की पुत्री और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर स्मिता मिश्र ने कहा कि पिताजी लोकधर्मी चरित्र के धनी है। उन्होंने कहा कि पिताजी के साहित्य रचना में माताजी का भी योगदान रहा है। संगोष्ठी का स्वागत उद्बोधन सीयूजी के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव दुबे ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रामदरश मिश्र ने संवेदनाओं को सृजित करने का कार्य किया है। वर्तमान पीढ़ी को उनसे सीखने की आवश्यकता है। संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए संयोजक डॉ. गजेन्द्र मीणा ने कहा कि मिश्र ने समाज में चेतना जागृत करने का कार्य किया है। उनका लेखन शाश्वत है। सीयूजी के भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान के अधिष्ठाता बालाजी रंगनाथन ने कहा कि रामदरश ने अपनी रचनाओं से सामाजिक समस्य के निराकरण का कार्य किया है। केंद्रीय संस्थान, अहमदाबाद के क्षेत्रीय निदेशक सुनील कुमार ने आभार व्यक्त किया। प्रेमलता देवी ने मंच संचालन किया।

रामदरश मिश्र का ऑनलाइन संवाद

इस दो दिवसीय संगोष्ठी के पहले रामदरश मिश्र से वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. निश्चल का संवाद हुआ जिसका ल प्रसारण किया गया। इस परिचर्चा संयोजन प्रो. संजीव दुबे ने किया। संगोष् सत्र क्रमशः रामदरश मिश्र की कवि कहानियां, उपन्यास और रामदरश मिश्र कथेतर गद्य विषयों पर चार तकनीकी का आयोजन किया गया। सत्रों की अध्य देश के विभिन्न हिस्सों से आए हिंदी के वि ने की। संयोजक डॉ. मीणा ने बताया संगोष्ठी में देशभर से अनेक विद्वान, शो और विद्यार्थी शामिल रहें।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

304

'रामदरश मिश्र: कथा और कविता की शती उपस्थिति' विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

■ संजीवनी टुडे

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा की ओर से 'रामदरश मिश्रः कथा और कविता की शती उपस्थिति' विषय पर 21 और 22 मार्च 2024 दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के बीज वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप ने कहा कि रामदरश मिश्र जीवंत और जीवित इतिहास के सशक्त उदाहरण है।

वह किसी धरा में सीमित कर देने वाले लेखक नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की तरह रामदरश मिश्र की कविताएं भी हुंकार भरती है। उन्होंने रामदरश मिश्र के 7 दशक के साहित्यिक जीवन को प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर उन्होंने हिंदी के महत्व को रेखांकित करते

हुए पं. मदन मोहन मालवीय पर स्वरचित पंक्तियों से युवाओं को संबोधित किया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि रामदरश मिश्र की पुत्री और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफ़ेसर स्मिता मिश्र ने कहा कि पिताजी लोकधर्मी चरित्र के धनी है। उन्होंने कहा कि पिताजी के साहित्य रचना में माताजी का भी योगदान रहा है। संगोष्ठी का स्वागत उद्बोधन सीयूजी के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव दुबे ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए संयोजक डॉ. गजेन्द्र मीणा ने कहा कि मिश्र ने समाज में चेतना जागृत करने का कार्य किया है। उनका लेखन शाश्वत है। केंद्रीय हिंदी संस्थान, अहमदाबाद के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुनील कुमार ने आभार व्यक्त किया। डॉ. प्रेमलता देवी ने मंच संचालन किया।

દિવ્ય ભાસ્કર

ગાંધીનગર 23-03-2024

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં બે દિવસનો રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ યોજાયો

ગાંધીનગર । સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના હિન્દી વિભાગ અને કેન્દ્રીય હિન્દી સંસ્થાન, આગરા દ્વારા 'રામ મદર્શ મિશ્રઃ કથા અને કવિતાની શતાબ્દી ઉપસ્થિતિ' વિષય પર રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. . કાર્યક્રમના ઉદ્ઘાટન સત્રના મુખ્ય વક્તા બનારસ હિન્દુ યુનિવર્સિટીના હિન્દી વિભાગના વડા પ્રો.વશિષ્ઠ અનૂપે કહ્યું કે રામદર્શ મિશ્ર જીવંત અને જીવિત ઈતિહાસનું શક્તિશાળી ઉદાહરણ છે. તેમની ગણતરી સદીના મહાન સર્જકોમાં થાય છે. યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દૂબેએ કહ્યું કે રાષ્ટ્રીય કવિ રામધારી સિંહ ''દિનકર''ની જેમ રામદર્શ મિશ્રની કવિતાઓ પણ હુંકાર કરે છે. રામદર્શ મિશ્રની પુત્રી અને દિલ્હી યુનિવર્સિટીના પ્રોફેસર સ્મિતા મિશ્રએ જણાવ્યું હતું કે પિતાના સાહિત્ય સર્જનમાં માતાનો પણ ફાળો છે.

Friday
22.03.2024

*Email.: kamalamgujarat@gmail.com
*www.kamalamgujarat.com
*Editor :Mahesh N. Patel :- (98249 10606)

ગતિશીલ ગુજરાત ની વિકાસ ગાથા રજૂ કરતું એકમાત્ર અખબાર...

કમલમ્

KAMALAM

ગાંધીનગર થી પ્રસિદ્ધ થતું અખબાર
RNI No.:GUJGUJ/2016/73451

Office: A-3, Plot No. R - 13, Tanishq Complex, New Greencity, Sector-26, Gandhinagar

૨૧ અને ૨૨ માર્ચ ૨૦૨૪ ના રોજ CUG માં 'રામદર્શ મિશ્ર: કથા અને કવિતાની શતાબ્દી ઉપસ્થિતિ' વિષય પર બે દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન થયું.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

પરિભાષાઓથી પર સાહિત્યકાર 'રામદર્શ મિશ્રા'

કમલમ્ ન્યુઝ,ગાંધીનગર

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના હિન્દી વિભાગ અને કેન્દ્રીય હિન્દી સંસ્થાન, આગરા દ્વારા ૨૧ અને ૨૨ માર્ચ ૨૦૨૪ના રોજ 'રામદર્શ મિશ્રઃ કથા અને કવિતાની શતાબ્દી ઉપસ્થિતિ' વિષય પર ૨૧ અને ૨૨ માર્ચ ૨૦૨૪ના રોજ બે દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું.. કાર્યક્રમના ઉદ્ઘાટન સત્રના મુખ્ય વક્તા બનારસ હિન્દુ યુનિવર્સિટીના હિન્દી વિભાગના વડા પ્રો.વશિષ્ઠ અનૂપે કહ્યું કે રામદર્શ મિશ્ર જીવંત અને જીવિત ઇતિહાસનું શક્તિશાળી ઉદાહરણ છે. તેમની ગણતરી સદીના મહાન સર્જકોમાં થાય છે. તેમનું સાહિત્યિક જીવન તમામ પરિભાષાઓને અવગણે છે. તેમણે તેમની રચનાઓમાં પૂરની ભયાનકતાનો ઉલ્લેખ કર્યો છે. તેમણે વિનાશ પછીના જીવન પર પણ લખ્યું છે. મિશ્ર એ તેમની માતાની હિંમત અને આશાઓ વિશે વાત કરી છે. તેમની આત્મકથાઓ, ડાયરીઓ, સંસ્મરણો, વાર્તાઓ અને નવલકથાઓની સાથે તેમણે ગીતો અને ગઝલ પણ લખી હતી. તેઓ કોઈ પણ ક્ષેત્રમાં સીમિત રહેવાના લેખક નથી. કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાને યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દૂબેએ કહ્યું કે રાષ્ટ્રીય કવિ રામધારી સિંહ 'દિનકર'ની જેમ રામદર્શ મિશ્રની કવિતાઓ પણ હુંકાર કરે છે. તેમણે રામદર્શ મિશ્રના સાત દાયકાના સાહિત્યિક જીવનને પ્રેરણાદાયી ગણાવ્યું હતું. આ પ્રસંગે, હિન્દીના મહત્વને રેખાંકિત કરતા, તેમણે પં. મદન મોહન માલવીય પર સ્વ-લિખિત પંક્તિઓ દ્વારા યુવાનોને સંબોધિત કર્યા. તેમણે કહ્યું કે રામદર્શ મિશ્ર એવા કવિઓમાંના એક છે જેમણે આઝાદી પહેલા અને પછી સમાજમાં આવેલા ફેરફારોને નિહાળ્યા અને રચનાઓ લખી. સેમિનારના મુખ્ય અતિથિ રામદર્શ મિશ્રની પુત્રી અને દિલ્હી યુનિવર્સિટીના પ્રોફેસર સ્મિતા મિશ્રએ જણાવ્યું હતું કે પિતા પરોપકારી પાત્રથી સમૃદ્ધ છે. તેમણે કહ્યું કે પિતાના સાહિત્ય સર્જનમાં માતાનો પણ ફાળો છે. સેમિનારનું સ્વાગત પ્રવચન CUG હિન્દી વિભાગના વડા પ્રો. સંજીવ દૂબેએ પ્રસ્તુત કર્યું હતું. તેમણે કહ્યું કે રામદર્શ મિશ્રએ સંવેદનશીલતા પેદા કરવાનું કામ કર્યું છે. હાલની પેઢીએ તેમની પાસેથી શીખવાની જરૂર છે. સેમિનારનો પરિચય આપતાં કન્વીનર ડૉ.ગજેન્દ્ર મીણાએ જણાવ્યું હતું કે મિશ્રાએ સમાજમાં ચેતના જગાડવાનું કામ કર્યું છે. તેમના લખાણો શાશ્વત છે. CUG ના ભાષા સાહિત્ય અને સંસ્કૃતિ અધ્યયન સંસ્થાનના ડીન પ્રો. બાલાજી રંગનાથને કહ્યું કે રામદર્શ મિશ્ર એ તેમના કાર્યો દ્વારા સામાજિક સમસ્યાઓનું નિરાકરણ લાવવાનું કામ કર્યું છે. અમદાવાદની સેન્ટ્રલ હિન્દી સંસ્થાના પ્રાદેશિક નિયામક ડૉ.સુનિલ કુમારે આભાર વ્યક્ત કર્યો હતો. ડૉ.પ્રેમલતા દેવીએ મંચનું સંચાલન કર્યું હતું.

રામદર્શ મિશ્ર સાથે ઓનલાઈન સંવાદ

આ બે દિવસીય સેમિનારના પ્રથમ દિવસે વરિષ્ઠ સાહિત્યકાર ડૉ. ઓમ નિશ્ચલની રામદર્શ મિશ્રા સાથે વાતચીત થઈ હતી જેનું જીવંત પ્રસારણ કરવામાં આવ્યું હતું. આ ચર્ચાનું સંકલન પ્રો. સંજીવ દૂબેએ કર્યું હતું. સેમિનારમાં અનુક્રમે રામદર્શ મિશ્રની કવિતાઓ, વાર્તાઓ, નવલકથાઓ અને રામદર્શ મિશ્રના નોન-ફિક્શન ગદ્ય વિષયો પર ચાર ટેકનિકલ સત્રોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. આ સત્રની અધ્યક્ષતા દેશના વિવિધ ભાગોમાંથી હિન્દી વિદ્વાનો દ્વારા કરવામાં આવી હતી. કન્વીનર ડૉ.ગજેન્દ્ર મીનાએ જણાવ્યું હતું કે સેમિનારમાં દેશભરમાંથી અનેક વિદ્વાનો, સંશોધકો અને વિદ્યાર્થીઓએ ભાગ લીધો હતો.

ગુજરાતીઓ હસવામાં દેશમાં 16મા પણ ગુસ્સો કરવામાં ત્રીજા ક્રમે (વાંચો અંદરના પેજ પર)

વર્લ્ડ હેપીનેસ ડે આજે

સાચી વાત બેધડક

દિવ્ય ભાસ્કર

કળશ આજની પૂર્તિ

કુલ પાનાં 22 (કળશ)

કિંમત ₹ 5.00, વર્ષ 20, અંક 146, મહાનગર

divyabhaskar.com | વડોદરા, બુધવાર, 20 માર્ચ, 2024 | ગુજરાત | ફાગણ સુદ - 11, વિક્રમ સંવત 2080 | 12 રાજ્ય | 61 સંસ્કરણ

સેન્ટ્રલ યુનિ. ઓફ ગુજરાતના ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા કાર્યક્રમમાં કેરળના રાજ્યપાલ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા

અલગ અલગ રીત અને રિવાજોની અભિવ્યક્તિ વચ્ચે એકતાની લાગણી બધાની અંદર છે : કેરળના રાજ્યપાલ

ભાસ્કર ન્યૂઝ | ગાંધીનગર

માનવીમાં અલગ અલગ રીત અને રીવાજોની અભિવ્યક્તિ રહેલી હોય છે. પરંતુ તેની વચ્ચે એકતાની લાગણી બધાની અંદર હોવાનું કેરલના રાજ્યપાલ આરીફ મહોમ્મદ ખાને સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે યોજાયેલા ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાના કાર્યક્રમમાં ઉપસ્થિત રહીને જણાવ્યું હતું. વધુમાં શિક્ષણ અને મૂલ્યોની પૂર્ણતા માનવ સ્વભાવના વિકાસને સુનિશ્ચિત કરવા માટે હોય છે.

માનસિક અશુદ્ધિ શારિરીક અશુદ્ધિ કરતા પણ ખરાબ છે. આપણી પરંપરા ચારથી પાંચ હજાર વર્ષ જૂની માનવામાં આવે છે. પરંતુ પુરાવાના આધારે આપણી જ્ઞાન પરંપરા ઘણી જૂની હોવાનું કેરલના રાજ્યપાલ

આરીફ મોહમ્મદ ખાને સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે યોજાયેલા ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા વિષય ઉપર યોજાયેલા પરિસંવાદમાં ઉપસ્થિતિ દરમિયાન જણાવ્યું હતું. વધુમાં શિક્ષણ અને મૂલ્યોની પૂર્ણતા માનવના સ્વભાવના વિકાસને સુનિશ્ચિત કરવા માટે છે તેમ સ્વામી વિવેકાનંદને ટાંકીને તેમણે કહ્યું કે માનવ જીવનનો ઉદ્દેશ્ય સુખની પ્રાપ્તિ હોઈ શકે નહી પરંતુ તેનું લક્ષ્ય જ્ઞાનની પ્રાપ્તિ છે. જે માનવી વિવિધતામાં છુપાયેલી એકતાને ઓળખી શકે તે જ્ઞાની છે. આપણે આધ્યાત્મિક રીતે એકબીજા સાથે જોડાયેલા હોવાનું ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા જણાવે છે. જ્ઞાનનું મહત્વ ઋષિ મુનિઓના સમયથી જોવા મળે છે જેમ કે રાજા જનક પગપાળા ઋષિમુનિઓના આશ્રમમાં જતા હતા. આપણો અંતિમ ઉદ્દેશ માત્ર જ્ઞાન મેળવતા રહેવાનો જ નથી પરંતુ જ્ઞાનને આગળ વધારવાનો પણ છે. ભારતીય સંસ્કૃતિ એક માત્ર એવી સંસ્કૃતિ છે જેમાં જ્ઞાન અને શાણપણ બન્ને છે. પરદેશમાં જ્ઞાન એ વ્યક્તિઓ મિત્ર હોવાનું તેમણે જણાવ્યું હતું.

આ પ્રસંગે ઉપસ્થિત અવકાશ વૈજ્ઞાનિક ડૉ.ઓમપ્રકાશ પાંડેએ જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં વિજ્ઞાન અને શાણપણને આત્મસાત કરવાની રીત છે. આ સમજવા માટે આપણે માનવ અંતઃકરણની માનસિક સ્થિતિને સમજવી પડશે. સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના કુલપતિ પ્રો.રમાશંકર દુબેજીએ જણાવ્યું હતું કે આપણા વેદ ભગવાનના શબ્દો છે. વેદ અને ઉપનિષદના બ્રહ્મજ્ઞાન અંગે જણાવતા કહ્યું કે ભારતની ધરતી ઉપર વૈજ્ઞાનિક જ્ઞાનનો પ્રવાહ વહે છે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

301

TUESDAY
19 03 2024

મંગળવારની પૂર્તિ

નારી

સંદેશ

અમદાવાદ, વડોદરા, સુરત, રાજકોટ, ભાવનગર અને ભુજથી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક

સંવર્ધક તંત્રી સ્વ. શ્રી ચીમનભાઇ એસ. પટેલ ● REG NO. GAMC 26 2018 2020 ● Vol : 67 No. : 195 AHMEDABAD www.sandesh.com sandeshnews sandeshnewspaper

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી દ્વારા ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા પર રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ યોજાયો

માત્ર ભારતીય સંસ્કૃતિમાં જ જ્ઞાન-શાણપણ બંને છે : રાજ્યપાલ આરિફ મોહમ્મદ ખાન

કેરળના રાજ્યપાલ આરિફ મોહમ્મદ ખાન ઉપસ્થિત રહ્યા

નામ બદલેલ છે.
મારૂ જુનું નામ ચૌહાણ તખતસિંગ હતું જે બદલી ને નવું નામ ચૌહાણ વખતસિંહ રાખેલ છે.

નામ બદલેલ છે

FOR SAME NAME
ADDRESS
AT & POST: CHARADA, TA: MANSA, DIST: GANDHINAGAR, GUJARAT

જાહેર નોટીસ
એક્ઝીક્યુટીવ મેજીસ્ટ્રેટ અને મામલતદાર, કલોલની કચેરી

Central University of Gujarat

પાનાં : ૨૮ કિંમત : રૂા. ૫-૦૦ * * તા. ૨૦ માર્ચ ૨૦૨૪ બુધવાર

અમદાવાદ, વડોદરા, સુરત, રાજકોટ, ભાવનગર, ભૂજ અને મુંબઈથી પ્રગટ થતું દૈનિક

ગુજરાત સમાચાર

અધિપ્ધાપક તંત્રી : સ્વ. શાંતિલાલ અ. શાહ ▸ સંવત ૨૦૮૦ શકે ૧૯૪૫ ફાગણ સુદ - ૧૧ વર્ષ : ૭૬, અંક : ૭૯ ▸ ટે.નં.૨૫૫૦૮૦૦૧-૨-૩-૪ ▸ http://www.gujaratsamachar.com

મેનેજિંગ તંત્રી : શ્રેયાંસ શાંતિલાલ શાહ ▸ મુદ્રક અને પ્રકાશક : શ્રેયાંસ શાંતિલાલ શાહ ખાનપુર, અમદાવાદ-૧

વાંચન વિશેષ

શતદ્રુ

ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા વિશે પરિસંવાદ

આસ્થાની અભિવ્યક્તિની રીતો અને રીત-રિવાજો અલગ-અલગ હોઈ શકે છે, પરંતુ આપણે બધા આત્માના બંધનથી બંધાયેલા છીએ, એકતાની લાગણી આપણા બધાની અંદર છે. આપણા બધામાં આત્માના રૂપમાં જે ભગવાન રહે છે તે સત્ય છે. આ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાનો મૂળ વિષય છે. આ કેરળ રાજ્યના રાજ્યપાલ આરીફ મોહમ્મદ ખાને જણાવ્યું હતું. સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના શિક્ષણ સંસ્થાન, શિક્ષણ અને સંશોધન વિભાગ દ્વારા આયોજિત એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા'માં મુખ્ય અતિથિ તરીકે સંબોધન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે મોટી સંખ્યામાં વિદ્યાર્થીઓ અને મહાનુભાવો ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

Tuesday
19.03.2024
*Volume :8 * Issue No.237
*Email.: kamalamgujarat@gmail.com
*www.kamalamgujarat.com
*Editor :Mahesh N. Patel- (98249 10606)

ગતિશીલ ગુજરાત ની વિકાસ ગાથા રજુ કરતું એકમાત્ર અખબાર...

કમલમ્
KAMALAM
ગાંધીનગર થી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક
Daily

RNI No.:GUJGUJ/2016/73451
PRINTED MATTER
To,

*Office: A-3, Plot No. R - 13, Tanishq Complex, New Greencity, Sector-26, Gandhinagar (Gujarat) 382028 *Page :04*Rs. 00.25/- *Annual Rs. 90/-

CUG માં ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા પર એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન થયું

કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાનેથી સીયુજીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેજી એ કહ્યું કે આપણા વેદ ભગવાનના શબ્દો છે. તેમણે વેદ, ઉપનિષદના બ્રહ્મજ્ઞાન વિશે જણાવ્યું. તેમણે કહ્યું કે ભારતની આ ધરતી પર વૈજ્ઞાનિક જ્ઞાનનો પ્રવાહ વહે છે જેના કારણે સમગ્ર વિશ્વ ખીલી રહ્યું છે. તેમણે મહર્ષિ કણાદના વૈશેષિક સૂત્ર અને મહર્ષિ પતંજલિના યોગ સૂત્ર વિશે જણાવ્યું.

પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે જ્ઞાન મેળવવા માટે જરૂરી છે કે આપણે પહેલા નૈતિકતાના પાઠનો અભ્યાસ કરીએ. આપણે આપણા ગૌરવ અને જ્ઞાન તરફ પાછા ફરવા માટે ભારતીય સંસ્કૃતિ અને સભ્યતામાં એકતાની ભાવના જાગૃત કરવી જરૂરી છે. તેમણે કહ્યું કે CUG ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાને અભ્યાસક્રમ સાથે જોડવામાં અગ્રેસર રહ્યું છે. કાર્યક્રમનું મંચસંચાલન પ્રો. પલ્લવી શર્માએ કર્યું હતું. કાર્યક્રમના અંતે ડો. પ્રેમલતા દેવીએ સૌનો આભાર માન્યો હતો.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

RNI No. GUJGUJ/2011/41611

TG

તપોભૂમિ ગુજરાત

TAPOBHUMI GUJARAT
(DAILY-AHMEDABAD)

દૈનિક - અમદાવાદ

માલિક, મુદ્રક, પ્રકાશક, તંત્રી : મૌલિક પ્રવિણચંદ્ર ભટ્ટ | વર્ષ- 14 | અંક- 241 | તા. 19-03-2024 મંગળવાર | કિંમત: ₹ 1/- | પાના : 04 | E-mail : tapobhumigujarat@gmail.com

શ્રદ્ધાની અભિવ્યક્તિની રીતો અલગ-અલગ છે પરંતુ આપણે બધા આત્માના બંધનમાં બંધાયેલા છીએ: માનનીય રાજ્યપાલ શ્રી આરિફ મોહમ્મદ ખાન

પ્રતિનિધિ દ્વારા
ગાંધીનગર.

આસ્થાની અભિવ્યક્તિની રીતો અને રીત રિવાજો અલગ અલગ હોઈ શકે છે. પરંતુ આપણે બધા આત્માના બંધનથી બંધાયેલા છીએ. એકતાની લાગણી આપણા બધાની અંદર છે. આપણા બધામાં આત્માના રૂપમાં જે ભગવાન રહે છે તે સત્ય છે. આ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાનો મૂળ વિષય છે. આ કેરળ રાજ્યના માનનીય રાજ્યપાલ શ્રી આરીફ મોહમ્મદ ખાનનું કહેવું છે. સોમવારે તેઓ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના શિક્ષણ સંસ્થાન, શિક્ષણ અને સંશોધન વિભાગ દ્વારા આયોજિત એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા'માં મુખ્ય અતિથિ તરીકે સંબોધન કરી રહ્યા હતા. તેમણે કહ્યું કે માનસિક અશુદ્ધિ શારીરિક અશુદ્ધિ કરતાં પણ ખરાબ છે. આપણી પરંપરા ચારથી પાંચ હજાર વર્ષ જૂની માનવામાં આવે છે, પરંતુ પુરાવા સૂચવે છે કે આપણી જ્ઞાન પરંપરા આના કરતાં ઘણી જૂની છે. તેમણે કહ્યું કે શિક્ષણ અને મૂલ્યોની પૂર્ણતા માનવ સ્વભાવના વિકાસને સુનિશ્ચિત કરવા માટે છે. સ્વામી વિવેકાનંદને ટાંકીને તેમણે કહ્યું કે માનવ જીવનનો ઉદ્દેશ્ય સુખની પ્રાપ્તિ ન

હોઈ શકે પરંતુ તેનું લક્ષ્ય જ્ઞાનની પ્રાપ્તિ છે. આ સાથે, જે વિવિધતા પાછળ છુપાયેલી એકતાને ઓળખી શકે છે તે જ્ઞાની છે. તેમણે કહ્યું કે આપણે આધ્યાત્મિક રીતે એકબીજા સાથે જોડાયેલા છીએ. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા આપણને આ જ કહે છે. જ્ઞાન અંગે તેમણે કહ્યું કે રાજા જનક પગપાળા ઋષિમુનિઓના આશ્રમોમાં જતા હતા. તેમણે કહ્યું કે અમારો અંતિમ ઉદ્દેશ્ય માત્ર જ્ઞાન મેળવતા રહેવાનો જ નથી પરંતુ જ્ઞાનને આગળ વધારવાનો પણ છે. ભારતીય સંસ્કૃતિ એક માત્ર એવી સંસ્કૃતિ છે જેમાં જ્ઞાન અને શાણપણ બંને છે. તેમણે કહ્યું કે પરદેશમાં જ્ઞાન એ વ્યક્તિનો મિત્ર છે. કાર્યક્રમની શરૂઆત દીપ પ્રાગટ્યથી કરવામાં આવી હતી. કાર્યક્રમના સંયોજક, એજ્યુકેશન ફેકલ્ટીના ડીન પ્રો. એચ.બી.પટેલે સ્વાગત પ્રવચનમાં જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા અંતર્ગત રાષ્ટ્રને સમર્પિત સેવા પ્રેરણાદાયી છે.

આ પ્રસંગે વિશેષ અતિથિ અવકાશ વૈજ્ઞાનિક ડૉ. ઓમ પ્રકાશ પાંડેએ જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં વિજ્ઞાન અને શાણપણને આત્મસાત કરવાની રીત છે. આ સમજવા માટે આપણે માનવ અંતઃકરણની માનસિક સ્થિતિને સમજવી પડશે. સેમિનારના બીજા વિશેષ અતિથિ ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના અધ્યક્ષ ડૉ. ભાગ્યેશ ઝાએ નીતિશાસ્ત્ર, ઊર્જા, ઉત્કૃષ્ટતા, શિક્ષણ અને પર્યાવરણને પાંચ ઈ ગણાવ્યા હતા અને તેમને વૈશ્વિક સમસ્યાઓ ગણાવી હતી જેનો ઉકેલ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા દ્વારા જ મેળવી શકાય છે.

prosfirm@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

શ્રદ્ધાની અભિવ્યક્તિની રીતો અલગ-અલગ છે પરંતુ આપણે બધા આત્માના બંધનમાં બંધાયેલા છીએ : માનનીય રાજ્યપાલશ્રી આરિફ મોહમ્મદ ખાન

CUG માં ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા પર એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન

૧૯૬

આસ્થાની અભિવ્યક્તિની રીતો અને રીત-રિવાજો અલગ-અલગ હોઈ શકે છે, પરંતુ આપણે બધા આત્માના બંધનથી બંધાયેલા છીએ,એકતાની લાગણી આપણા બધાની અંદર છે. આપણા બધામાં આત્માના રૂપમાં જે ભગવાન રહે છે તે સત્ય છે. આ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાનો મૂળ વિષય છે. આ કેરળ રાજ્યના માનનીય રાજ્યપાલ શ્રી આરીફ મોહમ્મદ ખાનનું કહેવું છે. તેઓ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના શિક્ષણ સંસ્થાન, શિક્ષણ અને સંશોધન વિભાગ દ્વારા આયોજિત એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા'માં મુખ્ય અતિથિ તરીકે સંબોધન કરી રહ્યા હતા. તેમણે કહ્યું કે માનસિક અશુદ્ધિ શારીરિક અશુદ્ધિ કરતાં પણ ખરાબ છે.આપણી પરંપરા ચારથી પાંચ હજાર વર્ષ જૂની માનવામાં આવે છે, પરંતુ પુરાવા સૂચવે છે કે આપણી જ્ઞાન પરંપરા આના કરતાં ઘણી જૂની છે. તેમણે કહ્યું કે શિક્ષણ અને મૂલ્યોની પૂર્ણતા માનવ સ્વભાવના વિકાસને સુનિશ્ચિત કરવા માટે છે. સ્વામી વિવેકાનંદને ટાંકીને તેમણે કહ્યું કે માનવ જીવનનો ઉદ્દેશ્ય સુખની પ્રાપ્તિ ન હોઈ શકે પરંતુ તેનું લક્ષ્ય જ્ઞાનની પ્રાપ્તિ છે.આ સાથે,જે વિવિધતા પાછળ છુપાયેલી એકતાને ઓળખી શકે છે તે જ્ઞાની છે. તેમણે કહ્યું કે આપણે આધ્યાત્મિક રીતે એકબીજા સાથે જોડાયેલા છીએ, ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા આપણને આ જ કહે છે. જ્ઞાન અંગે તેમણે કહ્યું કે રાજા જનક પગપાળા ઋષિમુનિઓના આશ્રમોમાં જતા હતા. તેમણે કહ્યું કે અમારો અંતિમ ઉદ્દેશ્ય માત્ર જ્ઞાન મેળવતા રહેવાનો જ નથી પરંતુ જ્ઞાનને આગળ વધારવાનો પણ છે.ભારતીય સંસ્કૃતિ એક માત્ર એવી સંસ્કૃતિ છે જેમાં જ્ઞાન અને શાણપણ બંને છે.તેમણે કહ્યું કે પરદેશમાં જ્ઞાન એ વ્યક્તિનો મિત્ર છે.કાર્યક્રમની શરૂઆત દીપ પ્રાગટ્યથી કરવામાં આવી હતી.કાર્યક્રમના સંયોજક, એજ્યુકેશન ફેકલ્ટીના ડીન પ્રો. એચ.બી.પટેલે સ્વાગત પ્રવચનમાં જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા અંતર્ગત રાષ્ટ્રને સમર્પિત સેવા પ્રેરણાદાયી છે.આ પ્રસંગે વિશેષ અતિથિ

અવકાશ વૈજ્ઞાનિક ડૉ.ઓમ પ્રકાશ પાંડેએ જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં વિજ્ઞાન અને શાણપણને આત્મસાત કરવાની રીત છે.આ સમજવા માટે આપણે માનવ અંતઃકરણની માનસિક સ્થિતિને સમજવી પડશે. સેમિનારના બીજા વિશેષ અતિથિ ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના અધ્યક્ષ ડૉ. ભાગ્યેશ ઝાએ નીતિશાસ્ત્ર, ઊર્જા, ઉત્કૃષ્ટતા,શિક્ષણ અને પર્યાવરણને પાંચ ઈ ગણાવ્યા હતા અને તેમને વૈશ્વિક સમસ્યાઓ ગણાવી હતી જેનો ઉકેલ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા દ્વારા જ મેળવી શકાય છે. ભારત જ્ઞાનનું ઉદ્ભવ સ્થાન છે.

કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાનેથી સીયુજીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેજી એ કહ્યું કે આપણા વેદ ભગવાનના શબ્દો છે,તેમણે વેદ, ઉપનિષદના બ્રહ્મજ્ઞાન વિશે જણાવ્યું. તેમણે કહ્યું કે ભારતની આ ધરતી પર વૈજ્ઞાનિક જ્ઞાનનો પ્રવાહ વહે છે જેના કારણે સમગ્ર વિશ્વ ખીલી રહ્યું છે. તેમણે મહર્ષિ કણાદના વૈશેષિક સૂત્ર અને મહર્ષિ પતંજલિના યોગ સૂત્ર વિશે જણાવ્યું.પ્રો.રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે જ્ઞાન મેળવવા માટે જરૂરી છે કે આપણે પહેલા નૈતિકતાના પાઠનો અભ્યાસ કરીએ.આપણે આપણા ગૌરવ અને જ્ઞાન તરફ પાછા ફરવા માટે, ભારતીય સંસ્કૃતિ અને સભ્યતામાં ઐક્યની ભાવના જાગૃત કરવી જરૂરી છે. તેમણે કહ્યું કે ઍય ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાને અભ્યાસક્રમ સાથે જોડવામાં અગ્રેસર રહ્યું છે.કાર્યક્રમનું મંચસંચાલન પ્રો.પલ્લવી શર્માએ કર્યું હતું. કાર્યક્રમના અંતે ડૉ.પ્રેમલતા દેવીએ સૌનો આભાર માન્યો હતો.

Public Information Officer
Central University of Gujarat

પેજ-08

કંગના રનૌતની રાજનીતિમાં એન્ટ્રી કન્ફર્મ! હિમાચલની આ બેઠક પરથી ટિકિટ મળી શકે

અમદાવાદ એક્સપ્રેસ

Ahmedabad Express Ahmedabad RNI No.GUJGUJ/2011/40654

પેજ-09

અશ્વિનને IPLની ઓપનિંગ મેચની ટિકિટ મળી રહી નથી

હવામાન

શહેર	મહત્તમ	લઘુત્તમ
અમદાવાદ	36.00	22.00
વડોદરા	37.00	22.00
સુરત	37.00	23.00

પેજ 5

4 મહિનાના પૌત્રને નારાયણ મૂર્તિએ 15 લાખ શેર ગિફ્ટમાં આપી દીધા

20 MARCH-2024 WEDNESDAY

બિલાવલ ભુટ્ટોની બહેન આસિફાની રાજકારણમાં એન્ટ્રી

પેજ 10

શેરબજાર

સેન્સેક્સ	72012.05	▼	736.37
નિફ્ટી	21817.45	▼	238.25
સોનું	65,504.00	▼	104.00
ચાંદી	75,261.00	▼	235.00

વર્ષ-13 | અંક-125 | વિક્રમ સંવત-2080 | ફાગણ સુદ-11 | પાના-12 | કિંમત 3/- | અમદાવાદ ■ અમદાવાદ, વડોદરા, સુરતથી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક

CUGમાં ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા પર રાજ્યપાલ આરિફ ખાનના અધ્યક્ષ સ્થાને રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન

ગાંધીનગર સંવાદદાતા વિજયવીર યાદવ

આસ્થાની અભિવ્યક્તિની રીતો અને રીત-રિવાજો અલગ-અલગ હોઈ શકે છે, પરંતુ આપણે બધા આત્માના બંધનથી બંધાયેલા છીએ, એકતાની લાગણી આપણા બધાની અંદર છે. આપણા બધામાં આત્માના રૂપમાં જે ભગવાન રહે છે તે સત્ય છે. આ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાનો મૂળ વિષય છે. આ કેરળ રાજ્યના રાજ્યપાલ આરીફ મોહમ્મદ ખાનનું કહેવું છે. સોમવારે તેઓ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના શિક્ષણ સંસ્થાન, શિક્ષણ અને સંશોધન વિભાગ દ્વારા આયોજિત એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદ 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા'માં મુખ્ય અતિથિ તરીકે સંબોધન કરી રહ્યા હતા. તેમણે કહ્યું કે માનસિક અશુદ્ધિ શારીરિક અશુદ્ધિ કરતાં પણ ખરાબ છે. આપણી પરંપરા ચારથી પાંચ હજાર વર્ષ જૂની માનવામાં આવે છે, પરંતુ પુરાવા સૂચવે છે કે આપણી જ્ઞાન પરંપરા આના કરતાં ઘણી જૂની છે. તેમણે કહ્યું

કે શિક્ષણ અને મુલ્યોની પૂર્ણતા માનવ સ્વભાવના વિકાસને સુનિશ્ચિત કરવા માટે છે. સ્વામી વિવેકાનંદને ટાંકીને તેમણે કહ્યું કે માનવ જીવનનો ઉદ્દેશ્ય સુખની પ્રાપ્તિ ન હોઈ શકે પરંતુ તેનું લક્ષ્ય જ્ઞાનની પ્રાપ્તિ છે. આ સાથે, જે વિવિધતા પાછળ છુપાયેલી એકતાને ઓળખી શકે છે તે જ્ઞાની છે. તેમણે કહ્યું કે આપણે આધ્યાત્મિક રીતે એકબીજા સાથે જોડાયેલા છીએ, ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા આપણને આ જ કહે છે. જ્ઞાન અંગે તેમણે કહ્યું કે રાજા જનક પગપાળા ઋષિમુનિઓના આશ્રમોમાં જતા હતા. તેમણે કહ્યું કે અમારો અંતિમ ઉદ્દેશ્ય માત્ર જ્ઞાન મેળવતા રહેવાનો જ નથી પરંતુ જ્ઞાનને આગળ વધારવાનો પણ છે. ભારતીય સંસ્કૃતિ એક માત્ર એવી સંસ્કૃતિ છે જેમાં જ્ઞાન અને શાણપણ બંને છે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

अजमेर, कोटा, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, भरतपुर से एक साथ प्रसारित | डाक संस्करण | वर्ष : 44 | अंक : 317 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका, साथ हमारा...

समाचार जगत

www.samacharjagat.com

मंगलवार

जयपुर, 19 मार्च 2024, फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी संवत् 2080

रोहित मेरा मार्गदर्शन करना जारी रखेंगे @ पृष्ठ 8 पर

आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके अलग लेकिन हम सभी आत्मा के बंधन में बंधे हुए है : राज्यपाल

■ सीयूजी में भारतीय ज्ञान पंरपरा विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर. आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके और रिवाज अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हम सभी आत्मा के बंधन में बंधे हुए है. एकात्म का भाव हम सभी के भीतर है। जीवात्मा के रूप में जो परमात्मा हम सभी में निवास करता है, वो सत्य है। यही भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल ध्येय है। ये कहना है, केरल राज्य के माननीय राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का। सोमवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान के शिक्षा में अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय ज्ञान परंपरा' को वे बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मानस की मलिनता भौतिक मलिनता से ज्यादा खराब है। हमारी परंपरा चार से पांच हजार साल पुरानी मानी जाती हैं लेकिन साक्ष्यों से लगता है कि हमारी ये ज्ञान परंपरा इससे भी कहीं पुरानी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं संस्कार की परिपूर्णता है, मानव प्रकृति का विकास सुनिश्चित हो जाना। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उद्धरण देते हुए कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य सुख की प्राप्ति नहीं हो सकता बल्कि इसका उद्देश्य ज्ञान की प्राप्ति है। इसके साथ ही विविधता के पीछे छिपी हुई एकता को पहचान सके वो ज्ञानी है।

ज्ञान का उद्भव है, भारतभूमि

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीयूजी कुलपति प्रो. रमाशकर दूबे ने कहा कि हमारे वेद ईश्वर की वाणी है, उन्होंने वेदो के उपनिषदों के ब्रह्मज्ञान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसी भारतभूमि पर वैज्ञानिक ज्ञान की धारा बही जिससे पूरा विश्व पुष्प पल्लवित हो रहा है। उन्होंने महर्षि कणाद का वैशेषिक सूत्र और महर्षि पतंजलि के योगसूत्र के बारे में बताया।

प्रो. दूबे ने कहा कि ज्ञानार्जन के लिए जरूरी है कि हम पहले नैतिकता का पाठ पढ़े। हमें हमारे वैभव और ज्ञान पर लौटने के लिए जरूरी है कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता में अपनत्व का भाव जगाना होगा। उन्होंने बताय कि सीयूजी भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमो से जोड़ने में अग्रणी रहा है।

कार्यक्रम का मंच संचालन प्रो. पल्लवी शर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रेमलता देवी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

295

Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0C
न्यूनतम तापमान: 21.0C
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
समय के साथ बढ़ता अखबार

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ

आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके अलग लेकिन हम सभी आत्मा के बंधन में बंधे हुए है: राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद ख़ान

सीयूजी में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

■ संजीवनी टुडे

गांधीनगर। आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके और रिवाज अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हम सभी आत्मा के बंधन में बंधे हुए है, एकात्म का भाव हम सभी के भीतर है। जीवात्मा के रूप में जो परमात्मा हम सभी में निवास करता है, वो सत्य है। यही भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल ध्येय है। ये कहना है, केरल राज्य के राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद ख़ान का। सोमवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान के शिक्षा में अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय ज्ञान परंपरा' को वे बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मानस की मलिनता भौतिक मलिनता से ज्यादा खराब है। हमारी परंपरा चार से पांच हजार साल पुरानी मानी जाती है लेकिन साक्ष्यों से लगता है कि हमारी ये ज्ञान परंपरा इससे भी कहीं पुरानी है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के संयोजक, शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो एच बी पटेल ने स्वागत संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत राष्ट्र के प्रति समर्पित सेवा प्रेरणादायी है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान एवं प्रज्ञान को आत्मसात करने कि विधा है। संगोष्ठी के दूसरे विशिष्ट अतिथि, गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ भाग्येश झा ने एथिक्स, एनर्जी, एक्सीलेंस, एजुकेशन और एन्वयारमेंट को पांच ई की संज्ञा देते हुए वैश्विक समस्या बताया जिसका समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा से ही संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीयूजी कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि हमारे वेद ईश्वर की वाणी है, उन्होंने वेदों के उपनिषदों के ब्रह्मज्ञान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसी भारतभूमि पर वैज्ञानिक ज्ञान की धारा बही जिससे पूरा विश्व पुष्प पल्लवित हो रहा है। उन्होंने महर्षि कणाद का वैशेषिक सूत्र और महर्षि पतंजलि के योगसूत्र के बारे में बताया। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रो. पल्लवी शर्मा ने किया। डॉ. प्रेमलता देवी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

Public Relations Officer
Central University of Gujarat

293

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

GET IT ON Google Play
Download on the App Store

CUG માં ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા પર એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન થયું

292

1d 1 shares

ગાંધીનગર, 19 માર્ચ (હિ.સ.): આસ્થાની અભિવ્યક્તિની રીતો અને રીત-રિવાજો અલગ- અલગ હોઈ શકે છે, પરંતુ આપણે બધા આત્માના બંધનથી બંધાયેલા હોઈએ એકતાની લાગણી આપણા બધાની અંદર છે. આપણા બધામાં

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
स्थापित – 1948
बहुभाषी न्यूज़ एजेंसी

21 Mar 2024, 8:01 HRS IST

CUG માં ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા પર એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન થયું

19 Mar 2024 13:21:44

સંબંધિત
20 Mar 2024
અંકલેશ્વર
ડ્રગ્સના કેસમાં

194

Sunday

17.03.2024

∗Email.: kamalamgujarat@gmail.com
∗www.kamalamgujarat.com

∗Editor :Mahesh N. Patel :- (98249 10606)

ગતિશીલ ગુજરાતની વિકાસ ગાથા રજૂ કરતું એકમાત્ર અખબાર...

કમલમ્

ગાંધીનગર થી પ્રસિદ્ધ થતું અખબાર

KAMALAM RNI No.:GUJGUJ/2016/73451

Office: A-3, Plot No. R - 13, Tanishq Complex, New Greencity, Sector-26, Gandhinagar

૧૮મી માર્ચે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા' પર પરિસંવાદ

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

કેરળના માનનીય રાજ્યપાલ શ્રી આરીફ ખાન મુખ્ય અતિથિ તરીકે રહેશે ઉપસ્થિત

કમલમ્ ન્યુઝ,ગાંધીનગર સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત (CUG)ના શિક્ષણ સંસ્થાન (School of education) દ્વારા એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું છે. કેરળ રાજ્યના માનનીય રાજ્યપાલ શ્રી આરીફ ખાન ૧૮ માર્ચે યોજાનાર આ પરિસંવાદમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે ઉપસ્થિત રહેશે. રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનો વિષય છે 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા' . માનનીય રાજ્યપાલ પરિસંવાદને સંબોધશે. પરિસંવાદના સંયોજક અને શિક્ષણ સંસ્થાનના અધિષ્ઠાતા પ્રો. એચ.બી. પટેલે જણાવ્યું કે આ કાર્યક્રમમાં માનનીય રાજ્યપાલની સાથે પ્રખ્યાત અવકાશ વૈજ્ઞાનિક ડો.ઓમ પ્રકાશ પાંડે અને ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના અધ્યક્ષ ડો. ભાગ્યેશ ઝા અતિથિ વિશેષ તરીકે જોડાશે. તેમણે જણાવ્યું કે સેમિનારની અધ્યક્ષતા ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબે કરશે. કાર્યક્રમનું આયોજન સીયુજીના સેક્ટર-૨૯ કેમ્પસના મુખ્ય પરિસરમાં કરવામાં આવશે.

...@cug.ac.in
...अधिकारी
...Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

૧૮મી માર્ચે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા' પર પરિસંવાદ

કેરળના માનનીય રાજ્યપાલ શ્રી આરીફ ખાન મુખ્ય અતિથિ તરીકે રહેશે ઉપસ્થિત

[illegible] ગાંધીનગર: સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત (CUG)ના શિક્ષણ સંસ્થાન (School of education) દ્વારા એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું છે. કેરળ રાજ્યના માનનીય રાજ્યપાલ શ્રી આરીફ ખાન ૧૮ માર્ચે યોજાનાર આ પરિસંવાદમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે ઉપસ્થિત રહેશે. રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનો વિષય છે 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા'. માનનીય રાજ્યપાલ પરિસંવાદને સંબોધશે. પરિસંવાદના સંયોજક અને શિક્ષણ સંસ્થાનના અધિષ્ઠાતા પ્રો. એચ.બી. પટેલે જણાવ્યું કે આ કાર્યક્રમમાં માનનીય રાજ્યપાલની સાથે પ્રખ્યાત અણુશાસ્ત્ર વૈજ્ઞાનિક ડૉ. ઓમ પ્રકાશ પાંડે અને ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના અધ્યક્ષ ડૉ. ભાગ્યેશ જ્હા અતિથિ વિશેષ તરીકે જોડાશે. તેમણે જણાવ્યું કે સેમિનારની અધ્યક્ષતા ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબે કરશે. કાર્યક્રમનું આયોજન સેક્ટર-૨૯ કેમ્પસના મુખ્ય પરિસરમાં કરવામાં આવશે.

DD News Gujarati
@DDNewsGujarati

Following

◆ ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી, ગાંધીનગર દ્વારા 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા' પર રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદનું આયોજન કરાયું

pro@cug.ac.in
Public Relations Officer
Central University of Gujarat

◆ આ પરિસંવાદમાં કેરળના રાજ્યપાલ આરીફ મોહમ્મદ ખાન મુખ્ય અતિથિ તરીકે ઉપસ્થિત રહ્યાં

Translate post

'भारतीय ज्ञान परंपरा' पर संगोष्ठी 18 मार्च को

केरल के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ़ मोहम्मद ख़ान होंगे मुख्य अतिथि

287

pro@cug.ac.in

CUG संवाद

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के शिक्षा संस्थान की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। आगामी 18 मार्च को होने वाली इस संगोष्ठी में केरल राज्य के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ़ मोहम्मद खान बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा' है। संगोष्ठी को माननीय राज्यपाल महोदय संबोधित करेंगे। संगोष्ठी के संयोजक और शिक्षा संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. एच. बी. पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल महोदय के साथ ही विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम प्रकाश पाण्डेय और गुजरात

साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी की अध्यक्षता गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन सीयूजी के सेक्टर-29 परिसर स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल में किया जाएगा।

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष : 44 | अंक : 315 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

समाचार जगत

विश्वास आपका, साथ हमारा...

www.samacharjagat.com

रविवार

रणजी में लागू होगी प्रोत्साहन योजना...

केरल के राज्यपाल आरिफ खान होंगे मुख्य अतिथि

भारतीय ज्ञान परंपरा पर सीयूजी में संगोष्ठी 18 को

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के शिक्षा संस्थान की ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। आगामी 18 मार्च को होने वाली इस संगोष्ठी में केरल राज्य के माननीय राज्यपाल आरिफ खान बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा' है। संगोष्ठी को माननीय राज्यपाल महोदय संबोधित करेंगे। संगोष्ठी के संयोजक और शिक्षा संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. एस. वी. पटेल ने बताया कि कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल महोदय के साथ ही विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम् प्रकाश पाण्डेय और गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी की अध्यक्षता गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन सीयूजी के सेक्टर-29 परिसर स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल में किया जाएगा।

pro@cug.ac.in
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

राजस्थान पत्रिका

पत्रिका लोकतंत्र का उत्सव

केरल के राज्यपाल कल सीयूजी में

गांधीनगर. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के शिक्षा संस्थान की ओर से 18 मार्च को राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया गया है। सीयूजी के सेक्टर-29 परिसर में होने वाली इस संगोष्ठी में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस संगोष्ठी का विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा' है। वे इस संगोष्ठी को संबोधित करेंगे। संगोष्ठी के संयोजक और शिक्षा संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. एच. बी. पटेल ने बताया कि विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय और गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा उपस्थित रहेंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता सीयूजी के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे करेंगे।

17/03/2024 | Ahmedabad | Page : 2
Source : https://epaper.patrika.com/

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

ગુજરાત સમાચાર

કાર્યાલયઃ૨૦/૨, 'ઘ' ટાઇપ, સેક્ટર-૨૨, ગાંધીનગર. ફોનઃ૨૩૨૪૩૫૩૯, Email:gujaratsamachargandhinagar@gmail.com

તા.૧૭ માર્ચ ૨૦૨૪

ગાંધીનગર શહેર અને જિલ્લા આવૃત્તિ

સોમવારે 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા' પર સેમિનાર

ગાંધીનગર, શનિવાર

ગાંધીનગર ખાતે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના શિક્ષણ સંસ્થાન દ્વારા એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય સેમિનારનું આયોજન કરવામાં આવ્યું છે. કેરળ રાજ્યના રાજ્યપાલ આરીફ ખાન ૧૮ માર્ચે યોજાનાર આ સેમિનારમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે ઉપસ્થિત રહેશે. આ રાષ્ટ્રીય પરિસંવાદની થીમ 'ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા' છે. સેમિનારના કન્વીનર અને શિક્ષણ સંસ્થાનના ડીને જણાવ્યું હતું કે આ કાર્યક્રમમાં રાજ્યપાલની સાથે અવકાશ વૈજ્ઞાનિક ડો.ઓમ પ્રકાશ પાંડે અને ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના પ્રમુખ અતિથિ વિશેષ તરીકે જોડાશે.

.ac.in
Public Relations Officer
Central University of Gujarat

Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गुजरात वैभव

सीयूजी में भारतीय ज्ञान पंरपरा विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके अलग लेकिन हम सभी आत्मा के बंधन में बंधे हुए है : आरिफ मोहम्मद खान

गांधीनगर । आस्था की अभिव्यक्ति के तरीके और रिवाज अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हम सभी आत्मा के बंधन में बंधे हुए है. एकात्म का भाव हम सभी के भीतर है। जीवात्मा के रूप में जो परमात्मा हम सभी में निवास करता है. वो सत्य है। यही भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल ध्येय है। ये कहना है, केरल राज्य के राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद ख़ान का। सोमवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संस्थान के शिक्षा में अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय ज्ञान परंपरा' को वे बतौर मुख्य

अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. ओउम् प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान एवं प्रज्ञान को आत्मसात करने कि विधा है। हमें इसको समझने के लिए मानव अंतर्मन की मानसिक अवस्था को समझना पड़ेगा। संगोष्ठी के दूसरे विशिष्ट अतिथि, गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा ने एथिक्स, एनर्जी, एक्सीलैंस, एजुकेशन और एन्वयारमेंट को पांच ई की संज्ञा देते हुए वैश्विक समस्या बताया जिसका समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा से ही संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीयूजी कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि हमारे वेद ईश्वर की वाणी है, उन्होंने वेदों के उपनिषदों के ब्रह्मज्ञान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसी भारतभूमि पर वैज्ञानिक ज्ञान की धारा बही जिससे पूरा विश्व पुष्प पल्लवित हो रहा हैं।

Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 10 अंक: 281 जयपुर, बुधवार, 13 मार्च 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ` 1.5

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
संजीवनी टुडे

उज्ज्वला योजना से नारी सशक्तिकरण को मिला बल : प्रो. रमाशंकर दूबे

...ac.in
...Officer
...विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

■ *संजीवनी टुडे*

गांधीनगर। भारत की संस्कृति एवं सभ्यता अनादिकाल से महिला और पुरुषों की समानता को दर्शाती है। देश के विकास को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि समावेशी विकास के मॉडल को अपनाया जाए। आजादी के अमृत महोत्सव में हम विकसित भारत के लक्ष्य को महिलाओं के प्रत्येक क्षेत्र में विकास को पूर्ण कर आत्मसात कर सकते है। ये कहा, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने। वे मंगलवार को सीयूजी के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक द्विवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे थे। "प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना : गुजरात, राजस्थान एवं दिल्ली के चयनित जिलों का अध्ययन" विषय पर आयोजित कार्यशाला में उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के बाद महिला सशक्तिकरण को बल मिला है। महिलाओं की स्थिती को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह कारगर कदम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में अब महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने का प्रयास किये जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता शैलजा अंधारे ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए उज्ज्वला योजना एक बड़ा व्यापक कार्य है। महिलाओं को समान अवसरों में भागीदार बनाकर हम विकास की गति को तेज कर सकते है। कार्यशाला की मुख्य अतिथि गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, गांधीनगर की प्राचार्य डॉ. अनुपा महावीर सिंह चौहान ने कहा कि जहां ऊर्जा नहीं है वहां जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। अब ग्रामीण महिलाओं को प्राकृतिक संसाधनों के बजाए एलपीजी के रूप में ईंधन उपलब्ध हो रहा है। इससे न सिर्फ समय की बचत हो रही है बल्कि संसाधनों का उचित इस्तेमाल भी किया जा रहा है। कार्यशाला में स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए स्कूल ऑफ इंटरनेशनल के अधिष्ठाता प्रो. मनीष ने उज्ज्वला योजना से लाभान्वित लाभार्थियों के आंकड़ों के बारे में जानकारी दी।

.ac.in
Public Officer
गुजरात विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गुजरात वैभव

उज्ज्वला योजना से नारी सशक्तिकरण को मिला बल : प्रो. रमाशंकर दूबे

उज्ज्वला योजना की लाभार्थियों को किया गया पुरस्कृत

गांधीनगर। भारत की संस्कृति एवं सभ्यता अनादिकाल से महिला और पुरुषों की समानता को दर्शाती है। देश के विकास को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि समावेशी विकास के मॉडल को अपनाया जाए। आजादी के अमृत महोत्सव में हम विकसित भारत के लक्ष्य को महिलाओं के प्रत्येक क्षेत्र में विकास को पूर्ण कर आत्मसात कर सकते है। ये कहा, गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने। वे मंगलवार को सीयूजी के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे थे। प्रधानमंत्री

उज्ज्वला योजना : गुजरात, राजस्थान एवं दिल्ली के चयनित जिलों का अध्ययन विषय पर आयोजित कार्यशाला में उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के बाद महिला सशक्तिकरण को बल मिला है। महिलाओं की स्थिती को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह कारगर कदम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में अब महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने का प्रयास किये जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता शैलजा अंधारे ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए उज्ज्वला योजना एक बड़ा व्यापक कार्य है। महिलाओं को समान अवसरों में भागीदार बनाकर हम विकास की गति को तेज कर सकते है। कार्यशाला की मुख्य अतिथि गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, गांधीनगर की प्राचार्य डॉ. अनुपा महावीर सिंह चौहान ने कहा कि जहां ऊर्जा नहीं है वहां जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। अब ग्रामीण महिलाओं को प्राकृतिक संसाधनों के बजाए एलपीजी के रूप में ईंधन उपलब्ध हो रहा है। इससे न सिर्फ समय की बचत हो रही है बल्कि संसाधनों का उचित इस्तेमाल भी किया जा रहा है। कार्यशाला में स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए स्कूल ऑफ इंटरनेशनल के अधिष्ठाता प्रो. मनीष ने उज्ज्वला योजना से लाभान्वित लाभार्थियों के आंकड़ों के बारे में जानकारी दी।

राजस्थान पत्रिका

उज्ज्वला योजना से मिला नारी सशक्तिकरण को बल : प्रो. दूबे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने कहा कि उज्ज्वला योजना के बाद महिला सशक्तिकरण को बल मिला है। महिलाओं की स्थिति को सुदृढ बनाने की दिशा में यह कारगर कदम है। वे मंगलवार को सीयूजी के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को अध्यक्ष के रूप में संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना : गुजरात, राजस्थान एवं दिल्ली के चयनित जिलों का अध्ययन विषय पर आयोजित कार्यशाला में सामाजिक कार्यकर्ता शैलजा अधारे, मुख्य अतिथि के रूप में गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज- गांधीनगर की प्राचार्य डॉ. अनुपा महावीर सिंह चौहान, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल के अधिष्ठाता प्रो. मनीष, शोध परियोजना की निदेशक एवं स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की सहायक आचार्य डॉ. प्रीति शर्मा उपस्थित थीं।

इस शोध परियोजना में राजस्थान के अलवर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, गंगानगर और गुजरात के जामनगर, सूरत, अहमदाबाद, गांधीनगर और बनासकांठा जिलों को शामिल किया गया है। परियोजना में सह-निदेशक के रूप में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय- उदयपुर से डॉ. सतीश अग्रवाल, दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. राधा कुमारी, स्कूल की सहायक आचार्य डॉ. ईशा लोरिंग उपस्थित थीं। कार्यशाला में उज्ज्वला योजनांतर्गत महिला लाभार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

28

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा | अजमेर, कोटा, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, भरतपुर से एक साथ प्रसारित | डाक संस्करण | वर्ष : 44 | अंक : 311 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका, साथ हमारा...

समाचार जगत

बुधवार

www.samacharjagat.com

संवारता रंगीलो राजस्थान रणजी...

जयपुर, 13 मार्च 2024, फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी संवत् 2080

पृष्ठ 8 पर

उज्ज्वला योजना से नारी सशक्तिकरण को मिला बल : प्रो. रमाशंकर दूबे

उज्ज्वला योजना की लाभार्थियों को किया गया पुरस्कृत हुई पुरस्कृत

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर। भारत की संस्कृति एवं सभ्यता अनादिकाल से महिला और पुरुषों की समानता को दर्शाती है। देश के विकास को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि समावेशी विकास के मॉडल को अपनाया जाए। आजादी के अमृत महोत्सव में हम विकसित भारत के लक्ष्य को महिलाओं के प्रत्येक क्षेत्र में विकास की पूर्ति कर आत्मसात कर सकते हैं। ये कहना गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के कुलपति प्रो. रमाशंकर दूबे ने। वे मंगलवार को सीयूजी के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे थे। "प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना : गुजरात, राजस्थान एवं दिल्ली के चयनित जिलों का अध्ययन" विषय पर आयोजित कार्यशाला में उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के बाद

महिला सशक्तिकरण को बल मिला है। महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह कारगर कदम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में अब महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता [illegible] ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए उज्ज्वला योजना एक बड़ा व्यापक कार्य है।

महिलाओं को समान अवसरों में भागीदार बनाकर हम विकास की गति को तेज कर सकते हैं। कार्यशाला की मुख्य अतिथि गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज गांधीनगर की प्राचार्य डॉ. [illegible] महावीर सिंह चौहान ने कहा कि जहां ऊर्जा नहीं है वहां जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। अब ग्रामीण महिलाओं को प्राकृतिक संसाधनों के बजाए एलपीजी के रूप में ईंधन उपलब्ध हो रहा है। इससे न सिर्फ समय की बचत हो रही है बल्कि संसाधनों का उचित इस्तेमाल भी किया जा रहा है।

कार्यशाला में स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए स्कूल ऑफ इंटरनेशनल के अधिष्ठाता प्रो. मनीष ने उज्ज्वला योजना से लाभान्वित लाभार्थियों के आंकड़ों के बारे में जानकारी दी।

उज्ज्वला मात्र एक योजना नहीं अपितु एक दृष्टिकोण: शोध परियोजना की निदेशक एवं स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की सहायक आचार्य डॉ. प्रीति शर्मा ने बताया कि उज्ज्वला मात्र एक योजना ही नहीं अपितु एक दृष्टिकोण है। उन्होंने बताया कि शोध परियोजना में राजस्थान के अलवर, अजमेर, बाड़मेर, उदयपुर, जयपुर और गुजरात के साबरकांठा, सूरत, अहमदाबाद, गांधीनगर और बनासकांठा जिलों को शामिल किया गया है। यहीं पुरी और मध्य दिल्ली के इलाकों का भी अध्ययन में नमूने के तौर पर लिया गया है।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

279

ગતિશીલ ગુજરાત ની વિકાસ ગાથા રજૂ કરતું એકમાત્ર અખબાર...

Tuesday
12.03.2024

*Email.: kamalamgujarat@gmail.com
*www.kamalamgujarat.com
*Editor :Mahesh N. Patel :- (98249 10606)

કમલમ્
KAMALAM
ગાંધીનગર થી પ્રસિદ્ધ થતું અખબાર
RNI No.:GUJGUJ/2016/73451

Office: A-3, Plot No. R - 13, Tanishq Complex, New Greencity, Sector-26, Gandhinagar

ઉજ્જવલા યોજનાથી મહિલા સશક્તિકરણને પ્રોત્સાહન મળ્યું: પ્રો. રમાશંકર દુબે

ઉજ્જવલા યોજનાના લાભાર્થીઓને પુરસ્કૃત કરાયા

કમલમ્ ન્યુઝ,

ગાંધીનગર. ભારતીય સંસ્કૃતિ અને સભ્યતા અનાદિ કાળથી સ્ત્રી અને પુરુષની સમાનતાને પ્રતિબિંબિત કરે છે. દેશનો વિકાસ સુનિશ્ચિત કરવા માટે સર્વસમાવેશક વિકાસનું મોડલ અપનાવવું જરૂરી છે. આઝાદીના અમૃત મહોત્સવમાં આપણે દરેક ક્ષેત્રે મહિલાઓના વિકાસને પૂર્ણ કરીને વિકસિત ભારતના લક્ષ્યને આત્મસાત કરી શકીએ છીએ. આ વાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત (CUG)ના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબે દ્વારા. તેઓ મંગળવારે CUGની સ્કૂલ ઓફ ઈન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝ અને ઈન્ડિયન કાઉન્સિલ ઓફ સોશિયલ સાયન્સ રિસર્ચ (ICSSR)ના સંયુક્ત ઉપક્રમે આયોજિત એક દિવસીય રાષ્ટ્રીય કાર્યશાળાની અધ્યક્ષતા કરી રહ્યા હતા. "પ્રધાનમંત્રી ઉજ્જવલા યોજના: ગુજરાત, રાજસ્થાન અને દિલ્હીના પસંદગીના જિલ્લાઓનો અભ્યાસ" વિષય પર આયોજિત વર્કશોપમાં તેમણે જણાવ્યું હતું કે ઉજ્જવલા યોજના પછી મહિલા સશક્તિકરણને વેગ મળ્યો છે. મહિલાઓની સ્થિતિને મજબૂત બનાવવાની દિશામાં આ એક અસરકારક પગલું છે. તેમણે કહ્યું કે હવે દરેક ક્ષેત્રમાં મહિલાઓની ભાગીદારી વધારવાના પ્રયાસો થઈ રહ્યા છે. આ પ્રસંગે મુખ્ય વક્તા સામાજિક કાર્યકર શૈલજા અંધારેએ જણાવ્યું હતું કે Pending યોજના મહિલા સશક્તિકરણ માટે એક મોટું વ્યાપક કાર્ય છે. મહિલાઓને સમાન તકોમાં ભાગીદાર બનાવીને આપણે વિકાસની ગતિને ઝડપી બનાવી શકીએ છીએ. વર્કશોપના મુખ્ય મહેમાન તરીકે ગાંધીનગરની સરકારી આર્ટસ કોલેજના પ્રિન્સિપાલ ડો.અનુપા મહાવીરસિંહ ચૌહાણે જણાવ્યું હતું કે જ્યાં ઊર્જા ન હોય ત્યાં જીવનની કલ્પના કરી શકાતી નથી. હવે ગ્રામીણ મહિલાઓને કુદરતી સંસાધનોને બદલે એલપીજીના રૂપમાં ઈંધણ મળી રહ્યું છે. તેનાથી માત્ર સમયની બચત જ નથી થઈ રહી પરંતુ સંસાધનોનો પણ યોગ્ય ઉપયોગ થઈ રહ્યો છે. વર્કશોપમાં સ્વાગત પ્રવચન રજૂ કરતાં સ્કૂલ ઓફ ઈન્ટરનેશનલના ડીન પ્રો. મનીષે ઉજ્જવલા યોજનાનો લાભ મેળવનાર લાભાર્થીઓના આંકડા વિશે માહિતી આપી હતી. ઉજ્જવલા એ માત્ર એક યોજના નથી પરંતુ એક વિઝન છે રિસર્ચ પ્રોજેકટના

ડાયરેક્ટર અને સ્કૂલ ઓફ ઈન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝના આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર ડો.પ્રીતિ શર્માએ જણાવ્યું હતું કે ઉજ્જવલા માત્ર એક સ્કીમ નથી પરંતુ એક વિઝન છે.

તેમણે કહ્યું કે, રાજસ્થાનના અલવર, અજમેર, જોધપુર, ઉદયપુર, ગંગાનગર અને ગુજરાતના જામનગર, સુરત, અમદાવાદ, ગાંધીનગર અને બનાસકાંઠા જિલ્લાનો સંશોધન પ્રોજેક્ટમાં સમાવેશ કરવામાં આવ્યો છે, જ્યારે પૂર્વ અને મધ્ય દિલ્હીના વિસ્તારોને પણ અભ્યાસમાં સામેલ કરવામાં આવ્યા છે. પરંતુ લેવામાં આવી છે. પ્રોજેક્ટમાં કુલ ૨૪૦૦ સેમ્પલ લેવામાં આવ્યા હતા. ઉલ્લેખનીય છે કે પ્રોજેકટના સહ-નિર્દેશકો મોહનલાલ સુખડિયા યુનિવર્સિટી, ઉદયપુરના ડૉ. સતીશ અગ્રવાલ અને દિલ્હી યુનિવર્સિટીના ડૉ. રાધા કુમારી હતા. વર્કશોપમાં ઉજ્જવલા યોજના હેઠળની મહિલા લાભાર્થીઓને પણ પુરસ્કૃત કરવામાં આવ્યા હતા. વર્કશોપ અંતર્ગત અન્ય ત્રણ સત્રોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. વર્કશોપના ઉદઘાટન સત્રમાં શાળાના આસિસ્ટન્ટ પ્રોફેસર ડો. ઈવા લોરેંગે આભાર વ્યકત કર્યો હતો.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

अजमेर, कोटा, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, भरतपुर से एक साथ प्रसारित डाक संस्करण वर्ष : 44 अंक : 304 पेज-12 मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका, साथ हमारा...

समाचार जगत

www.samacharjagat.com

बुधवार

जयपुर, 6 मार्च 2024, फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी संवत् 2080

इंग्लैंड के खिलाफ 2012...

पृष्ठ 8 पर

गांधीनगर विधायक रीटा बेन पटेल ने युवाओं को किया संबोधित

सीयूजी में पडोस युवा संसद का आयोजन

गांधीनगर, समाचार जगत ब्यूरो. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, नेहरू युवा केन्द्र गांधीनगर और सीयूजी के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत पडोस युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'मेरा पहला वोट देश के लिए' की श्रृंखला के अंतर्गत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों को उनके कार्यों और विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण दिया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय युवा नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत "मेरा भारत-विकसित भारत" नामक सत्र की मुख्य अतिथि गांधीनगर विधायक रीटा बेन ने अपने संबोधन में कहा कि देश विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करने जा रहा है। हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे विकसित भारत में अपना सर्वस्व योगदान दें। उन्होंने वोकल फॉर लोकल को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि हमें हमारे आसपास के दुकानदारों से ही स्वदेशी वस्तुएं खरीदनी चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नमो एप के बारे में जानकारी देते हुए ज्यादा से ज्यादा डाउनलोड करने के बारे में कहा। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े लोगों को नशे के खिलाफ अभियान शुरू कर लोगों को नशे की आदतों से दूर करने के बारे में कहा। एनएसएस से जुड़े छात्र-छात्राएं विभिन्न स्थानों पर जाकर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने का काम करें। इस दौरान रीटा बेन ने पानी बचाने और अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने कहा कि भारत ज्ञान में रत रहने वाला देश है। हजारों वर्षों से भारत अपनी संस्कृति और सभ्यता से पूरे विश्व में अग्रणी रहा है। उन्होंने भारत के दर्शन और वैदिक ज्ञान के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रांताओं की वजह से हमारी शिक्षा व्यवस्था के मूल ढांचे को तोड़ने की कोशिश की गई। हमारे युवाओं में पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव होने लगा। विकसित भारत के लक्ष्यों को पूरा करने में देश के युवाओं के योगदान को अमूल्य बताया साथ ही पीएम मोदी के विकसित भारत के लिए दिए पांच प्रण के बारे में बताया। उन्होंने स्टार्टअप्स के बारे में युवाओं को भागीदार बनने के लिए कहा। इस अवसर पर कुलपति प्रो. दुबे ने सभी को मतदाता शपथ दिलवाई। इस दौरान नेहरू युवा केन्द्र गांधीनगर के जिला युवा अधिकारी पंकज मारेचा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया है।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

Weather Report

अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.

जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 10 अंक: 275 जयपुर, बुधवार, 06 मार्च 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ` 1.50

अब होगी खुशियों की बात
संजीवनी टुडे के साथ
संजीवनी टुडे

राष्ट्रीय युवा नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत सीयूजी में पडोस युवा संसद का आयोजन, गांधीनगर विधायक रीटा बेन पटेल ने युवाओं को किया संबोधित

■ संजीवनी टुडे

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, नेहरू युवा केन्द्र गांधीनगर और सीयूजी के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत पडोस युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'मेरा पहला वोट देश के लिए' की श्रृंखला के अंतर्गत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों को उनके कार्यों और विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण दिया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय युवा नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेरा भारत-विकसित भारत' नामक सत्र की मुख्य अतिथि गांधीनगर विधायक रीटा बेन ने अपने संबोधन में कहा कि देश विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करने जा रहा है। हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे विकसित भारत में अपना सर्वस्व योगदान दें। उन्होंने वोकल फॉर लोकल को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि हमें हमारे आसपास के दुकानदारों से ही स्वदेशी वस्तुएं खरीदनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने कहा कि भारत ज्ञान में रत रहने वाला देश है। हजारों वर्षों से भारत अपनी संस्कृति और सभ्यता से पूरे विश्व में अग्रणी रहा है। उन्होंने भारत के दर्शन और वैदिक ज्ञान के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रांताओं की वजह से हमारी शिक्षा व्यवस्था के मूल ढांचे को तोड़ने की कोशिश की गई। हमारे युवाओं में पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव होने लगा। विकसित भारत के लक्ष्यों को पूरा करने में देश के युवाओं के योगदान को अमूल्य बताया साथ ही पीएम मोदी के विकसित भारत के लिए दिए पांच प्रण के बारे में बताया। उन्होंने स्टार्टअप्स के बारे में युवाओं को भागीदार बनने के लिए कहा।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

276

05.03.2024

કમલમ્
KAMALAM

Office: A-3, Plot No. R - 13, Tanishq Complex, New Greencity, Sector-26, Gandhinagar

નેશનલ યુથ લીડરશીપ પ્રોગ્રામ હેઠળ સીયુજીમાં નેબરહુડ યુથ પાર્લામેન્ટનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું.

મુખ્ય મહેમાન ગાંધીનગરના ધારાસભ્ય રીટાબહેન પટેલે યુવાનોને સંબોધ્યા હતા.

કમલમ્ ન્યુઝ, ગાંધીનગર

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે મંગળવારે ભારત સરકારના યુવા બાબતો અને રમતગમત મંત્રાલય, નેહરુ યુવા કેન્દ્ર ગાંધીનગર અને સીયુજીની રાષ્ટ્રીય સેવા યોજના તરફથી નેબરહુડ યુથ પાર્લામેન્ટનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. આ કાર્યક્રમ 'દેશ માટે મારો પહેલો મત' થીમ હેઠળ યોજવામાં આવ્યો હતો.

આ પ્રસંગે વિદ્યાર્થીઓને રાષ્ટ્રીય સેવા યોજના દ્વારા તેમના કાર્ય અને વિવિધ પ્રવૃત્તિઓની તાલીમ આપવામાં આવી હતી. ઉલ્લેખનીય છે કે નેશનલ યુથ લીડરશીપ પ્રોગ્રામ અંતર્ગત "માય ઈન્ડિયા વિકસિત ઈન્ડિયા" શીર્ષક હેઠળના સત્રના મુખ્ય અતિથિ ગાંધીનગરના ધારાસભ્ય રીટાબહેન પટેલે તેમના સંબોધનમાં જણાવ્યું હતું કે દેશ વિકસિત ભારતનું સ્વપ્ન સાકાર કરવા જઈ રહ્યો છે.

આપણે આઝાદીના અમૃત મહોત્સવની ઉજવણી કરી રહ્યા છીએ, આવી સ્થિતિમાં વિકસિત ભારતમાં પોતાનું શ્રેષ્ઠ યોગદાન આપવાની જવાબદારી યુવાનોની છે. વોકલ ફોર લોકલ અપનાવવા પર ભાર મૂકતા તેમણે કહ્યું કે આપણે આપણી આસપાસના દુકાનદારો પાસેથી જ સ્વદેશી વસ્તુઓ ખરીદવી જોઈએ. વિદ્યાર્થીઓને નમો એપ વિશે માહિતી આપતાં તેમણે તેમને સમયસર ડાઉનલોડ કરવા કહ્યું. રાષ્ટ્રીય સેવા યોજના સાથે સંકળાયેલા લોકોને માદક દ્રવ્યોના દુરુપયોગ સામે ઝુંબેશ શરૂ કરવા અને તેમને દુર્વ્યસનની આદતથી દૂર કરવા માટે કહેવામાં આવ્યું હતું. દરરોજ સાથે સંકળાયેલા વિદ્યાર્થીઓએ વિવિધ સ્થળોએ જઈને લોકોને નશાની લત સામે જાગૃત કરવાનું કામ કરવું જોઈએ. આ દરમિયાન રીટાબહેન પટેલે પાણી બચાવવા અને વૃક્ષો તથા વાવવાની પ્રેરણા આપી હતી. કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાને યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે ભારત જ્ઞાનમાં દુનિયાનો દેશ છે. હજારો વર્ષોથી ભારત તેની સંસ્કૃતિ અને સભ્યતા સાથે સમગ્ર વિશ્વનું નેતૃત્વ કરી રહ્યું છે. તેમણે ભારતીય દર્શન અને વેદોના યોગદાનને રેખાંકિત કર્યું. તેમણે કહ્યું કે વિદેશી આક્રમણકારોના કારણે આપણી શિક્ષણ વ્યવસ્થાના મૂળભૂત માળખાને તોડવાનો પ્રયાસ કરવામાં આવ્યો હતો. આપણા યુવાનો પશ્ચિમી સંસ્કૃતિથી પ્રભાવિત થવા લાગ્યા. તેમણે વિકસિત ભારતના લક્ષ્યોને હાંસલ કરવામાં દેશના યુવાનોના યોગદાનને અમૂલ્ય ગણાવ્યું હતું અને પીએમ મોદીએ વિકસિત ભારત માટે આપેલા પંચ સંકલ્પો વિશે પણ જણાવ્યું હતું. તેમણે યુવાનોને સ્ટાર્ટઅપ અને ભાગીદાર બનવા જણાવ્યું હતું. આ પ્રસંગે વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. દુબેએ દરેકને મતદાનના શપથ લેવડાવ્યા હતા. આ દરમિયાન નહેરુ યુવા કેન્દ્ર ગાંધીનગરના જિલ્લા યુવા અધિકારી પંકજ મરેચાએ જણાવ્યું હતું કે, વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ દેશનો વિકાસ કરવાનો સંકલ્પ કર્યો છે. તેમણે કહ્યું કે મહિલા અને યુવા શક્તિ પર મહત્તમ ભાર આપવો જોઈએ.

કાર્યક્રમ દરમિયાન, માય ઈન્ડિયા-ડ્રગ્સ ફ્રી ઈન્ડિયા, સ્પોર્ટ્સ ઈન્ડિયાઝ સોફ્ટ પાવર, વોકલ ફોર લોકલ અને મહિલા અનામત બિલ પર મોક પાર્લામેન્ટ જેવા વિવિધ સત્રોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. વિવિધ સત્રોમાં ભાગ લેનાર વિદ્યાર્થીઓને વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબે અને ઉપસ્થિત મહેમાનોએ પ્રમાણપત્ર આપી સન્માન કર્યું હતું. આ દરમિયાન યુનિવર્સિટીના એનએસએસ કોઓર્ડિનેટર ડૉ. રજનીશ ગુપ્તાએ ઉપસ્થિત તમામ મહેમાનોનો આભાર માન્યો હતો.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

સુવિચાર
પડકારો જ જીવનને રસપ્રદ અને અર્થપૂર્ણ બનાવે છે.

દિવ્ય ભાસ્કર

સાચી વાત બેધડક

કળશ
આજની પૂર્તિ

કુલ પાનાં 30 (કળશ)

કિંમત ₹ 5.00, વર્ષ 21, અંક 282, મહાનગર

divyabhaskar.com | અમદાવાદ, બુધવાર, 6 માર્ચ, 2024 | ગુજરાત | મહા વદ - 11, વિક્રમ સંવત 2080 | 12 રાજ્ય | 61 સંસ્કરણ

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ખાતે નેબરહુડ યુથ પાર્લામેન્ટનો કાર્યક્રમ યોજવામાં આવ્યો

ગાંધીનગર । ગાંધીનગરની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે તાજેતરમાં કેન્દ્ર સરકારના યુવા અને રમત ગમત મંત્રાલય, નહેરુ યુવા કેન્દ્ર તેમજ રાષ્ટ્રીય સેવા યોજના હેઠળ નેબરહુડ યુથ પાર્લામેન્ટનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. તેમાં દેશ માટે મારો પહેલો મત અંતર્ગત યોજવામાં આવેલા કાર્યક્રમમાં વિદેશી આક્રમણકારોના કારણે આપણી શિક્ષણ વ્યવસ્થાના મૂળભૂત માળખાને તોડવાનો પ્રયાસ કરાયો હતો. આપણા યુવાનો પશ્ચિમી સંસ્કૃતિથી પ્રભાવિત થવા લાગ્યા હતા. વિકસિત ભારતના લક્ષ્યોને હાંસલ કરવામાં દેશના યુવાનોના યોગદાનને અમૂલ્ય હોવાની જાણકારી આપી હતી. આ પ્રસંગે ધારાસભ્ય રીટા પટેલ, યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો.દુબે સહિત ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

गुजरात वैभव

राष्ट्रीय युवा नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत सीयूजी में पड़ोस युवा संसद का आयोजन

मुख्य अतिथि गांधीनगर विधायक रीटा पटेल ने युवाओं को किया संबोधित

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, नेहरू युवा केन्द्र गांधीनगर और सीयूजी के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत पडोस युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'मेरा पहला वोट देश के लिएÓ की श्रंखला के अंतर्गत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों को उनके कार्यों और विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण दिया गया। उल्लखनीय है कि राष्ट्रीय युवा नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत मेरा भारत-विकसित भारत नामक सत्र की मुख्य अतिथि गांधीनगर विधायक रीटा बेन ने अपने संबोधन में कहा कि देश विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करने जा रहा है। हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं , ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे विकसित भारत में अपना सर्वस्व योगदान दें। उन्होंने वोकल फॉर लोकल को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि हमें हमारे आसपास के दुकानदारों से ही स्वदेशी वस्तुएं खरीदनी चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नमो एप के बारे में जानकारी देते हुए ज्यादा से ज्यादा डाउनलोड करने के बारे में कहा। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े लोगों को नशे के खिलाफ अभियान शुरु कर लोगों को नशे की आदतों से दूर करने के बारे में कहा। एनएसएस से जुड़े छात्र-छात्राएं विभिन्न स्थानों पर जाकर लोगों को नशे के खिलाफ जागरुक करने का काम करें।

Central University of Gujarat

અમદાવાદ એક્સપ્રેસ

Ahmedabad Express | Ahmedabad | RNI No.GUJGUJ/2011/40654

પેજ-08
રેડ આઉટફીટમાં અપ્સરા લાગી પૂજા હેગડે, તસવીરોએ લગાવી આગ

પેજ-09
શ્રેયસ અય્યરે ડાઈવ લગાવીને ઝડપ્યો જબરદસ્ત કેચ ઝડપીયો

હવામાન

શહેર	મહત્તમ	લઘુત્તમ
અમદાવાદ	29.00	18.00
વડોદરા	31.00	18.00
સુરત	32.00	21.00

પેજ 5

ઇન્કમ ટેક્સ પોર્ટલ ૬૫, આવતીકાલ સુધી સેવાઓ બંધ...

05 FEBRUARY-2024 MONDAY

દક્ષિણ કેરોલિનાની ચૂંટણીમાં બાઇડનની જીત

પેજ 10

.....સુવિચાર.....
લોકોમાં રહેલું વિચારોનું અંધારું, રાતના અંધારા કરતાં વધુ ખતરનાક હોય છે

વર્ષ-13 । અંક-081 । વિક્રમ સંવત-2080 । પોષ વદ-11 । પાના-12 । કિંમત 3/- । અમદાવાદ ■ અમદાવાદ, વડોદરા, સુરતથી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક

"ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાઓ: સંચાર અને મહત્વ" વિષય પર ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદનુ સમાપન સમારોહ યોજાયો

ગાંધીનગર સંવાદદાતા વિજયવીર યાદવ

ત્રિ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય સેમિનારનું શનિવારે સમાપન થયું હતું. સેમિનારમાં આયોજિત વિવિધ સત્રોમાં દેશભરના સંશોધકો, શિક્ષકો અને નિષ્ણાતોએ પોતાના મંતવ્યો રજૂ કર્યા હતા. સમાપન સમારોહમાં ઉપસ્થિત ગુરુ ઘાસીદાસ યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. આલોક કુમાર ચક્રવાલે જણાવ્યું હતું કે માણસે ક્યારેય પોતાને મોટો ન કહેવો જોઈએ અને બીજાને નાનો કહેવા ન જોઈએ. પશ્ચિમી દેશોએ હંમેશા ભારતને ઓછું જાણનાર માનવાની ભૂલ કરી છે. અર્થશાસ્ત્ર વિશે માહિતી આપતાં તેમણે કહ્યું કે આપણે એડમ સ્મિથને અર્થશાસ્ત્રના પિતા તરીકે યાદ કરીએ છીએ, પરંતુ કૌટિલ્યએ તેમના પુસ્તકમાં વર્ષો પહેલા ભારતમાં અર્થશાસ્ત્ર વિશે સંપૂર્ણ માહિતી આપી હતી. તેમણે કહ્યું કે હવે આપણે માત્ર ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા સાથે સંબંધિત જૂના સાહિત્યને જ નહીં પરંતુ ભારતીય જ્ઞાન

પરંપરાની ભવ્યતા દર્શાવતું નવું સાહિત્ય પણ આત્મસાત કરવું જોઈએ. ભારત હવે વિશ્વની ત્રીજી સૌથી મોટી અર્થવ્યવસ્થા બની ગયું છે. વિશ્વના 48 ટકા ઓનલાઈન વ્યવહારો એકલા ભારતમાં થાય છે. આ દરમિયાન અતિથિ વિશેષ આયોજક મેગેઝીનના તંત્રી પ્રફુલ્લ કેતકરે જણાવ્યું હતું કે હાલમાં દેશમાં એક મોટી ચર્ચા ચાલી રહી છે કે મંદિરનું નિર્માણ રોજગાર આપી શકતું નથી, પરંતુ આપણા ભારતમાં સદીઓથી મંદિરો અને રોજગાર એક સાથે ચાલ્યા છે. છેલ્લા 70 વર્ષમાં આ અભિગમ યોગ્ય નથી. ભારત એક માત્ર એવી સંસ્કૃતિ છે જે 1300 વર્ષ સુધી આક્રમણ અને અત્યાચાર સહન કર્યા પછી પણ સતત ઉભી રહી છે. આપણે વિકાસ માટે અમેરિકન મોડલની નહીં પણ ભારતીય મોડલની જરૂર છે. તેમણે વિકસિત ભારત માટે જ્ઞાન પરંપરાના ભારતીય મોડલની જરૂરિયાત પર ભાર મૂક્યો હતો. કાર્યક્રમના સમાપન સત્રના મુખ્ય વક્તા, JNU દિલ્હીની સ્કૂલ ઓફ ઈન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝના પ્રો. અશ્વિની મહાપાત્રાએ જણાવ્યું હતું કે આપણે હવે દેશની પશ્ચિમી વિચારસરણીમાંથી બહાર આવવાની જરૂર છે. આપણે ગુલામીની માનસિકતામાંથી બહાર આવવું પડશે.

અમદાવાદ એક્સપ્રેસ

Ahmedabad Express | Ahmedabad | RNI No.GUJGUJ/2011/40654

પેજ-08

શું પરિણીતી ચોપરાએ છોડી દીધી એક્ટીંગ? બીજા ક્ષેત્રમાં અજમાવી રહી છે કિસ્મત

પેજ-09

રોનાલ્ડોની ટીમ સામે હાર્યો મેસ્સી! અલ-નાસરે ઈન્ટર મિયામી સામે...

હવામાન

શહેર	મહત્તમ	લઘુત્તમ
અમદાવાદ	31.00	19.00
વડોદરા	32.00	18.00
સુરત	33.00	20.00

પેજ 5

ટાટા મોટર્સનો નેટ પ્રોફિટમાં 133% નો વધારો

04 FEBRUARY-2024 SUNDAY

માલદીવ્સમાંથી 10 મે સુધીમાં સૈનિકો હટાવશે ભારત...

પેજ 10

.....સુવિચાર.....

આ વાસ્તવિકતા પણ ગજબ છે કોઈ કહે તો યાદ ન રહે, અને કોઈ કહી જાય તો ભુલાતું નથી...

વર્ષ-13 | અંક-080 | વિક્રમ સંવત-2080 | પોષ વદ-10 | પાના-12 | કિંમત 3/- | અમદાવાદ ▪ અમદાવાદ, વડોદરા, સુરતથી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં "ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાઓ સંચાર અને મહત્વ" પર ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદનું આયોજન કરવામાં આવ્યું

ગાંધીનગર સંવાદદાતા વિજયવીર યાદવ

આપણી પાસે ઈન્ડિયન ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ મેનેજમેન્ટ છે પણ વર્તમાન સમય ઈન્ડિયન ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ મેનેજમેન્ટનો છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા સમૃદ્ધ વારસો છે. આપણને આપણી ભવ્ય પરંપરા પર ગર્વ હોવો જોઈએ. તેવું ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના પ્રમુખ ડો. ભાગ્યેશ ઝાનું કહેવું છે. ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના સેન્ટર ફોર હેલ્થ, કલ્ચર એન્ડ પર્સનાલિટી સ્ટડીઝ દ્વારા ગુરુવારે આયોજિત ત્રિ-દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના ઉદ્ઘાટન સત્રને વિશેષ અતિથિ તરીકે સંબોધતા તેમણે જણાવ્યું હતું કે ભગવદ્ ગીતામાં વલણ, કૌશલ્ય અને જ્ઞાનને ભક્તિ તરીકે વર્ણવવામાં આવ્યું છે. અનુક્રમે જ્ઞાન અને કર્મ. તેને એવા સ્વરૂપમાં રજૂ કરવામાં આવ્યું છે જે જીવનને નવી દિશા આપે છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાના કર્તવ્યલક્ષી સમાજમાં ગુરુનું મહત્વ સમજાવવામાં આવ્યું છે, જે આપણને આપણી મૂળ સંસ્કૃતિ સાથે જોડે છે. આપણી પરંપરામાં શિક્ષણનું શ્રેષ્ઠ ઉદાહરણ તીરંદાજ અર્જુન છે, જેને યુદ્ધની કળાની સાથે અન્ય કળાઓમાં પણ નિપુણતા હતી. અવિભાજિત ભારત એક સાંસ્કૃતિક પ્રજાસત્તાક રહ્યું છે. આપણા પાંચ પાસાઓ - પ્રવાસ, ખોરાક, પહેરવેશ, ભાષા અને ગીતો - આપણને આપણી સંસ્કૃતિ સાથે ઓળખાવે છે. તેમણે એથિક્સ, એનર્જી, એક્સેલન્સ, એજ્યુકેશન અને એન્વાયર્નમેન્ટને પાંચ E' ગણાવ્યા અને કહ્યું કે આ એક વૈશ્વિક સમસ્યા છે જેનો ઉકેલ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા દ્વારા જ મળી શકે છે. કાર્યક્રમમાં મુખ્ય મહેમાન તરીકે ગુજરાત યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. નીરજા અરુણ ગુપ્તાએ જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાને આપણા સમાજને સાચવ્યો છે, અખંડ સંસ્કૃતિનું જતન કરવાનું શક્ય બનાવ્યું છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા એ આત્મ-પરિચયની યાત્રા છે. દરેક વિષય IKS (ભારતીય નોલેજ સિસ્ટમ) સાથે જોડાયેલો છે. દરેક વિષયના પ્રારંભિક અભ્યાસમાં ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાના એક ભાગનો સમાવેશ કરવો મહત્વપૂર્ણ છે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
5 Feb 2024, 10:46 HRS IST

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

ગુજરાત કેન્દ્રીય યુનિવર્સિટી ખાતે ત્રિદિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદ યોજાઈ

270

03 Feb 2024 19:45:52

ગાંધીનગર, 03 ફેબ્રુઆરી (હિ.સ.). ગાંધીનગર ખાતે આવેલ ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વ વિદ્યાલયમાં ત્રિ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય સેમિનારનું સમાપન થયુ હતુ. સેમિનારમાં આયોજિત વિવિધ સત્રોમાં દેશભરના સંશોધકો, શિક્ષકો અને નિષ્ણાતોએ પોતાના મંતવ્યો રજૂ કર્યા હતા. સમાપન સમારોહમાં ઉપસ્થિત ગુરુ ઘાસીદાસ યુનિવર્સિટીના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. આલોક કુમાર ચક્રવાલે જણાવ્યું હતું કે માણસે ક્યારેય પોતાને મોટો ન કહેવો જોઇએ અને બીજાને નાનો કહેવા ન જોઇએ. પશ્ચિમી દેશોએ હંમેશા ભારતને ઓછું જાણનાર માનવાની ભૂલ કરી છે. અર્થશાસ્ત્ર વિશે માહિતી આપતાં તેમણે કહ્યું કે આપણે એડમ સ્મિથને અર્થશાસ્ત્રના પિતા તરીકે યાદ કરીએ છીએ, પરંતુ કૌટિલ્યએ તેમના પુસ્તકમાં વર્ષો પહેલા ભારતમાં અર્થશાસ્ત્ર વિશે સંપૂર્ણ માહિતી આપી હતી. તેમણે કહ્યું કે હવે આપણે માત્ર ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા સાથે સંબંધિત જૂના સાહિત્યને જ નહીં પરંતુ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાની ભવ્યતા દર્શાવતું નવું સાહિત્ય પણ આત્મસાત કરવું જોઇએ. ભારત હવે વિશ્વની ત્રીજી સૌથી મોટી અર્થવ્યવસ્થા બની ગયું છે. વિશ્વના 48 ટકા ઓનલાઇન વ્યવહારો એકલા ભારતમાં થાય છે. આ દરમિયાન અતિથિ વિશેષ આયોજક મેગેઝીનના તંત્રી પ્રફુલ્લ કેતકરે જણાવ્યું હતું કે હાલમાં દેશમાં એક મોટી ચર્ચા ચાલી રહી છે કે મંદિરનું નિર્માણ રોજગાર આપી શકતું નથી, પરંતુ આપણા ભારતમાં સદીઓથી મંદિરો અને રોજગાર એક સાથે ચાલ્યા છે. છેલ્લા 70 વર્ષમા આ અભિગમ યોગ્ય નથી. ભારત એક માત્ર એવી સંસ્કૃતિ છે જે 1300 વર્ષ સુધી આક્રમણ અને અત્યાચાર સહન કર્યા પછી પણ સતત ઉભી રહી છે. આપણે વિકાસ માટે અમેરિકન મોડલની નહીં પણ ભારતીય મોડલની જરૂર છે. તેમણે વિકસિત ભારત માટે જ્ઞાન પરંપરાના ભારતીય મોડલની જરૂરિયાત પર ભાર મૂક્યો હતો. કાર્યક્રમના સમાપન સત્રના મુખ્ય વક્તા, JNU દિલ્હીની સ્કૂલ ઓફ ઇન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝના પ્રો. અશ્વિની મહાપાત્રાએ જણાવ્યું હતું કે આપણે હવે દેશની પશ્ચિમી વિચારસરણીમાંથી બહાર આવવાની જરૂર છે. આપણે ગુલામીની માનસિકતામાંથી બહાર આવવું પડશે. આપણે ક્યાં દોરી જવું એ મુખ્ય મુદ્દો છે. પશ્ચિમે આપણા ઇતિહાસ સાથે છેડછાડ કરીને આપણને આપણા ગૌરવશાળી ઇતિહાસથી દૂર રાખવાનો પ્રયાસ કર્યો છે, પરંતુ વાસ્તવિકતા એ છે કે આપણી પાસે જેટલી સમૃદ્ધ જ્ઞાન પરંપરા છે તે કોઇની પાસે નથી. સનાતન સંસ્કૃતિના પાયાના મુલ્યોને આત્મસાત કરતા શિક્ષણ કાર્યક્રમના અધ્યક્ષીય પ્રવચનમાં યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું હતું કે જ્ઞાનની ઉત્પત્તિ સૌપ્રથમ ભારતમાં થઇ હતી. ભારતીય ગ્રંથોએ વિશ્વને જ્ઞાન આપ્યું. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં ભૌતિકવાદ અને આધ્યાત્મિકતાનો અદ્ભુત સંગમ છે. મનુષ્યમાં શરીર, મન અને બુદ્ધિ સાથે પર્યાવરણની વધુ સારી સંવાદિતા છે. આજે જરૂર છે કે આપણે શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં વિદ્યાર્થીઓને સનાતન સંસ્કૃતિના મૂળભૂત મૂલ્યોને આત્મસાત કરીને શિક્ષણ આપવું જોઇએ. તેમણે કહ્યું કે શિક્ષણનો ઉદ્દેશ્ય વિદ્યાર્થીઓમાં દેશભક્તિની ભાવના કેળવવાનો છે, કારણ કે સૌથી મોટી ભક્તિ દેશભક્તિ છે. શિક્ષકે વિદ્યાર્થીઓમાં રાષ્ટ્રવાદની ભાવના કેળવવાની હોય છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં ભૌતિક સંવેદનાની સાથે સાથે આધ્યાત્મિક ભાવના પણ છે. ભૌતિકવાદ સાથે આધ્યાત્મિકતાનો અદ્ભુત સંગમ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં જ જોવા મળે છે. આજે રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ 2020 દ્વારા આપણા અભ્યાસક્રમમાં ભારતીય મૂલ્યો ઉમેરવાની જરૂર છે જેથી વિદ્યાર્થીઓમાં દેશભક્તિની ભાવનાનો વિકાસ થાય. આપણે આપણા શાસ્ત્રો તરફ પાછા ફરવાનું છે. આ દરમિયાન કાર્યક્રમના સંયોજક પ્રો. અતનુ મહાપાત્રાએ જણાવ્યું હતું કે ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય કોન્ફરન્સમાં 230 થી વધુ એબ્સ્ટ્રેક્ટ મળ્યા હતા. તેમજ 180 થી વધુ સંશોધન પત્રો રજૂ કરવામાં આવ્યા છે.

હિન્દુસ્થાન સમાચાર/ અભિષેક બારડ/બિનોદ

विश्व का 48 फीसदी ऑनलाइन लेनदेन अकेले भारत में : प्रो. आलोक

अहमदाबाद | Published: Feb 04, 2024 08:34:44 pm | Submitted by: Pushpendra Rajput

269

भारतीय ज्ञान परंपराएं: संचार और महत्व विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

विश्व का 48 फीसदी ऑनलाइन लेनदेन अकेले भारत में : प्रो. आलोक

गांधीनगर. भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। पूरे विश्व का 48 फीसदी ऑनलाइन लेनदेन अकेले भारत में हो रहा है। गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने यह बात कही।

वे मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) में भारतीय ज्ञान परंपराएं: संचार और महत्व विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।
उन्होंने कहा कि मनुष्य को कभी भी खुद को बड़ा और दूसरों को छोटा नहीं बताना चाहिए। पश्चिमी देशों ने भारत को हमेशा कमतर ज्ञानवान समझने की भूल की है। उन्होंने अर्थशास्त्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमें फादर ऑफ इकोनॉमिक्स पर एडम स्मिथ याद है लेकिन भारत में अर्थशास्त्र की पूर्ण जानकारी कौटिल्य अपनी पुस्तक में कई वर्षों पहले ही दे चुके हैं।कार्यक्रम में समापन सत्र के मुख्य वक्ता जेएनयू दिल्ली के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के प्रो.अश्विनी महापात्र ने कहा कि पश्चिमी सोच से हमें अब बाहर निकलने की जरूरत है। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अतनु महापात्र ने कहा कि सम्मेलन में 230 से अधिक एब्सट्रेक्ट प्राप्त हुए हैं। साथ ही 180 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

विकसित भारत के लिए ज्ञान परंपरा के भारतीय मॉडल की आवश्यकता
विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि देश में वर्तमान में एक बड़ी बहस छिड़ी हुई है कि मंदिर के निर्माण से रोजगार नहीं मिल सकता है, लेकिन सदियों से हमारे भारतवर्ष में मंदिर और रोजगार साथ-साथ चले है । पिछले 70 वर्षों में हमारी अप्रोच सही नहीं रही है। उन्होंने विकसित भारत के लिए ज्ञान परंपरा के भारतीय मॉडल की आवश्यकता पर जोर दिया।

AHMEDABAD, MONDAY, FEBRUARY 5, 2024
www.ahmedabadmirror.com
20* Pages PRICE Rs 2.00

Ahmedabad Mirror

To advertise with us, call 98256 12227 | To order your copy, call 95123 08178 or for subscription, mail subscribe@ahmedabadmirror.com

TEMPERATURE Max 33.6 | Min 18.0 | Humidity 35% | CLEAR SKY | Sunrise 0718 hrs | Sunset 1829 hrs | Moonrise 0251 hrs | Moonset 1338 hrs

AhmedabadMirror Mon, 05 February 2024
https://epaper.ahmedabadmirror.com/c/74504299

Three-day international conference on 'continuity and significance' held at Central University of Gujarat

A three-day international conference on 'Indian Knowledge Traditions: Continuity and Significance' was held at the Central University of Gujarat. Chairman of Gujarat Sahitya Akademi Dr Bhagyesh Jha emphasised that the Bhagavad Gita advocates 'Attitude, Skill, and Knowledge' as devotion, wisdom, and action, respectively, providing a new direction in life. The Vice-Chancellor of Gujarat Prof Neerja Arun Gupta added that the Indian knowledge tradition is a journey of self-introduction starting with 'Swa' and it is essential to integrate it into the initial studies of every subject. The conference witnessed participation of over 300 researchers, educators, and scholars from various regions of the country.

AhmedabadMirror Mon, 05 February 2024
https://epaper.ahmedabadmirror.com/c/74504283

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

TG
તપોભૂમિ ગુજરાત
TAPOBHUMI GUJARAT
(DAILY-AHMEDABAD)
RNI No. GUJGUJ/2011/41611
દૈનિક - અમદાવાદ
માલિક, મુદ્રક, પ્રકાશક, તંત્રી : મૌલિક પ્રવિણચંદ્ર ભટ્ટ વર્ષ- 14 અંક- 199 તા. 05-02-2024 સોમવાર કિંમતઃ ₹ 1/- પાના : 04 E-mail : tapobhumigujarat@gmail.com

વિકસિત ભારત માટે જ્ઞાન પરંપરાના ભારતીય મોડેલની જરૂર છે

ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાઓઃ સંચાર અને મહત્વ વિષય પર ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના સમાપન સમારોહમાં વક્તાઓએ સંબોધન કર્યું.

પ્રતિનિધિ દ્વારા
ગાંધીનગરઃ

ત્રિ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય સેમિનારનું શનિવારે સમાપન થયું હતું. સેમિનારમાં આયોજિત વિવિધ સત્રોમાં દેશભરના સંશોધકો શિક્ષકો અને નિષ્ણાતોએ પોતાના મંતવ્યો રજુ કર્યા હતા. સમાપન સમારોહમં ઉપસ્થિત ગુરુ ઘાસીદાસ યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. આલોકકુમાર ચક્રવાલે જણાવ્યું હતું કે માણસે ક્યારેય પોતાને મોટો ન કહેવો જોઈએ. અને બીજાને નાનો કહેવા ન જોઈએ. પશ્ચિમી દેશોએ હંમેશા ભારતને ઓછું જાણનાર માવવાની ભુલ કરી છે. અર્થશાસ્ત્ર વિષે માહિતી આપતા તેમણે કહ્યું કે આપણે એકમ સ્મિથને અર્થશાસ્ત્રના પિતા તરીકે યાદ કરીએ છીએ. પરંતુ કોટિલ્યએ તેમના પુસ્તકમાં વર્ષો પહેલા ભારતમાં અર્થશાસ્ત્ર વિશે સંપુર્ણ માહિતી આપી હતી. તેમણે કહ્યું કે હવે આપણે માત્ર ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા સાથે સંબંધિત જુના સાહિત્યને જ નહીં પરંતુ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાની ભવ્યતા દર્શાવતું નવું સાહિત્ય પણ આત્મસાત કરવું જોઈએ.

કાર્યક્રમના સમાપન સત્રના મુખ્ય વક્તા, જએનયુ દિલ્હીની સ્કુલ ઓફ ઇન્ટરનેશન સ્ટડીઝના પ્રો. અશ્વિની મહાપાત્રાએ જણાવ્યું હતુંકે આપણે હવે દેશની પશ્ચિમી વિચાર સરણીમાંથી બહાર આવવાની જરૂર છે. આપણે ગુલામીની માનસિકતામાંથી બહાર આવવું પડશે. આપણે ક્યાં દોરી જવું એ મુખ્ય મુદ્દો છે. પશ્ચિમે આપણા ઈતિહાસ સાથે છેડછાડ કરીને આપણને આપણા ગૌરવશાળી ઈતિહાસથી દુર રાખવાનો પ્રયાસ કર્યો છે. પરંતુ વાસ્તવિક્તાએ છે કે આપણી પાસે જેટલી સમૃદ્ધ જ્ઞાન પરંપરા છે તે કોઈની પાસે નથી.

સનાતન સંસ્કૃતિના પાયાના મુલ્યોને આત્મસાત કરતા શિક્ષણ કાર્યક્રમના અધ્યક્ષીય પ્રવચનમાં યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું હતું કે જ્ઞાનની ઉત્પત્તિ સૌ પ્રથમ ભારતમાં થઈ હતી. ભારતીય ગ્રંથોએ વિશ્વને જ્ઞાન આપ્યું. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં ભૌતિકવાદ અને આધ્યાત્મિકતાનો અદ્ભુત સંગન છે. મનુષ્યમાં શરીર, મન અને બુદ્ધિ સાથે પર્યાવરણની વધુ સારી સંવાદિતા છે. આજે જરૂર છે કે આપણે શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં વિદ્યાર્થીઓને સનાતન સંસ્કૃતિના મુળભુત મુલ્યોને આત્મસાત કરીને શિક્ષણ આપવું જોઈએ.

આ દરમિયાન કાર્યક્રમના સંયોજક પ્રો. અતનુ મહાપાત્રાએ જણાવ્યું હતું કે ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય કોન્ફરન્સમાં ૨૩૦ થી વધુ એબ્સ્ટ્રેક્ટ મળ્યા હતા. તેમજ ૧૮૦ થી વધુ સંશોધન પત્રો રજુ કરવામાં આવ્યા છે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

તમે વાંચી રહ્યા છો દેશનું એકમાત્ર નો નેગેટિવ અખબાર

દિવ્ય ભાસ્કર

સાચી વાત બેધડક

સપ્તાહનો પ્રારંભ પોઝિટિવ વિચાર સાથે

divyabhaskar.com

અમદાવાદ, સોમવાર, 5 ફેબ્રુઆરી, 2024 | પોષ વદ -10, વિક્રમ સંવત 2080 | કુલ પાનાં : 18 | કિંમત ₹ 5.00, વર્ષ 21, અંક 252, મહાનગર

12 રાજ્ય | 61 આવૃત્તિ

pro@cug.ac.in
Public Relations Officer
Central University of Gujarat

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ખાતે યોજાયેલી આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના સમાપન પ્રસંગે તજજ્ઞોએ જણાવ્યું

48 ટકા ઓનલાઈન વ્યવહારો માત્ર ભારતમાં

પશ્ચિમી વિચારસરણીમાંથી બહાર આવવું જરૂરી

ભાસ્કર ન્યૂઝ | ગાંધીનગર

વિશ્વના 48 ટકા ઓનલાઈન વ્યવહારો માત્ર ભારતમાં જ થાય છે. આથી જ વિશ્વની ત્રીજી સૌથી મોટી અર્થવ્યવસ્થા ભારતની બની છે. પશ્ચિમે આપણા ઈતિહાસમાં છેડછાડ કરીને આપણે જ આપણા ગૌરવશાળી ઈતિહાસથી દુર રાખવાનો પ્રયાસ કર્યો છે. ભારતીય ગ્રંથોએ વિશ્વને જ્ઞાન આપ્યું છે. આથી ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા ભૌતિકવાદ અને આધ્યાત્મિક વાદનો સંગમ હોવાનું સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે યોજાયેલા આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના સમાપન પ્રસંગે તજજ્ઞોએ જણાવ્યું છે.

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત ખાતે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાઓ : સંચાર અને મહત્વ વિષય ઉપર ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના સમાપન સમારોહમાં ઉપસ્થિત તજજ્ઞો દ્વારા પોતાના વિચારો રજુ કર્યા હતા. તેમાં ગુરૂ ઘાસીદાસ યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો.આલોકકુમાર ચક્રવાલે અર્થશાસ્ત્ર વિશે માહિતી આપતા જણાવ્યું હતું કે વિશ્વની ત્રીજી સૌથી મોટી અર્થવ્યવસ્થા બની ગયું છે. વિશ્વના 48 ટકા ઓનલાઈન વ્યવહારો એકલા ભારતમાં થાય છે. આ પ્રસંગે વધુ એક તજજ્ઞ પ્રફુલ્લભાઈએ જણાવ્યું હતું કે ભારતમાં સદીઓથી મંદિરો અને રોજગારો એક સાથે ચાલ્યા છે. ભારત એક માત્ર એવી સંસ્કૃતિ છે જે 1300 વર્ષ સુધી આક્રમણ અને અત્યાચાર સહન કરવા છતાં સતત ઉભી રહી છે. આપણે વિકાસ માટે અમેરિકન મોડેલ નહી પરંતુ ભારતીય મોડેલની જરૂર છે. જેએનયુ દિલ્હીની સ્કુલ ઓફ ઈન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝના પ્રો. અશ્વિની મહાપાત્રાએ જણાવ્યુ હતું કે આપણે હવે દેશને પશ્ચિમી વિચારજ્ઞસરણીમાંથી બહાર આવવાની જરૂર છે. આપણે ગુલામીની માનસિકતામાંથી બહાર આવવું પડશે. પશ્ચિમે આપણા ઈતિહાસ સાથે છેડછાડ કરીને આપણને આપણા ગૌરવશાળી ઈતિહાસથી દૂર રાખવાનો પ્રયાસ કર્યો છે. આ પ્રસંગે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના કુલપતિ પ્રો.રમાશંકર દુબે કહ્યું હતું કે ભારતીય ગ્રંથોએ વિશ્વને જ્ઞાન આપ્યું છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં ભૌતિકવાદ અને આધ્યાત્મિકતાનો અદભૂત સંગમ છે. આંતરરાષ્ટ્રીય કોન્ફરન્સમાં 230થી વધુ એબ્સ્ટ્રેક્ટ મળ્યા હતા. તેમજ 180થી વધુ સંશોધન પત્રો રજુ કરવામાં આવ્યા હોવાનું સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના પીઆરઓ સુનિલ શર્માએ જણાવ્યું છે.

वर्ष 22 | अंक 171 | पृष्ठ 12 | मूल्य ₹5.00

पत्रिका
राजस्थान पत्रिका SUNDAY

य एषु सुप्तेषु जागर्ति | अहमदाबाद, रविवार 04 फरवरी, 2024 | माघ कृष्ण पक्ष नवमी, संवत् 2080

गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित /rajasthanpatrika /rpbreakingnews /rajasthan_patrika

पत्रिका अखबार हर दिन लोगों के घर के दरवाजे खोलता है और पढ़ने के बाद मन के दरवाजे खोलता है। patrika.com

पत्रिका

सीयूजी में भारतीय ज्ञान परंपराएं: संचार और महत्व पर सम्मेलन

भारतीय ज्ञान परंपरा विषय नहीं जीवन जीने का मार्ग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा ने कहा कि हमारे पास इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट है लेकिन वर्तमान समय इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट का है। भारतीय ज्ञान परंपरा एक समृद्ध विरासत है।

हमें अपनी गौरवमयी परंपरा पर गर्व करना चाहिए। वे गांधीनगर स्थित गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के स्वास्थ्य, संस्कृति एवं व्यक्तित्व अध्ययन केन्द्र की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भगवद्गीता में एटीट्यूड, स्किल और नॉलेज को भक्ति, ज्ञान और कर्म के रूप में प्रतिपादित किया गया है जो जीवन को नई दिशा देते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा के कर्तव्यमूलक समाज में आचार्यों का महत्व बताया गया है, जो हमारी मूल संस्कृति से जोड़ते हैं। हमारे पांच पहलू भ्रमण, भोजन, पोशाक, भाषा और भजन हमें हमारी संस्कृति की पहचान कराते है।

गांधीनगर स्थित सीयूजी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि।

मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीरजा गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान ने ही हमारे समाज का संरक्षण किया है। इससे अनवरत चलने वाली सभ्यता का संरक्षण संभव हो पाया। सामाजिक चिंतक अश्विनी शर्मा ने कहा कि भारत मानव जाति का उद्गम स्थल है। राम मंदिर एक राष्ट्र मंदिर के तौर पर विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुकांत कुमार सेनापति ने कहा कि भारतभूमि ऋषियों के तप का प्रताप है, जो भारतीयों का पाथेय है। इसी पाथेय को लेकर भारत विश्व गुरु बना है। शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस डिवीजन के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. जी एस मूर्ति ने भारतीय ज्ञान परंपरा के वैश्विक परिदृश्य के बारे में बताया।

अध्यात्म प्रधान संस्कृति का द्योतक भारत

सीयूजी के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि भारत राष्ट्र की संस्कृति अध्यात्म प्रधान है, जिसमें भौतिकता के साथ अध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय है। पाश्चात्य संस्कृति में जहां गुरु का दायित्व सिर्फ ज्ञान देने तक ही सीमित है, वहीं भारतीय संस्कृति में छात्र के शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का विकास भी हो। संयोजक प्रो. अतनु महापात्र, कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल उपस्थित थे।

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोयल
वर्ष : 44 | अंक : 273 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

समाचार जगत

विश्वास आपका, साथ हमारा...

www.samacharjagat.com

रविवार

इंग्लैंड 253 रन पर सिमटी

'भारतीय ज्ञान परंपराएं : संवाद और महत्व विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विकसित भारत के लिए ज्ञान परंपरा के भारतीय मॉडल की आवश्यकता

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर. तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हुआ। देशभर से आए शोधार्थियों, शिक्षकों और विशेषज्ञों ने संगोष्ठी में आयोजित हुए विभिन्न सत्रों में अपने विचार साझा किए। समापन समारोह में शामिल हुए गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि मनुष्य को कभी भी खुद को बड़ा बताने व दूसरों को छोटा नहीं बताना चाहिए। पश्चिम के देशों ने भारत को हमेशा कमतर ज्ञानवान समझने की भूल की है। उन्होंने अर्थशास्त्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमें फादर ऑफ इकोनॉमिक्स पर एडम स्मिथ याद है लेकिन भारत में अर्थशास्त्र की पूर्ण जानकारी कौटिल्य अपनी पुस्तक में कहीं वर्षों पहले ही दे चुके है। उन्होंने कहा कि हमें अब भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े पुराने साहित्य को ही नहीं अपितु नवीन साहित्य जो भारतीय ज्ञान परंपरा के वैभव को दर्शाता है उसे भी आत्मसात करना चाहिए। भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पूरे विश्व का 48 फीसदी ऑनलाइन लेनदेन अकेले भारत में हो रहा है।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि ऑर्गेनाइजर पत्रिका के संपादक प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि देश में वर्तमान में एक बड़ी बहस छिड़ी हुई है कि मंदिर के निर्माण से रोजगार नहीं मिल सकता है, लेकिन सदियों से हमारे भारतवर्ष में मंदिर और रोजगार साथ-साथ चले है लेकिन पिछले 70 वर्षों में हमारी अप्रोच सही नहीं रही है।

भारत ही अकेली ऐसी सभ्यता है जो 1300 वर्षों तक आक्रमण और अत्याचार सहने के बाद भी लगातार उठ खड़ी हुई है। हमें विकास के लिए अमेरिकी मॉडल नहीं अपितु भारतीय मॉडल की जरूरत है। उन्होंने विकसित भारत के लिए ज्ञान परंपरा के भारतीय मॉडल की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में समापन सत्र के मुख्य वक्ता जेएनयू दिल्ली के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के प्रो.अश्विनी महापात्र ने कहा कि देश पश्चिमी सोच से हमें अब बाहर निकलने की जरूरत है। हमें गुलामी की मानसिकता से बाहर आना होगा।

हमें कहां नेतृत्व करना है ये मुख्यबिंदु है। हमारे इतिहास में छेड़छाड़ करके पश्चिम ने हमें हमारे गौरवशाली इतिहास से दूर रखने की कोशिश की है, लेकिन वास्तविकता यह है कि जो हमारे पास समृद्ध ज्ञान परंपरा है वो किसी के पास नहीं है।

सनातन संस्कृति के मूल भावों को आत्मसात करते हुए मिले शिक्षा

कार्यक्रम का अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे ने कहा कि ज्ञान का सर्वप्रथम उद्भव ही भारत में हुआ है। भारतीय ग्रंथों ने विश्व को ज्ञान दिया। भारतीय ज्ञान परंपरा में भौतिकता और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। मनुष्य में शरीर, मन, बुद्धि के साथ पर्यावरण का बेहतर सामंजस्य है। आज आवश्यकता है कि हम शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं को सनातन संस्कृति के मूल भावों को आत्मसात करते हुए शिक्षा दें। उन्होंने कहा कि छात्रों में देश प्रेम की भावना का विकास करना शिक्षा का उद्देश्य है, क्योंकि सबसे बड़ी भक्ति राष्ट्र भक्ति है। शिक्षक को छात्रों में राष्ट्रीयता की भावना विकसित करनी होगी। भारतीय ज्ञान परंपरा में भौतिक भाव के साथ आध्यात्मिक भाव दोनों है। भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम भारतीय ज्ञान परंपरा में ही देखने को मिलता है। आज आवश्यकता है हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से यह रास्ता दिखाती है कि हम भारतीय मूल्यों को हमारे पाठ्यक्रमों में जोड़ा जाए ताकि विद्यार्थियों में देश प्रेम की भावना विकसित की जाए। हमें हमारे धर्मग्रंथों की तरफ लौटना होगा। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अतनु महापात्र ने बताया कि तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में 230 से अधिक एब्सट्रेक्ट प्राप्त हुए है। साथ ही 180 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गये है।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

ગાંધીનગર સમાચાર

Gandhinagar વર્ષ : (૩૮) અંક નં. ૩૨૩ ૪ ફેબ્રુઆરી, ૨૦૨૪, રવિવાર; પોષ વદ - ૦૯ પાનાં - ૮ કિંમત રૂ. ૩.૦૦

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

વિકસિત ભારત માટે જ્ઞાન પરંપરાના ભારતીય મોડેલની જરૂર છે

"ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાઓ : સંચાર અને મહત્વ" વિષય પર ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના સમાપન સમારોહમાં વક્તાઓએ સંબોધન કર્યું

ગાંધીનગર, તા. ૩

ત્રિ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય સેમિનારનું શનિવારે સમાપન થયું હતું. સેમિનારમાં આયોજિત વિવિધ સત્રોમાં દેશભરના સંશોધકો, શિક્ષકો અને નિષ્ણાતોએ પોતાના મંતવ્યો રજૂ કર્યા હતા. સમાપન સમારોહમાં ઉપસ્થિત ગુરુ ઘાસીદાસ યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. આલોક કુમાર ચકવાલે જણાવ્યું હતું કે માણસે ક્યારેય પોતાને મોટો ન કહેવો જોઈએ અને બીજાને નાનો કહેવા ન જોઈએ. પશ્ચિમી દેશોએ હંમેશા ભારતને ઓછું જાણનાર માનવાની ભુલ કરી છે. અર્થશાસ્ત્ર વિશે માહિતી આપતાં તેમણે કહ્યું કે આપણે એડમ સ્મિથને અર્થશાસ્ત્રના પિતા તરીકે યાદ કરીએ છીએ, પરંતુ કૌટિલ્યએ તેમના પુસ્તકમાં વર્ષો પહેલા ભારતમાં અર્થશાસ્ત્ર વિશે સંપૂર્ણ માહિતી આપી હતી. તેમણે કહ્યું કે હવે આપણે માત્ર ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા સાથે સંબંધિત જૂના સાહિત્યને જ નહીં પરંતુ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાની ભવ્યતા દર્શાવતું નવું સાહિત્ય પણ આત્મસાત કરવું જોઈએ. ભારત હવે વિશ્વની ત્રીજી સૌથી મોટી અર્થવ્યવસ્થા બની ગયું છે. વિશ્વના ૪૮ ટકા ઓનલાઈન વ્યવહારો એકલા ભારતમાં થાય છે. આ દરમિયાન અતિથિ વિશેષ આયોજક મેગેઝીનના તંત્રી પ્રફુલ્લ કેતકરે જણાવ્યું હતું કે હાલમાં દેશમાં એક મોટી ચર્ચા ચાલી રહી છે કે મંદિરનું નિર્માણ રોજગાર આપી શકતું નથી, પરંતુ આપણા ભારતમાં સદીઓથી મંદિરો અને રોજગાર એક સાથે ચાલ્યા છે. છેલ્લા ૭૦ વર્ષમાં આ અભિગમ યોગ્ય નથી. ભારત એક માત્ર એવી સંસ્કૃતિ છે જે ૧૩૦૦ વર્ષ સુધી આક્રમણ અને અત્યાચાર સહન કર્યા પછી પણ સતત ઉભી રહી છે. આપણે વિકાસ માટે અમેરિકન મોડલની નહીં પણ ભારતીય મોડલની જરૂર છે. તેમણે વિકસિત ભારત માટે જ્ઞાન પરંપરાના ભારતીય મોડલની જરૂરિયાત પર ભાર મૂક્યો હતો. કાર્યક્રમના સમાપન સત્રના મુખ્ય વક્તા, JNU દિલ્હીની સ્કૂલ ઓફ ઈન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝના

પ્રો. અશ્વિની મહાપાત્રાએ જણાવ્યું હતું કે આપણે હવે દેશની પશ્ચિમી વિચારસરણીમાંથી બહાર આવવાની જરૂર છે. આપણે ગુલામીની માનસિકતામાંથી બહાર આવવું પડશે. આપણે ક્યાં દોરી જવું એ મુખ્ય મુદ્દો છે. પશ્ચિમે આપણા ઈતિહાસ સાથે છેડછાડ કરીને આપણને આપણા ગૌરવશાળી ઈતિહાસથી દૂર રાખવાનો પ્રયાસ કર્યો છે, પરંતુ વાસ્તવિકતા એ છે કે આપણી પાસે જેટલી સમૃદ્ધ જ્ઞાન પરંપરા છે તે કોઈની પાસે નથી. સનાતન સંસ્કૃતિના પાયાના મૂલ્યોને આત્મસાત કરતા શિક્ષણ કાર્યક્રમના અધ્યક્ષીય પ્રવચનમાં યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું હતું કે જ્ઞાનની ઉત્પત્તિ સૌપ્રથમ ભારતમાં થઈ હતી. ભારતીય ગ્રંથોએ વિશ્વને જ્ઞાન આપ્યું. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં ભૌતિકવાદ અને આધ્યાત્મિકતાનો અદ્ભુત સંગમ છે. મનુષ્યમાં શરીર, મન અને બુદ્ધિ સાથે પર્યાવરણની વધુ સારી સંવાદિતા છે. આજે જરૂર છે કે આપણે શૈક્ષણિક સંસ્થાઓમાં વિદ્યાર્થીઓને સનાતન સંસ્કૃતિના મૂળભૂત મૂલ્યોને આત્મસાત કરીને શિક્ષણ આપવું જોઈએ. તેમણે કહ્યું કે શિક્ષણનો ઉદ્દેશ્ય વિદ્યાર્થીઓમાં દેશભક્તિની ભાવના કેળવવાનો છે, કારણ કે સૌથી મોટી ભક્તિ દેશભક્તિ છે. શિક્ષકે વિદ્યાર્થીઓમાં રાષ્ટ્રવાદની ભાવના કેળવવાની હોય છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં ભૌતિક સંવેદનાની સાથે સાથે આધ્યાત્મિક ભાવના પણ છે. ભૌતિકવાદ સાથે આધ્યાત્મિકતાનો અદ્ભુત સંગમ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરામાં જ જોવા મળે છે. આજે રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ ૨૦૨૦ દ્વારા આપણા અભ્યાસક્રમમાં ભારતીય મૂલ્યો ઉમેરવાની જરૂર છે જેથી વિદ્યાર્થીઓમાં દેશભક્તિની ભાવનાનો વિકાસ થાય. આપણે આપણા શાસ્ત્રો તરફ પાછા ફરવાનું છે. આ દરમિયાન કાર્યક્રમના સંયોજક પ્રો. અતનુ મહાપાત્રાએ જણાવ્યું હતું કે ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય કોન્ફરન્સમાં ૨૩૦ થી વધુ એબ્સ્ટ્રેક્ટ મળ્યા હતા. તેમજ ૧૮૦ થી વધુ સંશોધન પત્રો રજૂ કરવામાં આવ્યા છે.

પાના : ૨૮+૮ કિંમત : રૂા. ૫-૦૦ ** તા. ૩ ફેબ્રુઆરી ૨૦૨૪ શનિવાર અમદાવાદ, વડોદરા, સુરત, રાજકોટ, ભાવનગર, ભૂજ અને મુંબઇથી પ્રગટ થતું દૈનિક

ગુજરાત સમાચાર

અધિષ્ઠાપક તંત્રી : સ્વ. શાંતિલાલ અ. શાહ ▶ સંવત ૨૦૮૦ શકે ૧૯૪૫ પોષ વદ - ૮ વર્ષ : ૯૬, અંક : ૩૨ ▶ ટે.નં.૨૫૫૦૮૦૦૧-૨-૩-૪ ▶ http://www.gujaratsamachar.com AHMEDABAD

મેનેજિંગ તંત્રી : શ્રેયાંસ શાંતિલાલ શાહ ▶ મુદ્રક અને પ્રકાશક : શ્રેયાંસ શાંતિલાલ શાહ ખાનપુર, અમદાવાદ-૧ ▶ RNI Reg. No. 15625/57 REG.No. GAMC-28/2024-2026 Valid upto 31 Dec. 2026 Posting at A'bad RMS 1-2-3-4

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં ત્રિ દિવસીય પરિષદનું આયોજન

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના સેન્ટર ફોર હેલ્થ, કલ્ચર એન્ડ પર્સનાલિટી સ્ટડીઝ દ્વારા ગુરુવારે આયોજિત ત્રિ-દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના ઉદ્ઘાટન સત્રને વિશેષ અતિથિ તરીકે ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના પ્રમુખ ડો.ભાગ્યેશ ઝા ઉપસ્થિત રહ્યા હતાં.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

२९८

SUNDAY
4•02•2024

રવિવારની પૂર્તિ

સંસ્કાર

સંદેશ

અમદાવાદ, વડોદરા, સુરત, રાજકોટ, ભાવનગર અને ભુજથી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક

સંવર્ધક તંત્રી સ્વ. શ્રી ચીમનભાઇ એસ. પટેલ ● REG NO. GAMC-26/2018-2020 ● Vol : 67 No. : 151 AHMEDABAD વિ.સં. ૨૦૮૦, પોષ વદ-૯ પાના : ૧૮+૮+૪ www.sandesh.com @sandeshnews /sandeshnewspaper કિંમત - રૂ.૬-૦૦

વિકસિત ભારત માટે જ્ઞાન પરંપરાના ભારતીય મોડેલની તાતી જરૂર છે

। ગાંધીનગર ।

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ખાતે ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાઓ. સંચાર અને મહત્વ વિષય પર ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય સેમિનારનું આયોજન કરાયુ હતું. આજે આ સેમિનારના સમાપન સમારોહમાં દેશભરમાંથી ઉપસ્થિત સંશોધકો, શિક્ષકો અને નિષ્ણાતોએ પોતાના મંતવ્યો રજૂ કર્યા હતા. સમાપન સમારોહમાં ઉપસ્થિત ગુરુઘાસીદાસ યુનિવર્સિટીના વાઇસ ચાન્સેલર પ્રો. આલોક કુમાર ચકવાલે જણાવ્યુ હતુકે, આપણે હવે માત્ર ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા સાથે સબંધિત જૂના સાહિત્યને જ નહી પરંતુ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાની ભવ્યતા દર્શાવતું નવું સાહિત્ય પણ આત્મસાત કરવુ જોઇએ. પ્રફુલ્લ કેતકરે જણાવ્યુ હતુકે,ભારતમાં સદીઓથી મંદિરો અને રોજગાર એક સાથે ચાલ્યા છે. ભારત એકમાત્ર એવી સંસ્કૃતિ છેકે, જે ૧૩૦૦ વર્ષ સુધી આક્રમણ અને અત્યાચાર સહન કર્યા પછી પણ સતત ઉભી છે. આપણે વિકાસ માટે અમેરિકન મોડલની નહીં પરંતુ ભારતીય મોડલની જરૂર છે. કાર્યક્રમના સમાપનના મુખ્ય વક્તા જેએનયુ દિલ્હીની સ્કૂલ ઓફ ઇન્ટરનેશનલ સ્ટડીઝના પ્રો. અશ્વિની મહાપાત્રાએ જણાવ્યું હતુકે, આપણે હવે દેશની પશ્ચિમી વિચારસરણીમાંથી બહાર આવવાની જરૂરર છે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

192

राजस्थान पत्रिका

पत्रिका

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

वर्ष : 22 | अंक : 126 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

patrika.com /rajasthanpatrika /rpbreakingnews /rajasthan_patrika

गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

अहमदाबाद, मंगलवार, 19 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी, संवत 2080

इंडियन प्रीमियर लीग 2024

मिनी नीलामी में आज 333 खिलाड़ियों में से सिर्फ 77 क्रिकेटरों की चमकेगी किस्मत

@स्पोर्ट्स&गेमिंग

एवरेस्ट फतह के लिए बेचैन पर्वतारोहियों की भीड़ से...

@इंडिया&वर्ल्ड

एनपीएस ने एक वर्ष में दिया 17% रिटर्न, पेंशन योजना में...

@बिजनेस&वेल्थ

पत्रिका

सीयूजी के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केन्द्र में दूसरी बैच का प्रारंभ

नौकरी पाने को ही नहीं, हालातों को बेहतर बनाने के लिए भी संघर्ष करें विद्यार्थी: एडीजी पटेल

गांधीनगर @ पत्रिका. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केन्द्र में दूसरी बैच का सोमवार से प्रारंभ। समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हसमुख पटेल और टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) के पूर्व चेयरमेन डॉ. पी डी वाघेला मौजूद रहे।

हसमुख पटेल ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए विद्यार्थियों को कहा कि छात्रों को सिर्फ नौकरी पाने के लिए ही नहीं, बल्कि हालातों को बेहतर बनाने के लिए भी संघर्ष करना चाहिए।

ट्राइ के पूर्व चेयरमेन वाघेला ने कहा कि बीते एक वर्ष में ही केन्द्र से 29 विद्यार्थियों का सफल होना सीयूजी के उत्कृष्ट परिणामों को दर्शाता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीयूजी कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे ने कहा कि केन्द्र का सफलता अनुपात पूरे देश में शीर्ष स्थान पर है।

गांधीनगर स्थित सीयूजी में समारोह का उद्घाटन करते अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हसमुख पटेल, सीयूजी के कुलपति प्रोफेसर रमाशंकर दुबे।

केन्द्र के नोडल अधिकारी और कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश मकवाणा ने कहा कि पिछले एक वर्ष में गुजरात सरकार और केन्द्र सरकार की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों का चयन हुआ है। केन्द्र के विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग के साथ ही प्रत्येक माह 4 हजार रुपए स्टाइपेंड भी दिया जाता है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच के पटेल, केन्द्र की सलाहकार समिति के सदस्य समेत कई लोग मौजूद रहे।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

TUESDAY
19-12-2023

મંગળવારની પૂર્તિ

નારી

સંદેશ

અમદાવાદ, વડોદરા, સુરત, રાજકોટ, ભાવનગર અને ભુજથી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક

સંવર્ધક તંત્રી સ્વ. શ્રી ચીમનભાઈ એસ. પટેલ ● REG NO. GAMC-26/2018-2020 ● Vol : 67 No. : 106 AHMEDABAD વિ.સં. ૨૦૮૦, માગશર સુદ-૭ પાના : ૧૬+૧૨+૨ www.sandesh.com @sandeshnews /sandeshnewspaper કિંમત - રૂા.૫-૦૦

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

વિદ્યાર્થીઓને સંબોધતા IPS હસમુખ પટેલે કહ્યું

ગ્રામ્ય વિસ્તારમાંથી આવતા વિદ્યાર્થીઓએ કેન્દ્રની સેવાઓનો ભરપૂર લાભ લેવો જોઈએ

સીયુજીના ડો.આંબેડકર સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સની બીજી બેચનું IPS હસમુખ પટેલની સ્પીચ સાથે ઈનોગ્રેશન કરાયું

સિટી લાઇફ । સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના ડો.આંબેડકર સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સને સોમવારે એક વર્ષ પૂર્ણ થયું. આ દરમિયાન ગુજરાત પોલીસ સેવાના અધિક મહાનિર્દેશક હસમુખ પટેલ અને ટેલિકોમ રેગ્યુલેટરી ઓથોરિટી ઓફ ઈન્ડિયા (TRAI)ના ભૂતપૂર્વ ચેરમેન IAS ડૉ. પી.ડી. વાઘેલા બીજી બેચના ઈનોગ્રેશન સેરિમનીમાં અતિથિ વિશેષ તરીકે ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. હસમુખ પટેલે કેન્દ્રમાં વધુ અભ્યાસ માટે પસંદગી પામેલા વિદ્યાર્થીઓને જણાવ્યું હતું કે, 'ગ્રામ્ય વિસ્તારોમાંથી આવતા વિદ્યાર્થીઓએ પણ કેન્દ્રની સેવાઓનો ભરપૂર લાભ લેવો જોઈએ.' પોતાના સંઘર્ષના દિવસોને યાદ કરતાં તેમણે કહ્યું કે વિદ્યાર્થીઓએ માત્ર નોકરી મેળવવા માટે જ નહીં પરંતુ પરિસ્થિતિ સુધારવા માટે પણ સંઘર્ષ કરવો જોઈએ. આ કાર્યક્રમમાં હાજર રહેલા ટ્રાઈના ભૂતપૂર્વ ચેરમેન વાઘેલાએ કહ્યું કે છેલ્લા એક વર્ષમાં કેન્દ્રમાંથી ૨૯ વિદ્યાર્થીઓની સફળતા સીયુજીના ઉત્કૃષ્ટ પરિણામો દર્શાવે છે. કાર્યક્રમમાં મુખ્ય મહેમાન તરીકે ઉપસ્થિત સીયુજીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે કેન્દ્રનો સફળતાનો ગુણોત્તર સમગ્ર દેશમાં ટોચના સ્થાને છે. તેમણે પસંદગી પામેલા વિદ્યાર્થીઓને યુનિવર્સિટીની સુવિધાઓનો મહત્તમ ઉપયોગ કરવા જણાવ્યું હતું. આ પ્રસંગે કેન્દ્રના નોડલ ઓફિસર અને કાર્યક્રમના સંયોજક પ્રો. રાજેશ મકવાણાએ જણાવ્યું હતું કે છેલ્લા એક વર્ષમાં ગુજરાત સરકાર અને કેન્દ્ર સરકારની વિવિધ સ્પર્ધાત્મક પરીક્ષાઓમાં વિદ્યાર્થીઓની પસંદગી થઈ છે તેનો આનંદ છે. ફ્રી કોચિંગની સાથે સેન્ટરના વિદ્યાર્થીઓને દર મહિને ૪,૦૦૦ રૂપિયાનું સ્ટાઈપેન્ડ પણ આપવામાં આવે છે. કેન્દ્રએ તાજેતરમાં નવી દિલ્હી સ્થિત ભારત સરકારના સામાજિક ન્યાય અને અધિકારીતા મંત્રાલય સાથે એક એમઓયુ પર હસ્તાક્ષર કર્યા છે.

ug.ac.in
अधिकारी
Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

| वर्ष : 44 | अंक : 228 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका, साथ हमारा...

समाचार जगत

मंगलवार

www.samacharjagat.com

जयपुर, 19 दिसम्बर 2023, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी संवत् 2080

एमबापे के गोल के बावजूद...

@ पृष्ठ 8 पर

'केन्द्र ने उत्कृष्ट परिणामों से देश में बनाई विशेष पहचान'

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर. गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केन्द्र ने सोमवार को एक वर्ष पूरा किया। इस दौरान दूसरे बैच के उद्घाटन समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि गुजरात पुलिस सेवा के अतिरिक्त महानिदेशक हसमुख पटेल और टेलीकॉम रेगुलेटरी ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) के पूर्व चैयरमेन आईएएस डॉ. पी डी वाघेला मौजूद रहे। केन्द्र में आगामी अध्ययन के लिए चयनित हुए विद्यार्थियों से हसमुख पटेल ने कहा कि ग्रामीण परिवेश से आने वाले विद्यार्थियों को भी केन्द्र की सेवाओं का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए विद्यार्थियों को कहा कि छात्रों को सिर्फ नौकरी पाने के लिए ही नहीं, बल्कि हालातों को बेहतर बनाने के लिए भी संघर्ष करना चाहिए। कार्यक्रम में आए ट्राइ के पूर्व चैयरमेन वाघेला ने विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की और केन्द्र के उत्कृष्ट परिणामों के लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष में ही केन्द्र से 29 विद्यार्थियों का सफल होना सीयूजी के उत्कृष्ट परिणामों को दर्शाता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित सीयूजी कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि केन्द्र का सफलता अनुपात पूरे देश में शीर्ष स्थान पर है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए कहा। इस अवसर पर केन्द्र के नोडल अधिकारी और कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश मकवाना ने बताया कि पिछले एक वर्ष में गुजरात सरकार और केन्द्र सरकार की विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं में विद्यार्थियों का चयन होना सुखद अनुभूति है। केन्द्र के विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग के साथ ही प्रत्येक माह 4 हजार रुपये स्टाइपैंड भी दिया जाता है। केन्द्र ने हाल ही में नई दिल्ली स्थित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के साथ एक एमओयू भी हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल, केन्द्र की सहालकार समिति के सदस्य, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी एवं नव आगंतुक विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

Wednesday
20.12.2023
*Volume :8 * Issue No.147
*Email.: kamalamgujarat@gmail.com
*www.kamalamgujarat.com
*Editor :Mahesh N. Patel:- (98249 10606)

ગતિશીલ ગુજરાત ની વિકાસ ગાથા રજૂ કરતું એકમાત્ર અખબાર...

કમલમ્

KAMALAM
ગાંધીનગર થી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક
Daily

RNI No.:GUJGUJ/2016/73451
PRINTED MATTER
To,

*Managing Editor: Arjun Sondarva *Office: A-3, Plot No. R - 13, Tanishq Complex, New Greencity, Sector-26, Gandhinagar (Gujarat) 382028 *Page :04 *Rs. 00.25/- *Annual Rs. 90/-

સીયુજીના ડો.આંબેડ્કર સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સની બીજી બેચનું ઉદ્‌ઘાટન

કેન્દ્રએ તેના ઉત્કૃષ્ટ પરિણામોથી દેશમાં એક ખાસ ઓળખ ઉભી કરી છે: IPS હસમુખ પટેલ

કમલમ્ ન્યુઝ,ગાંધીનગર.

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના ડો.આંબેડકર સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સને સોમવારે એક વર્ષ પૂર્ણ થયું. આ દરમિયાન ગુજરાત પોલીસ સેવાના અધિક મહાનિર્દેશક હસમુખ પટેલ અને ટેલિકોમ રેગ્યુલેટરી ઓથોરિટી ઓફ ઈન્ડિયા (TRAI)ના ભૂતપૂર્વ ચેરમેન IAS ડો. પી.ડી. વાઘેલા બીજી બેચના ઉદ્‌ઘાટન સમારોહમાં અતિથિ વિશેષ તરીકે ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. હસમુખ પટેલે કેન્દ્રમાં વધુ અભ્યાસ માટે પસંદગી પામેલા વિદ્યાર્થીઓને જણાવ્યું હતું કે, ગ્રામ્ય વિસ્તારોમાંથી આવતા વિદ્યાર્થીઓએ પણ કેન્દ્રની સેવાઓનો ભરપૂર લાભ લેવો જોઈએ. પોતાના સંઘર્ષના દિવસોને યાદ કરતાં તેમણે કહ્યું કે વિદ્યાર્થીઓએ માત્ર નોકરી મેળવવા માટે જ નહી પરંતુ પરિસ્થિતિ સુધારવા માટે પણ સંઘર્ષ કરવો જોઈએ. આ કાર્યક્રમમાં હાજર રહેલા ટ્રાઈના ભૂતપૂર્વ ચેરમેન વાઘેલાએ યુનિવર્સિટીના પ્રયાસોની પ્રશંસા કરી અને કેન્દ્રના ઉત્તમ પરિણામો માટે ટોચના નેતૃત્વનો આભાર માન્યો. તેમણે કહ્યું કે છેલ્લા એક વર્ષમાં કેન્દ્રમાંથી ૨૯ વિદ્યાર્થીઓની સફળતા સીયુજીના ઉત્કૃષ્ટ પરિણામો દર્શાવે છે. કાર્યક્રમમાં મુખ્ય મહેમાન તરીકે ઉપસ્થિત સીયુજીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે કેન્દ્રનો સફળતાનો ગુણોત્તર સમગ્ર દેશમાં ટોચના સ્થાને છે. તેમણે પસંદગી પામેલા વિદ્યાર્થીઓને યુનિવર્સિટીની સુવિધાઓનો મહત્તમ ઉપયોગ કરવા જણાવ્યું હતું. આ પ્રસંગે કેન્દ્રના નોડલ ઓફિસર અને કાર્યક્રમના સંયોજક પ્રો. રાજેશ મકવાણાએ જણાવ્યું હતું કે છેલ્લા એક વર્ષમાં ગુજરાત સરકાર અને કેન્દ્ર સરકારની વિવિધ સ્પર્ધાત્મક પરીક્ષાઓમાં વિદ્યાર્થીઓની પસંદગી થઈ છે તેનો આનંદ છે. ફ્રી કોચિંગની સાથે સેન્ટરના વિદ્યાર્થીઓને દર મહિને ૪,૦૦૦ રૂપિયાનું સ્ટાઈપેન્ડ પણ આપવામાં આવે છે. કેન્દ્રએ તાજેતરમાં નવી દિલ્હી સ્થિત ભારત સરકારના સામાજિક ન્યાય અને અધિકારીના મંત્રાલય સાથે એક એમઓયુ પર હસ્તાક્ષર કર્યા છે.

કાર્યક્રમમાં યુનિવર્સિટીના રજીસ્ટ્રાર પ્રો. એચ.બી. પટેલ, કેન્દ્રની સલાહકાર સમિતિના સભ્યો, શૈક્ષણિક અને બિન-શૈક્ષણિક સ્ટાફ અને નવા પ્રવેશ પામેલા વિદ્યાર્થીઓ પણ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

906

Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

Mail - Sunil Sharma - Outlook | (537) સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ

youtube.com/watch?v=da0YLSB50VU

YouTube

Search

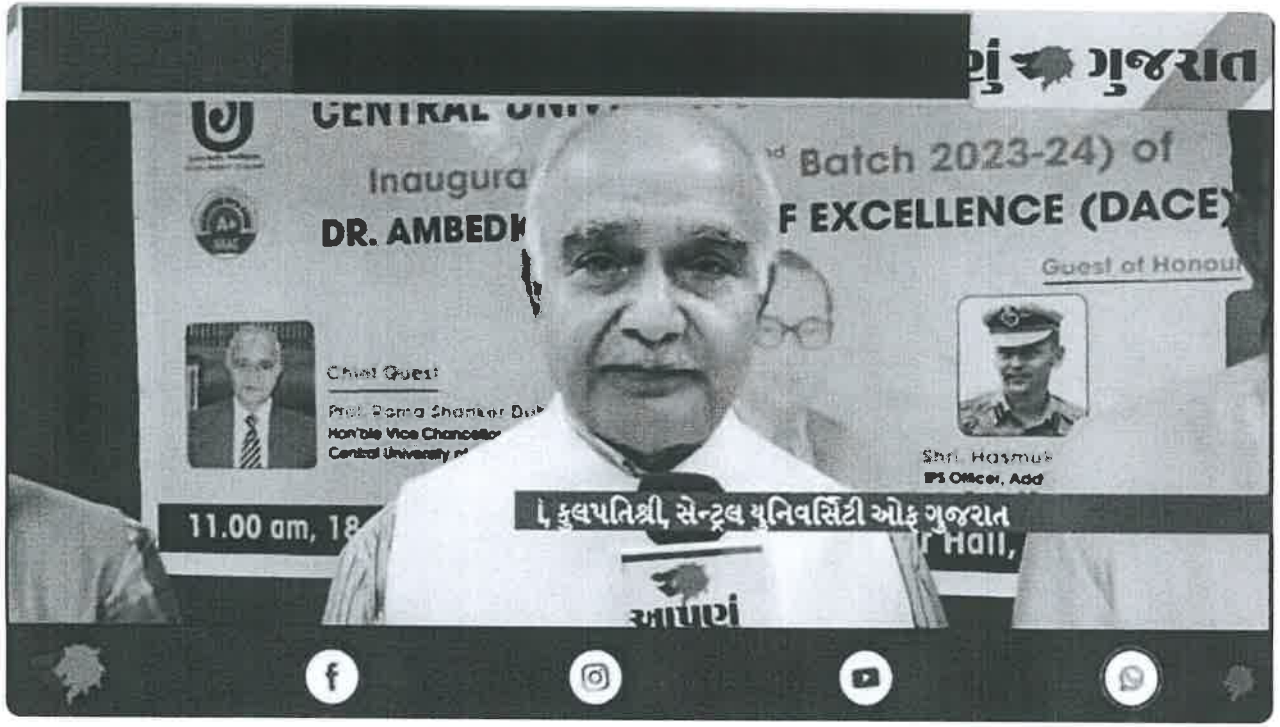

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત, ગાંધીનગર ખાતે ડો.આંબેડકર સેન્ટર ઓફ એક્સેલેન્સ દ્વિતિય બેચનો શુભારંભ

Aapnu Gujarat
10.6K subscribers
Subscribe

9 | Share | Download | Save

179 views 1 day ago #AapnuGujaratNews #AapnuGujarat #Gujaratisamachar

All | Politics News

- પાલનપુર: મિશન કે-૩ કેળવણી કૌશલ્ય અને કામયાબી અંતર્ગત... — Aapnu Gujarat — 176 views • 1 day ago — New — 24:51
- Scam 1992 | The Harshad Mehta Story | Sony LIV Origina... — Sony LIV — 12M views • 10 months ago — 49:59
- Mix - Aapnu Gujarat — More from this channel for you
- Peaceful Swaminarayan Dhun 2021 | Swaminarayan Dhun No... — Akshar Vani — 152K views • 2 years ago — 2:02:23
- SIP से करोड़पति ऐसे बनो | SIP kya hai | Mutual Fund SIP kaise... — Sagar Sinha — 3.9M views • 8 months ago — 48:35
- PMAY - GUDA - EWS - પ્રધાનમંત્રી આવાસ યોજના - ગાંધીનગર -... — STAR EDUCATION — 5.7K views • 3 weeks ago — 8:04
- Radio City Joke Studio Week

Type here to search | 20°C Smoke | ENG | 10:58 AM 21-Dec-23

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

Mail - Sunil Sharma - Outlook | સીયુજીના ડો.આંબેડકર સેન્ટર ઓફ

Not secure navbharat.cloud/cug-university/

NAVBHARAT
TRUSTED | CONNECTED | TARGETED

HOME BUSINESS TECH SPORT ENTERTAINMENT POLITICS/NATIONAL EDUCATION HEALTH GUJARAT SPIRITUAL

Home › Education › સીયુજીના ડો.આંબેડકર સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સની બીજી બેચનું ઉદ્ઘાટન

Education

સીયુજીના ડો.આંબેડકર સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સની બીજી બેચનું ઉદ્ઘાટન

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના ડો.આંબેડકર સેન્ટર ઓફ એક્સેલન્સને સોમવારે એક વર્ષ પૂર્ણ થયું. આ દરમિયાન ગુજરાત પોલીસ સેવાના અધિક મહાનિર્દેશક હસમુખ પટેલ અને ટેલિકોમ રેગ્યુલેટરી ઓથોરિટી ઓફ ઈન્ડિયા (TRAI)ના ભૂતપૂર્વ ચેરમેન અને ડૉ. પી.ડી. વાઘેલા બીજી બેચના ઉદ્ઘાટન સમારોહમાં અતિથિ વિશેષ તરીકે ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. હસમુખ પટેલે કેન્દ્રમાં વધુ અભ્યાસ માટે પસંદગી પામેલા વિદ્યાર્થીઓને જણાવ્યું હતું કે, વંચિત વિસ્તારોમાંથી આવતા વિદ્યાર્થીઓએ પણ કેન્દ્રની સેવાઓનો ભરપૂર લાભ લેવો જોઈએ. પોતાના સંઘર્ષના દિવસોને યાદ કરતાં તેમણે કહ્યું કે વિદ્યાર્થીઓએ માત્ર નોકરી મેળવવા માટે જ નહીં પરંતુ પરિસ્થિતિ સુધારવા માટે પણ સંઘર્ષ કરવો જોઈએ. આ કાર્યક્રમમાં હાજર રહેલા ટ્રાઈના ભૂતપૂર્વ ચેરમેન વાઘેલાએ યુનિવર્સિટીના પ્રયાસોની પ્રશંસા કરી અને કેન્દ્રના ઉત્તમ પરિણામો માટે ટીમના નેતૃત્વનો આભાર માન્યો. તેમણે કહ્યું કે છેલ્લા એક વર્ષમાં કેન્દ્રમાંથી ૨૭ વિદ્યાર્થીઓની સફળતા સીયુજીના ઉત્કૃષ્ટ પરિણામો દર્શાવે છે. કાર્યક્રમના મુખ્ય મહેમાન તરીકે ઉપસ્થિત સીયુજીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે કેન્દ્રની સફળતાનો ગુણોત્તર સમગ્ર દેશમાં ટોચના સ્થાને છે. તેમણે પસંદગી પામેલા વિદ્યાર્થીઓને યુનિવર્સિટીની સુવિધાઓનો મહત્તમ ઉપયોગ કરવા જણાવ્યું હતું. આ પ્રસંગે કેન્દ્રના નોડલ ઓફિસર અને કાર્યક્રમના સંયોજક પ્રો. [illegible] જણાવ્યું હતું કે છેલ્લા એક વર્ષમાં ગુજરાત સરકાર અને કેન્દ્ર સરકારની વિવિધ સ્પર્ધાત્મક પરીક્ષાઓમાં વિદ્યાર્થીઓની પસંદગી થઈ છે તેનો આનંદ છે. ડૉ. [illegible] સાથે સેન્ટરના વિદ્યાર્થીઓને દર મહિને 4,000 રૂપિયાનું સ્ટાઇપેન્ડ પણ આપવામાં આવે છે. કેન્દ્રએ તાજેતરમાં નવી દિલ્હી સ્થિત ભારત સરકારના સામાજિક

Recent Posts

ગુજરાતની બેડમિંટન ક્ષેત્રની પ્રતિભાઓનું સન્માન

TATA MOTORS
ટાટા મોટર્સ પરિવહનના ભવિષ્ય માટે ચીન કોર્સ પડી કાઢે છે

indiaskills
ઇન્ડિયા સ્કિલ્સ 2023-24: રાષ્ટ્રીય સ્પર્ધા વિવિધ પ્રતિભાઓને પ્રદર્શિત કરશે અને કૌશલ્યના ધોરણોને ઉન્નત કરશે

POCO C65 લોન્ચ: પાવર અને સ્ટાઇલનું અલ્ટીમેટ ફ્યુઝન - ૫ બિગ ડીલનું અનાવરણ!

કોરોનાના નવા વેરિયન્ટથી લોકોએ ગભરાવવાની જરૂર નથી પરંતુ સતર્કતા જરૂરથી રાખીએ: પ્રવક્તા મંત્રી શ્રી ઋષિકેશ પટેલ

Enter keyword...

Recent Posts

ગુજરાતની બેડમિંટન ક્ષેત્રની પ્રતિભાઓનું સન્માન

ટાટા મોટર્સ પરિવહનના ભવિષ્ય માટે ચીન કોર્સ પડી કાઢે છે

ઇન્ડિયા સ્કિલ્સ 2023-24: રાષ્ટ્રીય સ્પર્ધા વિવિધ પ્રતિભાઓને પ્રદર્શિત કરશે અને કૌશલ્યના ધોરણોને ઉન્નત કરશે

POCO C65 લોન્ચ: પાવર અને સ્ટાઇલનું અલ્ટીમેટ ફ્યુઝન - ૫ બિગ ડીલનું અનાવરણ!

કોરોનાના નવા વેરિયન્ટથી લોકોએ ગભરાવવાની જરૂર નથી પરંતુ સતર્કતા જરૂરથી રાખીએ: પ્રવક્તા મંત્રી શ્રી ઋષિકેશ પટેલ

Type here to search

20°C Smoke ENG 11:01 AM 21-Dec-23

ગાંધીનગર સમાચાર તા. ૦૯-૧૨-૨૦૨૩, શનિવાર

આજનો યુવા વૈશ્વિક મૂલ્યોને ઘડવા સક્ષમ : પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિદ્યાલયના પાંચમા દીક્ષાંત સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ પદે જેએનયુના કુલપતિ ઉપસ્થિત રહ્યાં : દીક્ષાંત સમારોહમાં ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓએ પદવી પ્રાપ્ત કરી : યુનિવર્સિટીનું આગામી સત્ર વડોદરાના કુંઘેલામાં નિર્માણાધીન કાયમી કેમ્પસમાં શરુ થશે : કુલાધિપતિ હસમુખ અઢિયા

ગાંધીનગર, તા.૦૮

વર્તમાન સમય દેશના યુવાનો માટે સુવર્ણકાળ છે. ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવીનતાથી લઈને શિક્ષણ સુધી દરેક ક્ષેત્રમાં યુવાનોની ટકાવારી વધી રહી છે. દેશના યુવાનો માત્ર એક મજબૂત રાષ્ટ્રના નિર્માણમાં તેમનું સર્જનાત્મક યોગદાન નથી આપી રહ્યા પરંતુ વૈશ્વિક ધોરણોને પણ આકાર આપી રહ્યા છે. આ કહેવું છે જવાહરલાલ નેહરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિતનું. શુક્રવારે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીઓફ ગુજરાતના પાંચમા દીક્ષાંત સમારોહને મુખ્ય અતિથિ તરીકે સંબોધતા તેમણે જણાવ્યું હતું કે, ગુજરાત દેશમાં એક મોડેલ રાજ્ય તરીકે ઉભરી આવ્યું છે. સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીઓફ ગુજરાતે પણ રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ-૨૦૨૦નો અમલ કરીને વિદ્યાર્થીઓના સંપૂર્ણ વ્યક્તિત્વને ઘડવાનું કામ કર્યું છે. વિદ્યાર્થીઓના સર્વાંગી વિકાસ માટે યુનિવર્સિટી દ્વારા કરવામાં આવી રહેલા પ્રયાસો ઉદાહરણીય છે. તેમણે વિદ્યાર્થીઓને કહ્યું કે, આપણે એકતા, સંકલ્પ અને આત્મવિશ્વાસના અદમ્ય પ્રતિક એવા લોખંડી પુરૂષ સરદાર વલ્લભભાઈ પટેલના જીવનમાંથી પ્રેરણા લઈ પડકારોનો આનંદપૂર્વક સ્વીકાર કરી જીવનમાં આગળ વધવું જોઈએ. તેમણે કહ્યું કે, હાલમાં ભારત અપાર સંભાવનાઓ ધરાવતો દેશ છે, આવી સ્થિતિમાં યુવાનોએ મોટા સપના જોવા જોઈએ જેથી વિકસિત રાષ્ટ્રનું સપનું જલ્દી સાકાર થઈ શકે. આ દરમિયાન કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાનેથી યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડો.હસમુખ અઢિયાએ જણાવ્યું હતું કે, ઉચ્ચ શિક્ષણ ક્ષેત્રે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ વિદ્યાર્થીઓના સર્વાંગી વ્યક્તિત્વના વિકાસમાં શિક્ષણ અને સંશોધન ક્ષેત્રે ઉત્કૃષ્ટ કામગીરી કરી છે.

૨૧CUG મેડલ સહિત ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓએ મેળવી પદવી

યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે પાંચમા દીક્ષાંત સમારોહમાં વિવિધ વિભાગોના વિદ્યાર્થીઓ અને ટોપર્સ સહિત ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવી હતી. માહિતી અનુસાર, સમારોહમાં વિવિધ વિષયોમાં શ્રેષ્ઠ પરિણામ મેળવનાર ૨૧ વિદ્યાર્થીઓને CUG મેડલ આપવામાં આવ્યા હતા. આ સાથે પોસ્ટ ગ્રેજ્યુએશનના અર્થશાસ્ત્રમાં પ્રતીપ એમ, શ્રીમતી વિદ્યા દેવી અગ્રવાલ સ્પોન્સર્ડ ગોલ્ડ મેડલ, પુસ્તકાલય અને માહિતી વિજ્ઞાનમાં કૃતિકા જૈનને શ્રીમતી શાંતા. કરિસિધપ્પા ગોલ્ડ મેડલ અને ગુજરાતી વિષયમાં ગોસ્વામી આવૃત્તિબેન ભરતપુરીને કવિ પિનાકીન ઠાકોર ગોલ્ડ મેડલ તથા સૌથી વધુ માર્કસ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને સીયુજી મેડલ આપવામાં આવ્યા હતા. તેમણે જણાવ્યું હતું કે સમારંભમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓને ચાઈનીઝ, ૧૦ જર્મન સ્ટડીઝ અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં ૫ વર્ષના ઈન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સમાં ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવી હતી. જ્યારે અનુસ્નાતકમાં કુલ ૧૮ વિષયના ૨૩૭ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી આપવામાં આવી હતી. સમારોહમાં ૩૨ અંડરગ્રેજ્યુએટ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક, ૧૯ એમફિલ અને ૪૭ પીએચડી સ્કોલર્સને ડિગ્રી આપવામાં આવી હતી.

૨૦૦૯ થી સતત પ્રગતિ સાથે, યુનિવર્સિટીએ પોતાને આંતરરાષ્ટ્રીય સ્તરે એક આદર્શ શૈક્ષણિક સંસ્થા તરીકે સ્થાપિત કરી છે. હાલમાં યુનિવર્સિટીમાં ૧૧ સ્કૂલ, ૨૨ વિભાગો અને ૯૨ પાઠ્યક્રમોમાં ૧૪૦૦ જેટલા વિદ્યાર્થીઓ અભ્યાસ કરી રહ્યા છે. સ્ટેનફોર્ડ યુનિવર્સિટી દ્વારા તાજેતરમાં બહાર પાડવામાં આવેલી વિશ્વના ટોચના ૨ ટકા વૈજ્ઞાનિકોની યાદીમાં વાઈસ ચાન્સેલર સહિત વિજ્ઞાન વિભાગનો પણ સમાવેશ કરવામાં આવ્યો છે. વિવિધ ક્ષેત્રોમાં યુનિવર્સિટીની ઉત્કૃષ્ટ કામગીરીને જોતા NAAC દ્વારા યુનિવર્સિટીને 'છ' ગ્રેડ પણ આપવામાં આવ્યો છે. તેમણે માહિતી આપી હતી કે યુનિવર્સિટીનું આગામી સત્ર વડોદરાના કુંધેલામાં નિર્માણાધીન કાયમી કેમ્પસથી શરૂ કરવામાં આવશે.

राज्य

Posted at: Dec 8 2022 [illegible]

देश के युवा वैश्विक मानकों को आकार देने में सक्षम: पंडित

गांधीनगर, 08 दिसम्बर (वार्ता) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने बुधवार को यहां कहा कि देश के युवा वैश्विक मानकों को आकार देने में सक्षम है।

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) के पांचवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. धूलिपुड़ी पंडित ने आज गुजरात के गांधीनगर में अपने संबोधन में कहा कि देश के युवाओं के लिए वर्तमान समय स्वर्णिम काल है। [illegible] और नवोन्मेष से लेकर शिक्षा के हर क्षेत्र में युवाओं का प्रतिशत बढ़ रहा है। देश के युवा न सिर्फ मजबूत राष्ट्र के निर्माण में अपना सृजनात्मक योगदान दे रहे हैं अपितु वैश्विक मानकों को भी आकार दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गुजरात देश में एक मॉडल स्टेट के तौर पर उभरा है। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू कर छात्रों के संपूर्ण व्यक्तित्व को सुदृढ़ करने का काम किया है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने छात्रों को कहा कि [illegible] और आत्मविश्वास [illegible] लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से चुनौतियों को सहर्ष स्वीकार कर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए। वर्तमान में भारत [illegible] देश है। [illegible] बड़े सपने देखने चाहिए ताकि विकसित राष्ट्र के स्वप्न को शीघ्र पूरा किया जा सके।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. हसमुख अढ़िया ने इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य कर विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास किया है। वर्ष 2009 से सतत प्रगति कर विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श शिक्षण संस्थान की पहचान कायम की है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 11 स्कूल, 22 केंद्र और 62 कार्यक्रमों में लगभग 1400 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। कुलपति [illegible] के शिक्षकों को हाल ही में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए गए विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में सूचीबद्ध भी किया गया है। विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए नैक द्वारा [illegible] ग्रेड मिला है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का अपना [illegible] में निर्माणाधीन स्थायी परिसर से शुरू किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे ने कहा कि पांचवें दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों के छात्र और टॉपर्स को मिलाकर 332 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। जानकारी के मुताबिक समारोह में विभिन्न विषयों के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने वाले 21 विद्यार्थियों को सीयूजी मेडल दिया गया।

इसके साथ ही स्नातकोत्तर के [illegible], पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान और गुजराती विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सीयूजी मेडल के साथ ही प्रायोजित स्वर्ण पदक क्रमशः प्रदीप एम को श्रीमती [illegible] देवी अग्रवाल, कृतिका जैन को श्रीमती शांता [illegible] और गोस्वामी [illegible] भारतपुरी को श्रीमती [illegible] दिनाकिन ठाकोर दिए गए।

उन्होंने बताया कि समारोह में स्नातक डिप्लोमा में [illegible], जर्मन स्टडीज में 10 और 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स इन [illegible] मैनेजमेंट में 13 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गई। वहीं स्नातकोत्तर में कुल 18 विषयों के 23[illegible] छात्र-छात्राओं को डिग्री दी गई। समारोह में स्नातक के 32, स्नातकोत्तर के 23[illegible], एमफिल के 16 और पीएचडी के 4[illegible] शोधार्थियों को डिग्री दी गई। वहीं स्नातक के रिटेल मैनेजमेंट में 13 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई।

अनिल, संजय

UNI Photo

NEW DELHI, DEC 20 (UNI):- Union Minister for Parliamentary Affairs, Coal and Mines Pralhad Joshi at the launch of the 9th Round of Commercial Coal Mine Auctions and Confer Star Rating Awards for Coal and Lignite Mines in New Delhi on Wednesday. UNI PHOTO 148U

Other Links

UNI (News Agency)
Indian News Agency

UNI-Urdu Service (News Agency)
Indian News Agency

UNI Mail

Newswrap

Newswrap1

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

202

Edexlive + Follow

Current period is golden period for country's youth: JNU vice-chancellor at CUG

pro@cug.ac.in
Public [illegible] Officer
Central University of Gujarat

The fifth convocation ceremony of Gujarat [illegible] University was held on December 8 in [illegible] Gujarat with JNU VC Santisree Pandit being the chief [illegible] the ceremony.

While speaking at the fifth convocation at the Central University of Gujarat Gandhinagar on [illegible] December 8 the Jawaharlal Nehru University (JNU) Vice-Chancellor Santisree Pandit said the contribution [illegible] youth towards the building of India as a strong nation and their involvement in shaping global standards [illegible] made the current times a golden period for them.

Passive Income Opportunity For India Citizens

The youth are making huge contribution [illegible] field of entrepreneurship and innovation [illegible] the need of the hour is that every higher education [illegible] measures to instill values and skills [illegible] their full growth, she was quoted as further saying [illegible] issued by the university.

Moreover, the Chancellor of the Central [illegible] of Gujarat Dr Hasmukh Adhia spoke [illegible] efforts made by the university in fostering all-round development [illegible] students in line with the objectives of the [illegible] Education Policy (NEP) 2020, reported [illegible]

The fifth convocation ceremony of Gujarat [illegible] University was held on December 8 in [illegible] Gujarat with JNU VC Santisree Pandit being the chief [illegible] the ceremony.

Over 330 students were awarded degrees [illegible] were conferred upon [illegible] students for [illegible] performance during the [illegible] added a [illegible] statement by the university.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

#National

Current period is golden period for country's youth: JNU vice chancellor

NewsDrum Desk

Follow Us

[illegible]nagar, Dec 8 (PTI) Jawaharlal Nehru [illegible] vice chancellor Shantishree Pandit [illegible] the contribution of the youth towards [illegible] of India as a strong nation and their [illegible] in shaping global standards [illegible] the current times a golden period [illegible]

She was speaking as chief guest at the [illegible] convocation at the Central University of Gujarat [illegible]nagar.

[illegible] youth are making huge contribution [illegible] entrepreneurship and innovation [illegible] need of the hour is that every higher education institute initiate measures to instill values [illegible] to ensure their full growth," she was quoted as further saying in a release issued by the university.

Chancellor of the Central University of Gujarat Dr Hasmukh Adhia spoke about the efforts made by the university in fostering all round development of students in line with the objectives of the National Education Policy.

Over 330 students were awarded degrees and medals were conferred upon 21 students for their distinctive performance during the function. PTI PD KRK

Subscribe to our Newsletter!

I'm not a robot

Subscribe Now

Latest Stories

14-year-old girl, out to attend nature's call, gang-raped in UP village

Top news headlines of

200

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

Current period is golden period for country's youth JNU vice chancellor

PTI

Gandhinagar, Dec 8 (PTI) Jawaharlal Nehru University vice-chancellor Shantishree Pandit on Friday said the contribution of the youth towards the building of India as a strong nation and their involvement in shaping global standards have made the current times a golden period for them.

She was speaking as chief guest at the fifth convocation at the Central University of Gujarat Gandhinagar.

The youth are making huge contribution to the field of entrepreneurship and innovation, therefore the need of the hour is that every higher education institute initiate measures to instill values and skills to ensure their full growth, she was quoted as further saying in a release issued by the university.

Chancellor of the Central University of Gujarat Dr Hasmukh Adhia spoke about the efforts made by the university in fostering all round development of students in line with the objectives of the National Education Policy.

Over 330 students were awarded degrees and medals were conferred upon 21 students for their distinctive performance during the function.

(This story has not been edited by THE WEEK and is auto-generated from PTI)

ALSO READ

MP shocker: Wrong treatment kills patient; Ayurveda doctor, staff dispose body in canal

Now, LLC issues legal notice to Sreesanth over Insta video against Gautam Gambhir

Noted Kannada actress Leelavathi dies at 85

Why IT services companies to continue with cost-cutting measures

ChatGPT's challenger is here! Everything you need to know about Google's Gemini AI

199

'INDIA WITNESSING SHIFT TOWARDS INCLUSIVITY'

JNU V-C calls PM Modi largest democracy's tallest spokesperson

EXPRESS NEWS SERVICE
AHMEDABAD, DECEMBER 8

MAINTAINING THAT India is witnessing a societal transformation and a shift towards inclusivity and diversity, Jawaharlal Nehru University Vice-Chancellor Santishree Dhulipudi Pandit on Friday hailed Prime Minister Narendra Modi for his "hold on Indian voters", for being the "tallest spokesperson for democracy" and his "authenticity".

Addressing 332 graduating students at the fifth convocation of the Central University of Gujarat (CUG) in Gandhinagar, Pandit said, "What you are expected to build is a holistic nation in 2047 through the Bharatiya narrative... Dream big, you are fortunate to be alive in an era, which defines modern day India... You are in a period where (there is) no elected leader in a democracy today (who) can match the popularity of the Indian Prime Minister."

"...If authenticity is what some leaders lack even as they seek eternal mandate, PM Modi has it in abundance. That is what adds to the aura of democracy and he has become the world's largest democracy's tallest spokesperson. Modi is the stark turn of India's accelerating global engagement, beguiled by his charismatic leadership and even more of his hold on the Indian voters... he has become a phenomenon..."

Pandit further said, "Much before the Magna Carta, you had Uttaramerur inscription of 800 years, which is from the Cholas. So, when you dream big, dream big like this leader (Modi), all of you might become leaders like him tomorrow... We are no longer rule-shapers, we are rule-makers and you – the youth of today – will be the ones that will reap the benefits of Amritkaal or a Viksit Bharat in 2047."

Pandit went on to urge the students to embrace the "diverse and inclusive India that Sardar Patel envisioned". "You are born in a country witnessing not just material developments but also a cultural renaissance. We are becoming more mindful of our culture and history. Remember 'mother of democracy' is not just a phrase but a fitting description of India's contribution to the world. We are seeing a societal transformation in India and a remarkable shift towards inclusivity and diversity."

He added: "Once confined to the sidelines, women are leading in various sectors, including the military, business, politics and administration. The clarion call given by our PM... for women's emancipation and empowerment, and women-led development, is not just about development. This is a paradigm shift and did not happen overnight. Witnessing such progress took almost a decade..."

"It is not the West that has taught us feminism, India is a feminist civilisation. Draupadi is the first feminist... In Gujarat, you celebrate Dussehra and it is the celebration of feminine energy, the victory of the feminine over evil. So, this was a civilisation, which was always feminist," Pandit said.

CUG Chancellor Hasmukh Adhia, meanwhile, advised students to instill in themselves a sense of nationalism to be successful in life. "Have love for your country. Never talk ill of our country and try to improve it without complaining. Have some sense of nationalism," he said.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

198

સેન્ટ્રલ યુનિ.ના કોન્વોકેશનમાં ૩૩૨ને પદવી, ૨૧ સ્ટુડન્ટને મેડલ

અમદાવાદ, શુક્રવાર

ગાંધીનગરમાં આવેલી કેન્દ્ર સરકાર હસ્તકની સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતનો આજે પાંચમો વાર્ષિક પદવીદાન સમારોહ યોજાયો હતો. જેમાં મુખ્ય મહેમાન તરીકે ઉપસ્થિત રહેલા જવાહરલાલ નહેરુ યુનિ.ના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિતે જણાવ્યુ હતું કે યુવાનોએ અપાર સંભાવનાઓવાળા દેશમાં મોટા સપના જોવા જોઈએ. જેથી વિકસિત રાષ્ટ્રનું સપનું જલ્દી સાકાર થઈ શકે. યુનિ.ના અધ્યક્ષસ્થાને કુલાધિપતિ ડૉ. હસમુખ અઢિયા ઉપસ્થિત રહ્યા હતા અને યુનિ.ના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ પ્રાસંગિક પ્રવચન કર્યુ હતું. આ વર્ષે વિવિધ વિભાગોના ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરવામા આવી છે. પીજીમાં ૧૮ વિષયના ૨૩૭ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી અપાઈ છે. ૩૨ યુજી, ૨૩૭ પીજી તથા ૧૬ એમફીલ અને ૪૭ પીએચડી ડિગ્રી અપાઈ હતી. ૯ વિદ્યાર્થીને ચાઈનીઝ અને ૧૦ને જર્મન સ્ટડીઝ અને ૧૩ વિદ્યાર્થીને સમાજિક વ્યવસ્થાપનમાં ફાઈવ યર ઈન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી અપાઈ હતી. જ્યારે કુલ ૨૧ વિદ્યાર્થીને સીયુજી મેડલ અપાયા હતા.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

197

આજનો યુવા વૈશ્વિક મૂલ્યોને ઘડવા સક્ષમ : પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત

ગુજરાત કેન્દ્રીય વિદ્યાલયના પાંચમા દીક્ષાંત સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ પદે જેએનયુના કુલપતિ ઉપસ્થિત રહ્યાં : દીક્ષાંત સમારોહમાં ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓએ પદવી પ્રાપ્ત કરી : યુનિવર્સિટીનું આગામી સત્ર વડોદરાના કુંઢેલામાં નિર્માણાધીન કાયમી કેમ્પસમાં શરૂ થશે : કુલાધિપતિ હસમુખ અઢિયા

ગાંધીનગર, તા.૦૮

વર્તમાન સમય દેશના યુવાનો માટે સુવર્ણકાળ છે. ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવીનતાથી લઈને શિક્ષણ સુધી દરેક ક્ષેત્રમાં યુવાનોની ટકાવારી વધી રહી છે. દેશના યુવાનો માત્ર એક મજબૂત રાષ્ટ્રના નિર્માણમાં તેમનું સર્જનાત્મક યોગદાન નથી આપી રહ્યા પરંતુ વૈશ્વિક ધોરણોને પણ આકાર આપી રહ્યા છે. આ કહેવું છે જવાહરલાલ નેહરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિતનું. શુક્રવારે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીઓફ ગુજરાતના પાંચમા દીક્ષાંત સમારોહને મુખ્ય અતિથિ તરીકે સંબોધતા તેમણે જણાવ્યું હતું કે, ગુજરાત દેશમાં એક મૉડેલ રાજ્ય તરીકે ઉભર્યું આવ્યું છે. સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીઓફ ગુજરાતે પણ રાષ્ટ્રીય શિક્ષણ નીતિ-૨૦૨૦નો અમલ કરીને વિદ્યાર્થીઓના સંપૂર્ણ વ્યક્તિત્વને ઘડવાનું કામ કર્યું છે. વિદ્યાર્થીઓના સર્વાંગી વિકાસ માટે યુનિવર્સિટી દ્વારા કરવામાં આવી રહેલા પ્રયાસો ઉદાહરણીય છે. તેમણે વિદ્યાર્થીઓને કહ્યું કે, આપણે એકતા, સંકલ્પ અને આત્મવિશ્વાસના અદમ્ય પ્રતિક એવા લોખંડી પુરુષ સરદાર વલ્લભભાઈ પટેલના જીવનમાંથી પ્રેરણા લઈ પડકારોનો આનંદપૂર્વક સ્વીકાર કરી જીવનમાં આગળ વધવું જોઈએ. તેમણે કહ્યું કે, હાલમાં ભારત અપાર સંભાવનાઓ ધરાવતો દેશ છે, આવી સ્થિતિમાં યુવાનોએ મોટા સપના જોવા જોઈએ જેથી વિકસિત રાષ્ટ્રનું સપનું જલ્દી સાકાર થઈ શકે. આ દરમિયાન કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાનેથી યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડો.હસમુખ અઢિયાએ જણાવ્યું હતું કે, ઉચ્ચ શિક્ષણ ક્ષેત્રે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીએ વિદ્યાર્થીઓના સર્વાંગી વ્યક્તિત્વના વિકાસમાં શિક્ષણ અને સંશોધન ક્ષેત્રે ઉત્કૃષ્ટ કામગીરી કરી છે.

૨૧ CUG મેડલ સહિત ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓએ મેળવી પદવી

યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે પાંચમા દીક્ષાંત સમારોહમાં વિવિધ વિભાગોના વિદ્યાર્થીઓ અને ટોપર્સ સહિત ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવી હતી. માહિતી અનુસાર, સમારોહમાં વિવિધ વિષયોમાં શ્રેષ્ઠ પરિણામ મેળવનાર ૨૧ વિદ્યાર્થીઓને CUG મેડલ આપવામાં આવ્યા હતા. આ સાથે પોસ્ટ ગ્રેજ્યુએશનના અર્થશાસ્ત્રમાં પ્રતીપ એમ, શ્રીમતી વિદ્યા દેવી અગ્રવાલ સ્પોન્સર્ડ ગોલ્ડ મેડલ, પુસ્તકાલય અને માહિતી વિજ્ઞાનમાં કૃતિકા જૈનને શ્રીમતી શાંતા. કરિસિધપ્પા ગોલ્ડ મેડલ અને ગુજરાતી વિષયમાં ગોસ્વામી આવૃત્તિબેન ભરતપુરીને કવિ પિનાકીન ઠાકોર ગોલ્ડ મેડલ તથા સૌથી વધુ માર્ક્સ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને સીયુજી મેડલ આપવામાં આવ્યા હતા. તેમણે જણાવ્યું હતું કે સમારંભમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓને ચાઈનીઝ, ૧૦ જર્મન સ્ટડીઝ અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં ૫ વર્ષના ઇન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સમાં ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવી હતી. જ્યારે અનુસ્નાતકમાં કુલ ૧૮ વિષયના ૨૩૭ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી આપવામાં આવી હતી. સમારોહમાં ૩૨ અંડરગ્રેજ્યુએટ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક, ૧૬ એમફિલ અને ૪૭ પીએચડી સ્કોલર્સને ડિગ્રી આપવામાં આવી હતી.

૨૦૦૯ થી સતત પ્રગતિ સાથે, યુનિવર્સિટીએ પોતાને આંતરરાષ્ટ્રીય સ્તરે એક આદર્શ શૈક્ષણિક સંસ્થા તરીકે સ્થાપિત કરી છે. હાલમાં યુનિવર્સિટીમાં ૧૧ સ્કૂલ, ૨૨ વિભાગો અને ૬૨ પાઠ્યક્રમોમાં ૧૪૦૦ જેટલા વિદ્યાર્થીઓ અભ્યાસ કરી રહ્યા છે. સ્ટેનફોર્ડ યુનિવર્સિટી દ્વારા તાજેતરમાં બહાર પાડવામાં આવેલી વિશ્વના ટોચના ૨ ટકા વૈજ્ઞાનિકોની યાદીમાં વાઈસ ચાન્સેલર સહિત વિજ્ઞાન વિભાગનો પણ સમાવેશ કરવામાં આવ્યો છે. વિવિધ ક્ષેત્રોમાં યુનિવર્સિટીની ઉત્કૃષ્ટ કામગીરીને જોતા NAAC દ્વારા યુનિવર્સિટીને 'છ' ગ્રેડ પણ આપવામાં આવ્યો છે. તેમણે માહિતી આપી હતી કે યુનિવર્સિટીનું આગામી સત્ર વડોદરાના કુંઢેલામાં નિર્માણાધીન કાયમી કેમ્પસથી શરૂ કરવામાં આવશે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

196

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

राजस्थान पत्रिका

પત્રિકા

patrika.com
/rajasthanpatrika
/rpbreakingnews
/rajasthan_patrika

जेएनयू की कुलपति होंगी मुख्य अतिथि

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय का पांचवां दीक्षांत समारोह कल

अहमदाबाद @ पत्रिका. गांधीनगर स्थित गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) का पांचवां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को आयोजित होगा। विवि परिसर में आयोजित होने वाले इस समारोह में इसमें 332 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। 21 छात्र-छात्राओं को सीयूजी मेडल भी प्रदान किया जाएगा। सीयूजी कैंपस में बुधवार को कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने बताया कि दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति प्रो. शांतिश्री धुलिपुडी मौजूद रहेंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. हसमुख अढिया करेंगे। स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी समेत सभी पाठ्यक्रमों के छात्र और छात्राएं शामिल होंगी। इसमें स्नातक के 32, स्नातकोत्तर के 237, एमफिल के 16 और पीएचडी के 4[illegible] शोधार्थियों को डिग्री दी जाएगी।

.ac.in
अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

195

BENNETT, COLEMAN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | VOL. 56 NO. 286 AHMEDABAD | THURSDAY, DECEMBER 7, 2023 | PAGES 22* | PRICE ₹4.00

THE TIMES OF INDIA

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

* Inclusive of Ahmedabad Times (For Ahmedabad and Gandhinagar Cities Only)

To advertise with us, call 1800 120 5474 | To order your copy, call 1800 120 0004 toll free or visit- subscribe.timesgroup.com

ITALY WITHDRAWS FROM CHINA'S VAST BELT AND ROAD INFRASTRUCTURE INITIATIVE 16

RAVI BISHNOI BECOMES NEW TOP-RANKED BOWLER IN MEN'S T20I RANKINGS 17

CHINA SAYS ITS FIGHTERS SHADOWED US NAVY PATROL PLANE OVER TAIWAN STRAIT 16

332 students to get degrees

Gandhinagar: The fifth convocation ceremony of Gujarat Central University will be held on December 8 in Gandhinagar, an official statement said on Wednesday.

A total of 332 students will be conferred with degrees at the ceremony. Twenty one meritorious students will also receive Gujarat Central University medals. Santishree Dhulipudi Pandit, the current vice-chancellor of Jawaharlal Nehru University in New Delhi, will be chief guest of the convocation ceremony, the statement said. TNN

Central University of Gujarat

સાંધ્ય દૈનિક
સૂર્યકાલ
SURYAKAL DAILY

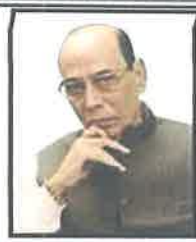
આદ્ય તંત્રી - જગદીશ દવે

RNI NO : 65752/97, REGD.NO.GAMC 1227/2021-2023, Valid upto Dec./2021-2023, Daily, Posted at Ahmedabad RMS/2

સ્થાપક તંત્રી - જગદીશ દવે, તંત્રી-અજય દવે ★ સંવત ૨૦૮૦ શકે ૧૯૪૪ ★ કારતક વદ-૧૦ ★ Vol.27, Issue- 233, Page-8, Suryakal Daily, Thursday, Dt.7, December, 2023, Price (Rs.) 00.70

Printer, Publisher and Editor : DAVE AJAY JAGDISHKUMAR and Printed at Suryakal Offset, 11/B, Hemkoot Building, Near Nehru Bridge, Ashram Road, AHMEDABAD - 380 009 and Place of Publication : 910, Hemkoot Building, Near Nehru Bridge, Ashram Road, AHMEDABAD - 380 009. Ph./Fax : 079-48900848 Mo. 98253 12121, E-mail: suryakal@yahoo.com, suryakaljay@gmail.com , www.suryakal.co.in

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. ૮મી ડિસેમ્બરના રોજ ગાંધીનગર ખાતે યોજાશે

અમદાવાદ, ગુરુવાર

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી, ગાંધીનગરનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. ૮મી ડિસેમ્બર,૨૦૨૩ના રોજ યોજાશે જેની વિગતો આપતા ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે, યુનિવર્સિટીના અંડરગ્રેજ્યુએટ, અનુસ્નાતક, એમ.ફિલ અને પી.એચ.ડી સહિતના કુલ ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરાશે. જેમાં ૩૨ સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૧૯ એમ.ફીલ વિદ્યાર્થીઓ અને ૪૭ પી.એચ.ડી વિદ્વાનોનો સમાવેશ થાય છે. તેમજ બી.એ ચાઈનીઝમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓને, ૧૦ વિદ્યાર્થીઓને જર્મન સ્ટડીઝમાં અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં પાંચ વર્ષના ઈન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સ માટે ડિગ્રી એનાયત કરાશે. તેમણે વધુમાં જણાવ્યું હતું કે, પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા કરશે જ્યારે મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત દ્વારા ડીગ્રી એનાયત કરાશે.

અત્રે ઉલ્લેખનીય છે કે, શ્રેષ્ઠ પરિણામ મેળવનાર કુલ ૨૧ વિદ્યાર્થીઓને ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી મેડલ એનાયત કરાશે. તેમજ શ્રીમતી વિદ્યા દેવી અગ્રવાલ, શ્રીમતી શાંતા કરિસિધપ્પા અને કવિશ્રી પિનાકિન ઠાકોર દ્વારા પ્રાયોજિત ગોલ્ડ મેડલ અર્થશાસ્ત્ર, પુસ્તકાલય અને માહિતી વિજ્ઞાન અને પોસ્ટના ગુજરાતી વિષયમાં સૌથી વધુ ગુણ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને પણ મેડલ એનાયત કરાશે.

Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

193

તંત્રી:અશોક ડી.રાવલ
❖ સહતંત્રી:નયના એ.રાવલ
❖ મો.:૯૪૦૯૪૨૩૮૨૬
❖ વર્ષ:૧૮ ❖ અંક:૩૭
❖ તા.૦૭.૧૨.૨૩
❖ ગુરૂવાર ❖ કિંમત:૧/- ₹
❖ વા.લવાજમ:૫૦/- ₹
❖ પાના:૪
RNI No.: GUJGUJ/2012/43539

Since 1993

નોર્થ ન્યુઝ

Weekly

Verification Code: GUJGUJ/3854

Email:north.news@yahoo.in

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

OFFLINE - ONLINE
"RENEET PHASE-2
BATCH START FROM
1ST AUGUST"
CALL: 9727276002 | 9712346002
ADDRESS: 210, KISHOR INSTITUTE SECTOR-4 | BRANCH: SECTOR-22

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. ૮મી ડિસેમ્બરના રોજ ગાંધીનગર ખાતે યોજાશે: કુલ ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહમાં ડિગ્રી એનાયત કરાશે

નોર્થન્યુઝ, તા.૦૬

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી, ગાંધીનગરનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. ૮મી ડિસેમ્બર,૨૦૨૩ના રોજ યોજાશે જેની વિગતો આપતા ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે, યુનિવર્સિટીના અંડરગ્રેજયુએટ, અનુસ્નાતક, એમ.ફિલ અને પી.એચ.ડી સહિતના કુલ ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરાશે. જેમાં ૩૨ સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૧૬ એમ.ફીલ વિદ્યાર્થીઓ અને ૪૭ પી.એચ.ડી

વિદ્વાનોનો સમાવેશ થાય છે. તેમજ બી.એ ચાઈનીઝમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓને, ૧૦ વિદ્યાર્થીઓને જર્મન સ્ટડીઝમાં અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં પાંચ વર્ષના ઈન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સ માટે ડિગ્રી એનાયત કરાશે.

તેમણે વધુમાં જણાવ્યું હતું કે, પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ પ્રો.હસમુખ અઢિયા કરશે જ્યારે મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત દ્વારા ડીગ્રી એનાયત કરાશે.

૨૧ વિદ્યાર્થીઓને 'ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી મેડલ' એનાયત કરાશે

અત્રે ઉલ્લેખનીય છે કે, શ્રેષ્ઠ પરિણામ મેળવનાર કુલ ૨૧ વિદ્યાર્થીઓને ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી મેડલ એનાયત કરાશે. તેમજ શ્રીમતી વિદ્યા દેવી અગ્રવાલ, શ્રીમતી શાંતા કરિસિદ્દપ્પા અને કવિશ્રી પિનાકિન ઠાકોર દ્વારા પ્રાયોજિત ગોલ્ડ મેડલ અર્થશાસ્ત્ર, પુસ્તકાલય અને માહિતી વિજ્ઞાન અને પોસ્ટના ગુજરાતી વિષયમાં સૌથી વધુ ગુણ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને પણ મેડલ એનાયત કરાશે.

પત્રકાર પરિષદમાં ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબે સહીત પ્રાધ્યાપકો અને વિદ્યાર્થીઓ પણ હાજર રહ્યા હતા.

સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત તેમજ અધ્યક્ષ તરીકે યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા ઉપસ્થિત રહેશે

192

UNI
BREVITY ACCURACY SPEED
यूनीवार्ता
भारत की अग्रणी संवाद समिति

Thursday, Dec 7 2023 | Time 00:04 Hrs(IST)

191

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

राज्य

Posted at: Dec 6 2023 9:55PM

गुजरात केन्द्रीय विवि में मिलेगी 332 विद्यार्थियों को डिग्री

गांधीनगर, 06 दिसंबर (वार्ता) गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आठ दिसंबर को पांचवें दीक्षांत समारोह में 332 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी।

गांधीनगर सेक्टर- 29 स्थित गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) कैम्पस में बुधवार को कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने जानकारी दी कि दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी समेत सभी कोर्सेज के छात्र और छात्राएं शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह में स्नातक के 32, स्नातकोत्तर के 237, एमफिल के 16 और पीएचडी के 47 शोधार्थियों को डिग्री दी जाएगी। आठ दिसंबर शुक्रवार को होने वाले विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित के हाथों डिग्रियां दी जाएंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. हसमुख अढिया करेंगे।

Thursday
07.12.2023
✱Volume :8 ✱ Issue No.134
✱Email.: kamalamgujarat@gmail.com
✱www.kamalamgujarat.com
✱Editor :Mahesh N. Patel:- (98249 10606)

વિશ્વાસથી વિકાસ યાત્રા

ગતિશીલ ગુજરાત ની વિકાસ ગાથા રજૂ કરતું એકમાત્ર અખબાર...

વંદે માતરમ્

કમલમ્

KAMALAM

ગાંધીનગર થી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક

Daily

RNI No.:GUJGUJ/2016/73451
PRINTED MATTER

To,

✱Managing Editor: Arjun Sondarva ✱Office: A-3, Plot No. R - 13, Tanishq Complex, New Greencity, Sector-26, Gandhinagar (Gujarat) 382028 ✱Page :04✱Rs. 00.25/- ✱Annual Rs. 90/-

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. ૮મી ડિસેમ્બરના રોજ ગાંધીનગર ખાતે યોજાશે

કુલ ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહમાં ડિગ્રી એનાયત કરાશે

૨૧ વિદ્યાર્થીઓને 'ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી મેડલ' એનાયત કરાશે

કમલમ્ ન્યૂઝ,

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી, ગાંધીનગરનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. ૮મી ડિસેમ્બર,૨૦૨૩ના રોજ યોજાશે જેની વિગતો આપતા ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે, યુનિવર્સિટીના અંડરગ્રેજ્યુએટ, અનુસ્નાતક, એમ.ફિલ અને પી.એચ.ડી સહિતના કુલ ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરાશે. જેમાં ૩૨ સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૧૯ એમ.ફીલ વિદ્યાર્થીઓ અને ૪૭ પી.એચ.ડી વિદ્વાનોનો સમાવેશ થાય છે. તેમજ બી.એ ચાઈનીઝમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓને, ૧૦ વિદ્યાર્થીઓને જર્મન સ્ટડીઝમાં અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક

સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત તેમજ અધ્યક્ષ તરીકે યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડો. હસમુખ અઢિયા ઉપસ્થિત રહેશે

વ્યવસ્થાપનમાં પાંચ વર્ષના ઈન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સ માટે ડિગ્રી એનાયત કરાશે. તેમણે વધુમાં જણાવ્યું હતું કે, પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડો.હસમુખ અઢિયા કરશે જ્યારે મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત દ્વારા ડીગ્રી એનાયત કરાશે. અત્રે ઉલ્લેખનીય છે કે, શ્રેષ્ઠ પરિણામ મેળવનાર કુલ ૨૧ વિદ્યાર્થીઓને ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી મેડલ એનાયત કરાશે. તેમજ શ્રીમતી વિદ્યા દેવી અગ્રવાલ, શ્રીમતી શાંતા કરિસિપપ્પા અને કવિશ્રી પિનાકિન ઠાકોર દ્વારા પ્રાયોજિત ગોલ્ડ મેડલ અર્થશાસ્ત્ર, પુસ્તકાલય અને માહિતી વિજ્ઞાન અને પોસ્ટના ગુજરાતી વિષયમાં સૌથી વધુ ગુણ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને પણ મેડલ એનાયત કરાશે. પત્રકાર પરિષદમાં ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબે સહીત પ્રાધ્યાપકો અને વિદ્યાર્થીઓ પણ હાજર રહ્યા હતા.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

190

અમદાવાદથી પ્રગટ થતું ગુજરાતનું લોકપ્રિય દૈનિક

ન્યૂઝ લાઈન સીધા સમાચાર

RNI NO.: 63875/96

E-mail : newslinesidhasamachar@yahoo.co.in

વાચકોએ નોંધ લેવી કે કોઈપણ જાહેરખબરમાં જણાવેલી માહિતીની સત્યતા બાબતે અમારી કોઈ જવાબદારી રહેતી નથી. વાચકોએ પૂરતી ચકાસણી કરી યોગ્ય નિર્ણય લેવા વિનંતી.
● લિ. જાહેરખબર મેનેજર
ફોનઃ 93280 29084

વર્ષ : ૨૫ ● અંક : ૩૧૩ ● તા.૭ ડિસેમ્બર ૨૦૨૩, ગુરૂવાર ● વિ.સં.-૨૦૮૦, કારતક વદ-૧૦ ● પાના - ૪ ● કિંમત : ૧-૦૦ રૂ. ● તંત્રી : નિરાલીબેન સુરેન્દ્રસિંહ રાજપૂત ● એફ-૪, વિશાલ કોમર્શિયલ સેન્ટર, દિનેશ હોલ પાસે, ઈન્કમટેક્ષ, આશ્રમરોડ, અમદાવાદ-૩૮૦૦૦૯, Ph.-26585115

સીયુજીના દિક્ષાંત સમારોહમાં ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને પદવી એનાયત કરાશે

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

ગાંધીનગર તા. ૦૬

ગાંધીનગર ખાતે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં તા. ૮મી ડિસેમ્બરના રોજ પાંચમા દિક્ષાંત સમારોહનું આયોજન કરવામાં આવેલ છે. આ દિક્ષાંત સમારોહમાં ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને પદવી એનાયત કરવામાં આવશે, એમ ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ રમાશંકર દુબેએ પત્રકાર પરિષદમાં જણાવ્યુ હતુ.

ગાંધીનગરના સેક્ટર-૨૯ ખાતે આવેલ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં આગામી શુક્રવારે આયોજીત પદવી એનાયત સમારોહમાં અન્ડર ગ્રેજ્યુએટ, અનુસ્નાતક, એમ.ફીલ અને પી.એચ.ડી. સહિતના વિદ્યાર્થીઓ ભાગ લેવાના છે. જેમાં ૩૨ સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૧૬ એમ.ફીલના વિદ્યાર્થીઓ અને ૮૭ પીએચડી સ્કોલરને ડિગ્રી આપવામાં આવશે. આ દિક્ષાંત સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરૂ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપડી પંડિત દ્વારા ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવશે. આ સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ. હસમુખ અઢીયા કરશે. આ સમારોહમાં શ્રેષ્ઠ પરિણામ મેળવનાર એકત્રીસ વિદ્યાર્થીઓને સી.યુ.જી. મેડલ એનાયત કરવામાં આવશે. વિદ્યાદેવી અગ્રવાલ, શાંતા ક્રિશ્નપ્પા અને કવિ પિનાકીન ઠાકોર દ્વારા પ્રાયોજીત ગોલ્ડ મેડલ અર્થશાસ્ત્ર, પુસ્તકાલય અને માહિતી વિજ્ઞાન તેમજ પોસ્ટના ગુજરાતી વિષયમાં સૌથી વધુ ગુણ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને આપવામાં આવશે. તેમણે જણાવ્યુ હતું કે, સમારંભમાં બી.એ. ચાઈનીઝમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓ, ૧૦ ને જર્મન સ્ટડીઝમાં અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજીક વ્યવસ્થાપનમાં પાંચ વર્ષના ઈન્ટીગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સમાં ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવશે. જ્યારે પોસ્ટ ગ્રેજ્યુએશનમાં ૧૮ વિષયના કુલ-૨૩૭ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી આપવામાં આવશે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

164

188

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. 8મી ડિસેમ્બરના રોજ ગાંધીનગર ખાતે યોજાશે: કુલ 332 વિદ્યાર્થીઓને પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહમાં ડિગ્રી એનાયત કરાશે

સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત તેમજ અધ્યક્ષ તરીકે યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા ઉપસ્થિત રહેશે

Posted On: 06 DEC 2023 4:36PM by PIB Ahmedabad

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી, ગાંધીનગરનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. 8મી ડિસેમ્બર, 2023ના રોજ યોજાશે જેની વિગતો આપતા ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે, યુનિવર્સિટીના અંડરગ્રેજ્યુએટ, અનુસ્નાતક, એમ.ફિલ અને પી.એચ.ડી સહિતના કુલ 332 વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરાશે. જેમાં 32 સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, 237 અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, 16 એમ.ફીલ [illegible]ઓ અને 47 પી.એચ.ડી વિદ્વાનોનો સમાવેશ થાય છે તેમજ બી.એ ચાઈનીઝમાં 9 વિદ્યાર્થીઓને, 10 વિદ્યાર્થીઓને જર્મન સ્ટડીઝમાં અને 13 વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં પાંચ વર્ષના ઇન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સ માટે ડિગ્રી એનાયત કરાશે.

તેમણે વધુમાં જણાવ્યું હતું કે, પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા કરશે જ્યારે મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત દ્વારા ડિગ્રી એનાયત કરાશે

અત્રે ઉલ્લેખનીય છે કે, શ્રેષ્ઠ પરિણામ મેળવનાર કુલ 21 વિદ્યાર્થીઓને ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી મેડલ એનાયત કરાશે. તેમજ શ્રીમતી વિદ્યા દેવી અગ્રવાલ, શ્રીમતી શાંતા કરિસિયપ્પા અને કવિશ્રી પિનાકિન ઠાકોર દ્વારા પ્રાયોજિત ગોલ્ડ મેડલ અર્થશાસ્ત્ર, પુસ્તકાલય અને માહિતી વિજ્ઞાન અને પોસ્ટના ગુજરાતી વિષયમાં સૌથી વધુ ગુણ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને પણ મેડલ એનાયત કરાશે.

CP GP JD

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष : 44 | अंक : 216 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका, साथ हमारा...

समाचार जगत

www.samacharjagat.com

गुरुवार

जयपुर, 7 दिसम्बर 2023, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष दशमी संवत् 2080

@ पृष्ठ 8 पर

सीयूजी के पांचवें दीक्षांत समारोह में 332 छात्र-छात्राओं को मिलेगी उपाधि

21 विद्यार्थियों को मिलेगा सीयूजी मेडल

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 8 दिसंबर को होने वाले पांचवें दीक्षांत समारोह में 332 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। इसमें विभिन्न संकायों के छात्रों और टॉपर्स को मिलाकर यह डिग्री दी जाएगी। बुधवार को सेक्टर- 29 स्थित सीयूजी कैम्पस में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी समेत सभी कोर्सेज के छात्र और छात्राएं शामिल होंगे। प्रो. दुबे ने बताया कि दीक्षांत समारोह में स्नातक के 32, स्नातकोत्तर के 237, एमफिल के 16 और पीएचडी के 47 शोधार्थियों को डिग्री दी जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी शुक्रवार, 8 दिसंबर को होने वाले विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुडी पंडित के हाथों डिग्रियां दी जाएंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. हसमुख अढिया करेंगे।

जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

187

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

जयपुर, 6 दिसम्बर - 12 दिसम्बर, 2023

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

मार्गशीर्ष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - नवमी , संवत 2080 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-9, अंक-41, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

सीयूजी के पांचवें दीक्षांत समारोह : 21 विद्यार्थियों को मिलेगा सीयूजी मेडल

332 छात्र-छात्राओं को मिलेगी उपाधि

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गांधीनगर। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 8 दिसंबर को होने वाले पांचवें दीक्षांत समारोह में 332 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। इसमें विभिन्न संकायों के छात्रों और टॉपर्स को मिलाकर यह डिग्री दी जाएगी। बुधवार को सेक्टर- 29 स्थित सीयूजी कैम्पस में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी समेत सभी कोर्सेज के छात्र और छात्राएं शामिल होंगे। प्रो. दूबे ने बताया कि दीक्षांत समारोह में स्नातक के 32, स्नातकोत्तर के 237, एमफिल के 16 और पीएचडी के 47 शोधार्थियों को डिग्री दी जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी शुक्रवार, 8 दिसंबर को होने वाले विवि के पांचवें दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित किया जाएगा। समारोह में विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि जवाहर लाल नेहरू विवि की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुडी पंडित के हाथों डिग्रियां दी जाएंगी। समारोह की अध्यक्षता विवि के कुलाधिपति डॉ. हसमुख अढ़िया करेंगे।

सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने वाले 21 विद्यार्थियों को मिलेगा सीयूजी पदक

उल्लेखनीय है कि समारोह में विभिन्न विषयों के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सीयूजी मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही स्नातकोत्तर के अर्थशास्त्र, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान और गुजराती विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सीयूजी मेडल के साथ ही प्रायोजित स्वर्ण पदक क्रमशः विद्या देवी अग्रवाल, शांता करीसिद्दप्पा और कवियत्री पिनाकिन ठाकोर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि समारोह में स्नातक के तौर चाइनीज में 9, जर्मन स्टडीज में 10 और 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स इन सोशल मैनेजमेंट में 13 विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएगी। वहीं स्नातकोत्तर में कुल 18 विषयों के कुल 237 छात्र-छात्राओं को डिग्री दी जाएगी।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

71

સુવિચાર
અતિતમાં રહીને નવી શરૂઆત ન થઈ શકે. નવી શરૂઆતથી ઈતિહાસ લખી શકાય છે.

દિવ્ય ભાસ્કર
સાચી વાત બેધડક

ધર્મ દર્શન
આજની પૂર્તિ

કુલ પાનાં 28 (ધર્મદર્શન)

કિંમત ₹ 5.00, વર્ષ 21, અંક 194, મહાનગર

ભાસ્કર સીરિઝ-1

અમદાવાદ, ગુરુવાર, 7 ડિસેમ્બર, 2023 | ગુજરાત | કારતક વદ - 10, વિક્રમ સંવત 2080 | 12 રાજ્ય | 61 સંસ્કરણ

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના 332 વિદ્યાર્થીને વિવિધ પદવી એનાયત કરવામાં આવશે

સ્નાતક, અનુસ્નાતક, પી.એચ.ડી સહિત સ્કોલર વિદ્યાર્થીનો સમાવેશ

ભાસ્કર ન્યૂઝ | ગાંધીનગર

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના 332 વિદ્યાર્થીઓને સ્નાતક, અનુસ્નાતક અને પીએચડીની પદવી તારીખ 8મી, ડિસેમ્બરના રોજ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત, સેક્ટર-29 ખાતે એનાયત કરવામાં આવશે. તેમાં શ્રેષ્ઠ પરિણામ હાંસલ કરનાર 21 વિદ્યાર્થીઓને સીયુજી મેડલ એનાયત કરવામાં આવશે. વિદ્યાર્થીઓને પદવી એનાયત જવાહરલાલ નહેરૂ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી પુલીપુડી પંડિતના હસ્તે કરવામાં આવશે.

નગરના સેક્ટર-29માં આવેલી સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં સ્નાતક, અનુસ્નાતક અને પીએચડી સહિતના અભ્યાસક્રમો ચલાવવામાં આવે છે. તેમાં અભ્યાસ કરતા વિદ્યાર્થીઓને પદવી એનાયત કર્યા બાદ તેઓને પદવી એનયાતનો કાર્યક્રમ તારીખ 8મી, ડિસેમ્બરના રોજ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાત, સેક્ટર-29ના કેમ્પસમાં યોજવામાં આવશે. તેમાં જવાહરલાલ નહેરૂ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી પુલીપુડી પંડિત ઉપસ્થિત રહીને વિદ્યાર્થીઓને પદવી એનાયત કરશે.

દીક્ષાંત સમારોહમાં 32 સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, 237 અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, 16 એમફીલ વિદ્યાર્થીઓ, 47 પીએચડી સ્કોલર વિદ્યાર્થીઓને પદવી એનાયત કરવામાં આવનાર છે. જ્યારે શ્રેષ્ઠ પરિણામ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને સીયુજી મેડલ એનાયત કરવામાં આવનાર છે. તેમાં સીયુજી મેડલ તેમજ વિદ્યાદેવી અગ્રવાલ, શાંતા કરિસિપપ્પા અને કવિ પિનાકિન ઠાકોર દ્વારા પ્રાયોજિત ગોલ્ડ મેડલ અર્થશાસ્ત્ર, પુસ્તકાલય અને માહિતી વિજ્ઞાન અને પોસ્ટના ગુજરાતી વિષયમાં સૌથી વધુ ગુણ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને આપવામાં આવશે. કાર્યક્રમમાં બીએ ચાઈનીઝમાં 9 વિદ્યાર્થીઓ, જર્મન સ્ટીઝમાં દસ વિદ્યાર્થીઓ, સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં 13 વિદ્યાર્થીઓ અને પાંચ વર્ષના ઈન્ટીગ્રેડ ડિગ્રી કોર્ષમાં પદવી એનાયત કરવામાં આવશે. જ્યારે પોસ્ટ ગ્રેજ્યુએશનમાં 18 વિષયના કુલ-237 વિદ્યાર્થીઓને પદવી એનાયત કરવામાં આવશે.

Central University of Gujarat

કેનેડાએ ૧લી ડિસેમ્બરથી સ્ટડી પરમિટ માટે નવું ફોર્મ જારી કર્યું
(પેજ નં.૩)

જય હિન્દ

પ્રકાશ ટ પ્રગતિ ટ પવિત્રતા

આજનું હવામાન
અમદાવાદ:૩૭/૨૩°C
સૂર્યોદય :૦૬-૨૯
સૂર્યાસ્ત: ૭-૩૨

સ્થાપક:- બાબુભાઈ શાહ   તંત્રી: યશવંતભાઈ શાહ

website: www.jaihinddaily.com | પુસ્તક ૬૨ મું અંક:૩૦૯ સંવત ૨૦૮૦ | કારતક વદ-૧૦ ગુરૂવાર, | તા.૭-૧૨-૨૦૨૩ | પાનાં ૧૨ કિંમત રૂ.૪.૦૦

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુને.નો

પાંચમો પદવીદાન સમારોહ આવતીકાલે યોજાશે

ડૉ.હસમુખ અઢિયા અધ્યક્ષતા કરશે

ગાંધીનગર,તા.૬

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી, ગાંધીનગરનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા.૮મી ડિસેમ્બરના રોજ યોજાશે જેની વિગતો આપતા ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો.રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે. યુનિવર્સિટીના અંડરગ્રેજ્યુએટ, અનુસ્નાતક, એમ.ફિલ અને પી.એચ.ડી. સહિતના કુલ ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરાશે. જેમાં ૩૨ સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૧૬ એમ.ફીલ વિદ્યાર્થીઓ અને ૪૭ પી.એચ.ડી. વિદ્વાનોનો સમાવેશ થાય છે. તેમજ બી.એ. ચાઈનીઝમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓને, ૧૦ વિદ્યાર્થીઓને જર્મન સ્ટડીઝમાં અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં પાંચ વર્ષના ઇન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સ માટે ડિગ્રી એનાયત કરાશે.

વધુમાં જણાવ્યું હતું કે, પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા કરશે જ્યારે મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરૂ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો.શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત દ્વારા ડિગ્રી એનાયત કરાશે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

गर्व: गुजरात का गरबा हुआ ग्लोबल
संस्थापक संपादक: विश्वदेव शर्मा
गुजरात वैभव
1992
अहमदाबाद** गुरुवार, 7 दिसंबर, 2023 वर्ष 32, अंक 20, पृष्ठ-12
gujaratvaibhav.com

पेज.12<< गरबा को यूनेस्को ने दुनिया की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में दिया स्थान
पेज.07<< दक्षिणी गाजा में इसाइली सेना का हमला
बीसीसीआई से बोले रोहित शर्मा, अगर आप मुझे टी20 वर्ल्ड पेज.10 <<

Central University of Gujarat

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह कल

मुख्य अतिथि जेएनयू के कुलपति 332 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करेंगी, समारोह की अध्यक्षता सीजीयू के **कुलाधिपति** डॉ. हसमुख अढिया करेंगे

गांधीनगर । गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 8 दिसंबर को होने वाले पांचवें दीक्षांत समारोह में 332 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। इसमें विभिन्न संकायों के छात्रों और टॉपर्स को मिलाकर यह डिग्री दी जाएगी। बुधवार को सेक्टर-29 स्थित सीयूजी कैम्पस में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल और पीएचडी समेत सभी कोर्सेज के छात्र और छात्राएं शामिल होंगे। प्रो. दूबे ने बताया कि दीक्षांत समारोह में स्नातक के 32, स्नातकोत्तर के 237, एमफिल के 16 और पीएचडी के 47 शोधार्थियों को डिग्री दी जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी शुक्रवार, 8 दिसंबर को होने वाले विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित के हाथों डिग्रियां दी जाएंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. हसमुख अढिया करेंगे। उल्लेखनीय है कि समारोह में विभिन्न विषयों के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सीयूजी मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही स्नातकोत्तर के अर्थशास्त्र, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान और गुजराती विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सीयूजी मेडल के साथ ही प्रायोजित स्वर्ण पदक क्रमश: विद्या देवी अग्रवाल, शांता करिसिद्धप्पा और कवि पिनाकिन ठाकोर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि समारोह में स्नातक के बीए चाइनीज में 9, जर्मन स्टडीज में 10 और 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स इन सोशल मैनेजमेंट में 13 विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएंगी। वहीं स्नातकोत्तर में कुल 18 विषयों के कुल 237 छात्र-छात्राओं को डिग्री दी जाएंगी।

07 ડિસેમ્બર 2023,
ગુરુવાર

વર્ષ : ૧૫ | Year : 15
અંક : ૨૭૭ | Issue : 277
પાના : ૪ | Page : 4
કિંમત : ૧.૦૦ | Price : 1.00

GANDHINAGAR

Manavmitra Evening Daily

સાંધ્ય દૈનિક

માનવ મિત્ર

Published : Office No. 505,6,7, AKHBAR BHAVAN, SECTOR-11, GANDHINAGAR (GUJARAT) 382011

RNI NO.: GUJGUJ/2009/28494

તંત્રી : પ્રણવકુમાર અંબાલાલ પટેલ • Editor : Pranavkumar Ambalal Patel

manavmitragopalji@gmail.com

www.manavmitra.com

THURSDAY • 07-12-2023

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. 8મી ડિસેમ્બરના રોજ ગાંધીનગર ખાતે યોજાશે

કુલ 332 વિદ્યાર્થીઓને પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહમાં ડિગ્રી એનાયત કરાશે

ગાંધીનગર સંવાદદાતા વિજયવીર યાદવ

સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરૂ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિ ધુલીપુડી પંડિત તેમજ અધ્યક્ષ તરીકે યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા ઉપસ્થિત રહેશે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી, ગાંધીનગરનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. ૮મી ડિસેમ્બર,૨૦૨૩ના રોજ યોજાશે જેની વિગતો આપતા ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે, યુનિવર્સિટીના અંડરગ્રેજ્યુએટ, અનુસ્નાતક, એમ.ફિલ અને પી.એચ.ડી સહિતના કુલ ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરાશે. જેમાં ૩૨ સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૧૯ એમ. ફીલ વિદ્યાર્થીઓ અને ૪૭ પી. એચ.ડી વિદ્વાનોનો સમાવેશ થાય છે. તેમજ બી.એ ચાઈનીઝમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓને, ૧૦ વિદ્યાર્થીઓને જર્મન સ્ટડીઝમાં અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં પાંચ વર્ષના ઈન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સ માટે ડિગ્રી એનાયત કરાશે. તેમણે વધુમાં જણાવ્યુ હતું કે, પાંચમા દીક્ષાંત સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા કરશે જ્યારે મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરૂ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિ ધુલીપુડી પંડિત દ્વારા ડીગ્રી એનાયત કરાશે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

RNI No. GUJGUJ/2011/41611

TG તપોભૂમિ ગુજરાત

TAPOBHUMI GUJARAT
(DAILY-AHMEDABAD)

દૈનિક - અમદાવાદ

માલિક, મુદ્રક, પ્રકાશક, તંત્રી : મૌલિક પ્રવિણચંદ્ર ભટ્ટ | વર્ષ- 14 | અંક- 141 | તા. 07-12-2023 ગુરૂવાર | કિંમતઃ ₹ 1/- | પાના : 04 | E-mail : tapobhumigujarat@gmail.com

CUGના પાંચમા દીક્ષાંત સમારોહમાં ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને પદવીઓ મળશે

ગાંધીનગર. ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીમાં ૮ડિસેમ્બરે યોજાનાર પાંચમા દીક્ષાંત સમારોહમાં ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરવામાં આવશે. જેમાં વિવિધ ફેકલ્ટીના વિદ્યાર્થીઓ અને ટોપર્સને આ ડિગ્રી આપવામાં આવશે. બુધવારે સેક્ટર-૨૯ સ્થિત CUG કેમ્પસ ખાતે પત્રકાર પરિષદને સંબોધતા કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ આ માહિતી આપી હતી. તેમણે કહ્યું કે આ કોન્વોકેશનમાં અંડરગ્રેજ્યુએટ, અનુસ્નાતક, એમફિલ અને પીએચડી સહિતના તમામ અભ્યાસક્રમોના વિદ્યાર્થીઓ ભાગ લેશે. પ્રો. દુબેએ જણાવ્યું હતું કે દીક્ષાંત સમારોહમાં ૩૨ સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક

વિદ્યાર્થીઓ, ૧૯ એમફીલ વિદ્યાર્થીઓ અને ૪૭ પીએચડી સ્કોલરને ડિગ્રી આપવામાં આવશે. તેમણે માહિતી આપી હતી કે આવતા શુક્રવારે, ૮ડિસેમ્બરે યોજાનાર યુનિવર્સિટીનો પાંચમો દીક્ષાંત સમારોહ યુનિવર્સિટી કેમ્પસમાં જ આયોજિત કરવામાં આવશે. દીક્ષાંત સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહર લાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત દ્વારા ડીગ્રી આપવામાં આવશે. સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડો.હસમુખ અઢિયા કરશે.

અમદાવાદ એક્સપ્રેસ

Ahmedabad Express | Ahmedabad | RNI No.GUJGUJ/2011/40654

પેજ-08

બોલીવુડમાંથી ઓફરોનો ઢગલો થતાં રશ્મિકા મુંબઈ શીફ્ટ થશે

પેજ-09

મોદી પણ 'સર જાડેજા કહ્યા વિના રહી ન શક્યા : ગોલ્ડન બોય રવીન્દ્રની સફર

હવામાન

શહેર	મહત્તમ	લઘુત્તમ
અમદાવાદ	26.00	18.00
વડોદરા	27.00	19.00
સુરત	29.00	21.00

પેજ 5

ઝકરબર્ગે મેટાના 6 લાખ 82 હજાર શેર વેચ્યા : તેમની કિંમત આશરે...

07 DECEMBER-2023 THURSDAY

તાનાશાહ ગણાતા કિમ જોંગ ઉનની આંખમાં આંસુ જાણો કેમ થયા ભાવુક?

પેજ 10

શેરબજાર

સેન્સેક્સ	69653.73	▲	357.59
નિફ્ટી	20937.70	▲	82.60
સોનું	62,471.00	▲	386.00
ચાંદી	75,380.00	▲	101.00

વર્ષ-13 । અંક-023 । વિક્રમ સંવત-2080 । કારતક વદ-10 । પાના-12 । કિંમત 3/- । અમદાવાદ ■ અમદાવાદ, વડોદરા, સુરતથી પ્રસિદ્ધ થતું દૈનિક

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ તા. 8મી ડિસેમ્બરના રોજ ગાંધીનગર ખાતે યોજાશે

કુલ 332 વિદ્યાર્થીઓને પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહમાં ડિગ્રી એનાયત કરાશે

ગાંધીનગર સંવાદદાતા વિજયવીર યાદવ

સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિ ધુલીપુડી પંડિત તેમજ અધ્યક્ષ તરીકે યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા ઉપસ્થિત રહેશે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી, ગાંધીનગરનો પાંચમો **પદવીદાન સમારોહ તા. ૮મી ડિસેમ્બર,૨૦૨૩ના રોજ યોજાશે** જેની વિગતો આપતા ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે, યુનિવર્સિટીના અંડરગ્રેજ્યુએટ,

અનુસ્નાતક, એમ.ફિલ અને પી.એચ.ડી સહિતના કુલ ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરાશે. જેમાં ૩૨ સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૧૬ એમ. ફીલ વિદ્યાર્થીઓ અને ૪૭ પી. એચ.ડી વિદ્વાનોનો સમાવેશ થાય છે. તેમજ બી.એ ચાઈનીઝમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓને, ૧૦ વિશ્યાર્થીઓને જર્મન સ્ટડીઝમાં અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં પાંચ વર્ષના ઈન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સ માટે ડિગ્રી એનાયત કરાશે. તેમણે વધુમાં જણાવ્યું હતું કે, પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા કરશે જ્યારે મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિ ધુલીપુડી પંડિત દ્વારા ડીગ્રી એનાયત કરાશે.

Central University of Gujarat

ભાવ, વજન અને ક્વોલીટી માટે
મીલ માન્ય માત્ર એક જ ઓથોરાઈઝ્ડ, સ્ટોકીસ્ટ :
એમ. લોખંડવાળા એન્ડ કં.
HY-TUF TMT/QST બાર્સ
ભૂકંપ પીડિત
IS 1786-1985
CM/L-7415771

ગુજરાતમિત્ર
તથા ગુજરાતદર્પણ સ્થાપના:૧૮૬૩
સંવર્ધક તંત્રી : સ્વ. પ્રવીણકાન્ત ઉત્તમરામ રેશમવાળા
તંત્રી: મુદ્રક : પ્રકાશક : ભરત પ્રવીણકાન્ત રેશમવાળા

Make Safety Your Top Priority
Application for KSB Make Fire Fighting Pumps
Pooja Agencies
"POOJA HOUSE" 2/860, RING ROAD, OPP. SUB-JAIL, SURAT-395002, GUJARAT

માલિક: ગુજરાતમિત્ર પ્રા.લિ. પ્રકાશન સ્થાન: ગુજરાત સ્ટાન્ડર્ડ પ્રેસ, ગુજરાતમિત્ર ભવન, સોની ફળિયા, સુરત-૩૯૫૦૦૩
GUJARATMITRA AND GUJARATDARPAN
Regd.No. SRT-006/2021-23 • RNI No.1597/57
વર્ષ: ૧૬૧ • • • સંવત ૨૦૮૦ કારતક વદ દશમ, ગુરુવાર ૭ ડિસેમ્બર, ૨૦૨૩ • • • દૈનિક : ૮૭ - અંક : ૧૮
પાનાં ૧૦+૪ કિંમત ₹ ૫.૦૦

આવતીકાલે ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિ.ના 332 વિદ્યાર્થીને ડિગ્રી એનાયત કરાશે

યુનિ.ના પાંચમા પદવીદાન સમારોહની જાહેરાત, ૨૧ વિદ્યાર્થીને 'ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી મેડલ' એનાયત કરાશે

ગાંધીનગર: ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી, ગાંધીનગરનો પાંચમો પદવીદાન સમારોહ આગામી તા. ૮મી ડિસેમ્બર, ૨૦૨૩ના રોજ યોજાશે. યુનિવર્સિટીના સ્નાતક, અનુસ્નાતક, એમ.ફિલ અને પી.એચ.ડી સહિતના કુલ ૩૩૨ વિદ્યાર્થીઓને ડિગ્રી એનાયત કરાશે. જેમાં ૩૨ સ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૨૩૭ અનુસ્નાતક વિદ્યાર્થીઓ, ૧૯ એમ.ફીલ વિદ્યાર્થીઓ અને ૪૭ પી.એચ.ડી વિદ્વાનોનો સમાવેશ થાય છે.

તેમજ બી.એ ચાઈનીઝમાં ૯ વિદ્યાર્થીઓને, ૧૦ વિદ્યાર્થીઓને જર્મન સ્ટડીઝમાં અને ૧૩ વિદ્યાર્થીઓને સામાજિક વ્યવસ્થાપનમાં પાંચ વર્ષના ઈન્ટિગ્રેટેડ ડિગ્રી કોર્સ માટે ડિગ્રી એનાયત કરાશે.

ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ જણાવ્યું હતું કે, પાંચમાં દીક્ષાંત સમારોહની અધ્યક્ષતા યુનિવર્સિટીના કુલાધિપતિ ડૉ.હસમુખ અઢિયા કરશે, જ્યારે મુખ્ય અતિથિ તરીકે જવાહરલાલ નહેરુ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. શાંતિશ્રી ધુલીપુડી પંડિત દ્વારા ડીગ્રી એનાયત કરાશે.

શ્રેષ્ઠ પરિણામ મેળવનાર કુલ ૨૧ વિદ્યાર્થીઓને ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી મેડલ એનાયત કરાશે. તેમજ વિદ્યા દેવી અગ્રવાલ, શાંતા કરિસિધપ્પા અને કવિ પિનાકિન ઠાકોર દ્વારા પ્રાયોજિત ગોલ્ડ મેડલ અર્થશાસ્ત્ર, પુસ્તકાલય અને માહિતી વિજ્ઞાન અને પોસ્ટના ગુજરાતી વિષયમાં સૌથી વધુ ગુણ મેળવનાર વિદ્યાર્થીઓને પણ મેડલ એનાયત કરાશે.

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

RNI No. GUJGUJ2018/72734

નવ ભારત દૈનિક

NAVBHARAT DAILY GANDHINAGAR

તંત્રી : ઉદયન બાલુભાઈ પટેલ ● સહતંત્રી : પરિતા પટેલ ● વર્ષ : ૦૮ ● અંક : ૩૦૧ ● તારીખ : ૦૨-૦૨-૨૦૨૪ ● શુક્રવાર ● પાના : ૪ ● કિંમત : ૦.૭૫ ● વાર્ષિક લવાજમ : રૂા. ૨૭૫/- ● Mobile : 9558936677

Editor : Udayan Balubhai Patel ● Co-Editor : Parita Patel ● year : 08 ● Issue : 301 ● Date : 02-02-2024 ● Friday ● Page : 4 ● Price : 0.75 ● Anuual Subscription Rs. 275 /- ● Mobile 9558936677

ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા એ વિષય નથી પણ જીવન જીવવાની પદ્ધતિ છે

"ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાઓ: સંચાર અને મહત્વ" પર ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના ઉદ્ઘાટન સત્રમાં વક્તાઓએ વિચારો રજૂ કર્યા.

ગાંધીનગર.

આપણી પાસે ઈન્ડિયન ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ મેનેજમેન્ટ છે પણ વર્તમાન સમય ઈન્ડિયન ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ મેનેજમેન્ટનો છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા સમૃદ્ધ વારસો છે. આપણને આપણી ભવ્ય પરંપરા પર ગર્વ હોવો જોઈએ. તેવું ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના પ્રમુખ ડૉ.ભાગ્યેશ ઝાનું કહેવું છે. ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના સેન્ટર ફોર હેબ્બ, કલ્ચર એન્ડ પર્સનાલિટી સ્ટડીઝ દ્વારા ગુરુવારે આયોજિત ત્રિ-દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના ઉદ્ઘાટન સત્રને વિશેષ અતિથિ તરીકે સંબોધતા તેમણે જણાવ્યું હતું કે ભગવદ્ ગીતામાં વલણ, કૌશલ્ય અને જ્ઞાનને ભક્તિ તરીકે વર્ણવવામાં આવ્યું છે. અનુક્રમે જ્ઞાન અને કર્મ. તેને એવા સ્વરૂપમાં રજૂ કરવામાં આવ્યું છે જે જીવનને નવી દિશા આપે છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાના કર્તવ્યલક્ષી સમાજમાં ગુરુનું મહત્વ સમજાવવામાં આવ્યું છે, જે આપણને આપણી મૂળ સંસ્કૃતિ સાથે જોડે છે. આપણી પરંપરામાં શિક્ષણનું શ્રેષ્ઠ ઉદાહરણ તીરંદાજ અર્જુન છે, જેને યુદ્ધની કળાની સાથે

અન્ય કળાઓમાં પણ નિપુણતા હતી. અવિભાજિત ભારત એક સાંસ્કૃતિક પ્રજાસત્તાક રહ્યું છે. આપણા પાંચ પાસાઓ – પ્રવાસ, ખોરાક, પહેરવેશ, ભાષા અને ગીતો – આપણને આપણી સંસ્કૃતિ સાથે ઓળખાવે છે. તેમણે એથિક્સ, એનર્જી, એક્સેલન્સ, એજ્યુકેશન અને એન્વાયર્નમેન્ટને પાંચ ઈ' ગણાવ્યા અને કહ્યું કે આ એક વૈશ્વિક સમસ્યા છે જેનો ઉકેલ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા દ્વારા જ મળી શકે છે. કાર્યક્રમમાં મુખ્ય મહેમાન તરીકે ગુજરાત યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો.

નીરજા અરુણ ગુપ્તાએ જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાને આપણા સમાજને સાચવ્યો છે, અખંડ સંસ્કૃતિનું જતન કરવાનું શક્ય બનાવ્યું છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા એ આત્મ-પરિચયની યાત્રા છે. દરેક વિષયે IKS (ભારતીય નોલેજ સિસ્ટમ) સાથે જોડાયેલો છે. દરેક વિષયના પ્રારંભિક અભ્યાસમાં ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાના એક ભાગનો સમાવેશ કરવો મહત્વપૂર્ણ છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાની માન્યતા માટે આપણે પશ્ચિમી દેશો પાસેથી ઉધાર લેવાની જરૂર નથી. આપણા જ્ઞાનનો સ્રોત આપણા અસ્તિત્વનો પુરાવો છે. આ પ્રસંગે વિશેષ સંબોધન કરતાં સામાજિક ચિંતક અશ્વિની શર્માએ જણાવ્યું હતું કે ભારત માનવજાતની જન્મભૂમિ છે. થોડા વર્ષો પહેલા સુધી રામ મંદિરનું નિર્માણ માત્ર એક કલ્પના હતી, પરંતુ હવે રામ મંદિરનું પ્રતીક મળવું એ દેશમાં થઈ રહેલા પરિવર્તનનું મોટું પરિણામ છે. રામ મંદિર રાષ્ટ્રીય મંદિર તરીકે વિકસિત ભારતનો માર્ગ મોકળો કરશે. કાર્યક્રમના અતિથિ તરીકે સોમનાથ સંસ્કૃત યુનિવર્સિટીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. સુકાંતકુમાર સેનાપતિએ જણાવ્યું હતું કે, ભારતની ભૂમિ એ ઋષિમુનિઓની તપસ્યાનો મહિમા છે, જે ભારતીયોનો માર્ગ છે. આ માર્ગે ભારત વિશ્વમાં અગ્રેસર બન્યું છે. કાર્યક્રમમાં મુખ્ય વક્તવ્ય રજૂ કરતાં શિક્ષણ મંત્રાલયના IKS વિભાગના રાષ્ટ્રીય સંયોજક પ્રો. ગંતિ એસ મૂર્તિએ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાના વૈશ્વિક પરિપ્રેક્ષ્ય વિશે વાત કરી. તેમણે કહ્યું કે તમામ પરંપરાઓમાં વ્યવસ્થા સરખી છે પરંતુ દ્રષ્ટિ અલગ છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાનો દૃષ્ટિકોણ વ્યાપક અને વિસ્તૃત છે,

ભારત આધ્યાત્મિક સંસ્કૃતિનું પ્રતિક છે

કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાને ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે ભારતીય સદ્‌ની સંસ્કૃતિ આધ્યાત્મિક છે, જેમાં ભૌતિકવાદ સાથે આધ્યાત્મિકતાનો અદ્ભુત સમન્વય જોવા મળે છે. તેમણે કહ્યું કે પશ્ચિમી સંસ્કૃતિમાં ગુરુની જવાબદારી માત્ર જ્ઞાન આપવા સુધી જ સીમિત છે, ભારતીય સંસ્કૃતિમાં વિદ્યાર્થીના શરીર, મન, બુદ્ધિ અને આત્માના વિકાસની ખાતરી કરવાની છે. માણસના સર્વાંગી વિકાસ પર ભાર મૂકતા તેમણે કહ્યું કે ભારતીય દ્રષ્ટિ આપણને માત્ર માનવ શરીર તરીકે જ નહીં પરંતુ એક અભિન્ન ચેતના તરીકે જુએ છે.

કાર્યક્રમની શરૂઆત દીપ પ્રાગટ્યથી કરવામાં આવી હતી. આ દરમિયાન કાર્યક્રમના સંયોજક પ્રો. અતનુ મોહાપાત્રાએ કહ્યું કે કોન્ફરન્સનો ઉદ્દેશ્ય ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાના સમૃદ્ધ જ્ઞાનનો સતત પ્રસાર કરવાનો છે, જેથી આપણે આપણી વિરાસત અને સમૃદ્ધ સંસ્કૃતિ પર ગર્વ અનુભવી શકીએ. યુનિવર્સિટીના રજીસ્ટ્રાર પ્રો. એચ.બી.પટેલે ઉપસ્થિત તમામ મહેમાનોનું સ્વાગત કર્યું હતું. ઉલ્લેખનીય છે કે આ કાર્યક્રમમાં દેશના વિવિધ પ્રદેશોના 300 થી વધુ સંશોધકો, શિક્ષકો અને વિદ્વાનોએ ભાગ લીધો હતો. પ્રો.અતનુ મોહાપાત્રાના જણાવ્યા અનુસાર આ ત્રણ દિવસીય કોન્ફરન્સમાં કુલ ૨૪ ટેકનિકલ અને ૪ પ્લેનરી સેશન હશે. ચ૬:૪૫ ૬. ૦૧.૦૨.૨૦૨૪ 'ક્ષિ' 'ક્ષિ ઠહ્દહ્ઠિ: સ્ક્રીપજેનાં મૂળ ઉદ્દેશ્ય જન કલ્યાણ છે. આ ભાવનામાં જ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા વૈશ્વિક કલ્યાણ માટે કામ કરી રહી છે.

pro@cug.ac.in
જનસંપર્ક અધિકારી
Public Relations Officer
ગુજરાત કેન્દ્રીય વિશ્વવિદ્યાલય
Central University of Gujarat

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष : 44 | अंक : 271 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका, साथ हमारा...

समाचार जगत

www.samacharjagat.com

शुक्रवार

जयपुर, 2 फरवरी 2024, माघ कृष्ण पक्ष सप्तमी संवत् 2080

भारतीय ज्ञान परंपरा विषय नहीं जीवन जीने का मार्ग : डॉ. भाग्येश झा

समाचार जगत ब्यूरो

गांधीनगर। हमारे पास इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट है लेकिन वर्तमान समय इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट का है। भारतीय ज्ञान परंपरा एक समृद्ध विरासत है। हमें हमारी गौरवमयी परंपरा पर गर्व करना चाहिए। ये कहना है, गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा का। गुरुवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य, संस्कृति एवं व्यक्तित्व अध्ययन केन्द्र की ओर से आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवद्गीता में एटीट्यूड, स्किल और नॉलेज को क्रमशः भक्ति, ज्ञान और कर्म के रूप में प्रतिपादित किया गया है जो जीवन को नई दिशा देते है। भारतीय ज्ञान परंपरा के कर्तव्यमूलक समाज में आचार्यों का महत्व बताया गया है, जो हमारी मूल संस्कृति से जोड़ते है। हमारी परंपरा में शिक्षा का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण धनुर्धर अर्जुन है, जिन्हें आर्ट ऑफ वार के साथ अन्य कलाओं में भी दक्षता थी। अखंड भारत सांस्कृति गणतंत्र रहा है। हमारे पांच पहलू भ्रमण, भोजन, पोशाक, भाषा और भजन हमें हमारी संस्कृति की पहचान कराते है। उन्होंने एथिक्स, एनर्जी, एक्सीलेंस,एजुकेशन और एन्वॉयरन्मेंट को पांच ई की संज्ञा देते हुए वैश्विक समस्या बताया जिसका समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा से ही संभव है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई गुजरात विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीरजा अरुण गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान ने ही हमारे समाज का संरक्षण किया है, इससे अनवरत चलने वाली सभ्यता का संरक्षण संभव हो पाया। भारतीय ज्ञान परंपरा 'स्व' से खुद के परिचय की यात्रा है। प्रत्येक विषय आईकेएस(इंडियन नॉलेज सिस्टम) से जुड़ा हुआ है। हर विषय के शुरूआती अध्ययन में ही भारतीय ज्ञान परंपरा का हिस्सा जोड़ना जरूरी है। हमें भारतीय ज्ञान परंपरा की वैधता के लिए पश्चिम के देशों से लेने की जरूरत नहीं है। हमारे ज्ञान का स्रोत ही हमारे अस्तित्व का प्रमाण है। इस अवसर पर विशेष उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सामाजिक चिंतक अश्विनी शर्मा ने कहा कि भारत मानव जाति का उद्गम स्थल है। कुछ वर्ष पूर्व तक राम मंदिर का निर्माण भी एक कल्पना

अध्यात्म प्रधान संस्कृति का द्योतक भारत

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि भारत राष्ट्र की संस्कृति अध्यात्म प्रधान है, जिसमें भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने कहा कि **पाश्चात्य** संस्कृति **में जहां** गुरु का दायित्व सिर्फ ज्ञान देने तक ही सीमित है, वहीं भारतीय संस्कृति में छात्र के शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का **विकास** भी हो इसे सुनिश्चित करना है। उन्होंने मनुष्य के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय दृष्टि हमें मनुष्य के शरीर के तौर पर ही नहीं देखती अपितु **एकात्म भाव** के रूप में देखती है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अतनु महापात्र ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के समृद्ध ज्ञान को सतत् प्रवाहित करना है, ताकि हमारी वृहद और सम्पन्न सभ्यता पर गौरवान्वित महसूस किया जा सके। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में देश के विभिन्न अंचलों से 300 से अधिक शोधार्थी, शिक्षक और विद्वतजन शामिल हुए।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

259

RNI No. GUJGUJ/2011/41611

TG

તપોભૂમિ ગુજરાત

TAPOBHUMI GUJARAT
(DAILY- AHMEDABAD)

દૈનિક - અમદાવાદ

માલિક, મુદ્રક, પ્રકાશક, તંત્રી : મૌલિક પ્રવિણચંદ્ર ભટ્ટ | વર્ષ- 14 | અંક- 196 | તા. 02-02-2024 શુક્રવાર | કિંમતઃ ₹ 1/- | પાના : 04 | E-mail : tapobhumigujarat@gmail.com

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા એ વિષય નથી પણ જીવન જીવવાની પદ્ધતિ છે

"ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાઓ: સંચાર અને મહત્વ" પર ત્રણ દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના ઉદ્‌ઘાટન સત્રમાં વક્તાઓએ વિચારો રજૂ કર્યા.

ગાંધીનગર.

આપણી પાસે ઈન્ડિયન ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ મેનેજમેન્ટ છે પણ વર્તમાન સમય ઈન્ડિયન ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ મેનેજમેન્ટનો છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા સમૃદ્ધવારસો છે. આપણને આપણી ભવ્ય પરંપરા પર ગર્વ હોવો જોઈએ. તેવું ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના પ્રમુખ ડો.ભાગ્યેશ ઝાનું કહેવું છે. ગુજરાત સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના સેન્ટર ફોર હેલ્થ, કલ્ચર એન્ડ પર્સનાલિટી સ્ટડીઝ દ્વારા ગુરુવારે આયોજિત ત્રિ-દિવસીય આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદના ઉદ્‌ઘાટન સત્રને વિશેષ અતિથિ તરીકે સંબોધતા તેમણે જણાવ્યું હતું કે ભગવદ્ ગીતામાં વલણ, કૌશલ્ય અને જ્ઞાનને ભક્તિ તરીકે વર્ણવવામાં આવ્યું છે. અનુક્રમે જ્ઞાન અને કર્મ. તેને એવા સ્વરૂપમાં રજૂ કરવામાં આવ્યું છે જે જીવનને

નવી દિશા આપે છે. ભારતીય જ્ઞાન પરંપરાના કર્તવ્યલક્ષી સમાજમાં ગુરુનું મહત્વ સમજાવવામાં આવ્યું છે, જે આપણને આપણી મૂળ સંસ્કૃતિ સાથે જોડે છે. આપણી પરંપરામાં શિક્ષણનું શ્રેષ્ઠ ઉદાહરણ તીરંદાજ અર્જુન છે, જેને યુદ્ધની કળાની સાથે અન્ય કળાઓમાં પણ નિપુણતા હતી. અવિભાજિત ભારત એક સાંસ્કૃતિક પ્રજાસત્તાક રહ્યું છે. આપણા પાંચ પાસાઓ – પ્રવાસ, ખોરાક, પહેરવેશ, ભાષા અને ગીતો – આપણને આપણી સંસ્કૃતિ સાથે ઓળખાવે છે. તેમણે એથિક્સ, એનર્જી, એક્સેલન્સ, એજ્યુકેશન અને એન્વાયર્નમેન્ટને પાંચ ઈ' જણાવ્યા અને કહ્યું કે આ એક વૈશ્વિક સમસ્યા છે જેનો ઉકેલ ભારતીય જ્ઞાન પરંપરા દ્વારા જ મળી શકે છે. કાર્યક્રમમાં મુખ્ય મહેમાન તરીકે ગુજરાત યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. નીરજા અરુણ ગુપ્તાએ જણાવ્યું હતું કે ભારતીય જ્ઞાને આપણા સમાજને સાચવ્યો છે, અખંડ સંસ્કૃતિનું જતન કરવાનું શક્ય બનાવ્યું છે.

वर्ष: 10 अंक: 242 जयपुर, शुक्रवार, 02 फरवरी 2024 पृष्ठ: 08 मूल्य: 3 रूपए

दैनिक संजीवनी टुडे

sanjeevnitoday.com

समय के साथ बढ़ता अख़बार

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ

जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश

मात्र 1100/- में

संजीवनी टुडे

e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

भारतीय ज्ञान परंपराएँ: संचार और महत्व विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

■ संजीवनी टुडे

उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने प्रस्तुत किया संबोधन

गांधीनगर। हमारे पास इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट है लेकिन वर्तमान समय इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट का है। भारतीय ज्ञान परंपरा एक समृद्ध विरासत है। हमें हमारी गौरवमयी परंपरा पर गर्व करना चाहिए। ये कहना है, गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा का। गुरुवार को गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य, संस्कृति एवं व्यक्तित्व अध्ययन केन्द्र की ओर से आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवद्गीता में एटीट्यूड, स्किल और नॉलेज को क्रमशः भक्ति, ज्ञान और कर्म के रूप में प्रतिपादित किया गया है जो जीवन को नई दिशा देते है। भारतीय ज्ञान परंपरा के कर्त्तव्यमूलक समाज में आचार्यों का महत्व बताया गया है, जो हमारी मूल संस्कृति से जोड़ते है। हमारी परंपरा में शिक्षा का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण धनुर्धर अर्जुन है, जिन्हें आर्ट ऑफ वार के साथ अन्य कलाओं में भी दक्षता थी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई गुजरात विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीरजा अरुण गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान ने ही हमारे समाज का संरक्षण किया है, इससे अनवरत चलने वाली सभ्यता का संरक्षण संभव हो पाया। कार्यक्रम में आए अतिथि सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुकांत कुमार सेनापति ने कहा कि भारतभूमि ऋषियों के तप का प्रताप है, जो भारतीयों का पाथेय है। इसी पाथेय को लेकर भारत विश्व गुरु बना है। कार्यक्रम में मुख्य भाषण प्रस्तुत करते हुए शिक्षा मंत्रालय के आईकेएस डिवीजन के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. गंटी एस मूर्ति ने भारतीय ज्ञान परंपरा के वैश्विक परिदृश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सभी परंपराओं में प्रणाली एक समान है लेकिन दृष्टि अलग-अलग होती है।

अध्यात्म प्रधान संस्कृति का द्योतक भारत

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दूबे ने कहा कि भारत राष्ट्र की संस्कृति अध्यात्म प्रधान है, जिसमें भौतिकता के साथ अध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति में जहां गुरु का दायित्व सिर्फ ज्ञान देने तक ही सीमित है, वहीं भारतीय संस्कृति में छात्र के शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का विकास भी हो इसे सुनिश्चित करना है। उन्होंने मनुष्य के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय दृष्टि हमें मनुष्य के शरीर के तौर पर ही नहीं देखती अपितु एकात्म भाव के रूप में देखती है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अतनु महापात्र ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के समृद्ध ज्ञान को सतत्‌प्रवाहित करना है, ताकि हमारी वृहद और सम्पन्न सभ्यता पर गौरवान्वित महसूस किया जा सके। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एच बी पटेल ने आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया।

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

257

દિવ્ય ભાસ્કર
અમદાવાદ 02-02-2024

દિવ્ય ભાસ્કર પ્રસ્તુતિ
બજેટ ભાસ્કર
અમદાવાદ
શુક્રવાર, 2 ફેબ્રુઆરી, 2024
પોષ વદ - 7, વિક્રમ સંવત 2080
કિંમત ₹ 5.00, વર્ષ 21, અંક 248,
કુલ પાના 24, મહાનગર

નવું કોઈ દુ:ખ નહીં, એ જ સુખ... ચૂંટણી વર્ષના વચગાળાના અંદાજપત્રમાં લોભામણી જાહેરાતો નહીં, કાંઈ સસ્તું પણ નહીં ને મોંઘું પણ નહીં

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં જ્ઞાન પરંપરા વિષયક કાર્યક્રમનું આયોજન કરાયું

ગાંધીનગર | સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં જ્ઞાન પરંપરા ઉપરનો ત્રણ દિવસનો આંતરરાષ્ટ્રીય પરિષદનો પ્રારંભ થયો છે. તેમાં ઉપસ્થિત ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમીના પ્રમુખ ડૉ.ભાગ્યેશ ઝાએ જણાવ્યું હતું કે ભારત એક સાંસ્કૃતિક પ્રજાસત્તાક રહ્યું છે. આપણા પાંચ પાસાઓ પ્રવાસ, ખોરાક, પહેરવેશ, ભાષા અને ગીતો આપણને આપણી સંસ્કૃતિ સાથે ઓળખાવે છે. એથિક્સ, એનર્જી, એક્સેલન્સ, એજ્યુકેશ્ન અને એન્વાયર્નમેન્ટ એમ પાંચ ઈ ગણાવ્યા હતા.

256

નીતિશ કુમાર આજે રાજીનામું આપશે, સાંજે શપથગ્રહણની શક્યતા (વાંચો અંદરના પેજ પર)

દિવ્ય ભાસ્કર
સાચી વાત બેધડક
રસરંગ આજની પૂર્તિ
કુલ પાનાં = 38 (સિટી ભાસ્કર + રસરંગ)
કિંમત ₹ 6.00, વર્ષ 21, અંક 244, મહાનગર
divyabhaskar.com | અમદાવાદ, રવિવાર, 28 જાન્યુઆરી, 2024 | ગુજરાત | પોષ વદ - 3, વિક્રમ સંવત 2080 | 12 રાજ્ય | 61 સંસ્કરણ

સેન્ટ્રલ યુનિ.માં પોસ્ટ ગ્રેજ્યુએશનના 20 વિષયોની 660 બેઠકો ભરાશે

31મી સુધીમાં ઓનલાઈન અરજી કરવી

pro@cug.ac.in
जनसंपर्क अधिकारी
Public Relations Officer
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Gujarat

ભાસ્કર ન્યૂઝ | ગાંધીનગર

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના પોસ્ટ ગ્રેજ્યુએશનના 20 વિષયોની 660 બેઠકો ઉપર પ્રવેશ માટેની એન્ટરન્સ પરીક્ષા લેવામાં આવશે. આથી પ્રવેશ માટે ઇચ્છતા ઉમેદવારો તારીખ 31મી, જાન્યુઆરી સુધી ઓનલાઇન અરજી કરી શકશે. જોકે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટીના પોસ્ટ ગ્રેજ્યુએશનના આર્ટસ, સાયન્સના વિષયોમાં પ્રવેશની કામગીરી હાથ ધરવામાં આવી છે.

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના પોસ્ટ ગ્રેજ્યુએશન અભ્યાસક્રમોના પ્રવેશ માટે નેશનલ ટેસ્ટિંગ એજન્સી દ્વારા પરીક્ષા લેવામાં આવે છે. પરીક્ષામાં ઉત્તીર્ણ થયેલા ઉમેદવારોના આધારે મેરીટ નક્કી કરીને પ્રવેશ આપવામાં આવે છે. જોકે સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતમાં પોસ્ટ ગ્રેજ્યુએશનના એમ.એડ, એમ.એ. અંગ્રેજી, એમ.એ. તુલનાત્મક સાહિત્ય, એમ.એ. હિન્દી, એમ.એ. સામાજિક કાર્ય, એમએસસી જીવ વિજ્ઞાન, એમએસસી ઇન્ડસ્ટ્રીયલ કેમેસ્ટ્રી, એમએસસી કેમિકલ સાયન્સ, એમએસસી એન્વાયરમેન્ટલ સાયન્સ, માસ્ટર ઓફ લાઇબ્રેરી એન્ડ ઇન્ફોર્મેશન સાયન્સ, એમ.એ.સંરક્ષણ અને વ્યુહાત્મક અભ્યાસ, એમ.એ.રાજકારણ અને આંતરરાષ્ટ્રીય સંબંધો, એમ.એ. અર્થશાસ્ત્ર, એમ.એ.ગુજરાત, એમ.એ.ચાઇનીઝ, એમ.એ. જર્મન સ્ટડીઝ, એમ.એસ.સી. નેનો સાયન્સ, એમ.એ. હિન્દુ અધ્યયન વિષયોમાં માસ્ટર ડીગ્રીની પ્રવેશ માટેની પરીક્ષા લેવાશે. તેમ સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતના માહિતગાર સૂત્રોએ જણાવ્યું છે.

556